@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

बुधवार, 31 जुलाई 2024

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 265 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

गुमराह कर शादी करने और धर्म परिवर्तन कराने पर होगा आजीवन कारावास

लखनऊ, 30 जुलाई। गुमराह कर शादी करने और अनुसूचित जाति व जनजाति (एससी-एसटी) के धर्म परिवर्तन कराने के मामलों में आरोपी को अब आजीवन कारावास की सजा दी जाएगी। मंगलवार को यूपी विधानसभा में उप्र विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध (संशोधन) विधेयक को मंजूरी दे दी गई है। विधानमंडल सत्र के दूसरे दिन विधेयक को मंजूरी दे दी गई है। प्रदेश सरकार ने इससे पहले विधानसभा में धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक, 2021 पारित किया था। इस विधेयक में एक से 10 साल तक की सजा का प्रावधान था। संशोधन के जरिये पिछले विधेयक को सजा और जुर्माने की दृष्टि से और मजबूत किया गया है। नए प्रावधानों के अनुसार यदि किसी नाबालिग, दिव्यांग अथवा मानसिक रूप से दुर्बल व्यक्ति, महिला, एससी-एसटी का धर्म परिवर्तन कराया जाता है तो दोषी को आजीवन कारावास और एक लाख रुपये जुर्माने से दंडित किया जाएगा। इसी तरह, सामूहिक धर्म परिवर्तन पर भी आजीवन कारावास और एक लाख रुपये जुर्माने की सजा होगी। यूपी सरकार ने सोमवार को विधानसभा में यह विधेयक पेश किया था जिसे मंगलवार को पास कर दिया गया। अब इसे विधान परिषद को भेजा जाएगा। दोनों सदनों से पारित होने के बाद राज्यपाल के पास जाएगा। फिर इसे राष्ट्रपति को भेजा जाएगा। वही इस पर अंतिम फैसला लेंगी। यह संशोधन विधेयक धर्म परिवर्तन के अपराध की संवेदनशीलता और गंभीरता के मद्देनजर लाया गया है। इससे विदेशी एवं राष्ट्र विरोधी ताकतों की संगठित साजिश को रोका जा सकेगा। इसी वजह से सजा और जुर्माने की राशि को बढ़ाने के साथ जमानत की कड़ी शर्तों के प्रावधान किए गये हैं। साथ ही नाबालिग, दिव्यांग और मानसिक रूप से अस्वस्थ लोगों को भी इस अपराध का शिकार होने से बचाया जा सकेगा।

वायनाड भूस्खलन में अब तक 93 की मौत, 128 घायल

सिम्मी कौर बब्बर

वायनाड (केरल), 30 जुलाई। केरल के वायनाड जिले में मेप्पाडी के पास पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन की खबर है। इस प्राकृतिक आपदा के कारण अबतक 93 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 128 घायल हुए हैं। वहीं सैकड़ों लोगों के फंसे होने की आशंका है। स्थानीय आपदा मोचन बल के जवान राहत और बचाव कार्य चला रहे हैं। बारिश के कारण कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।केरल में वायनाड के चूरलमाला क्षेत्र में भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर चला रहे हैं बचाव अभियान, जहां आज भूस्खलन हुआ था जिसमें 93 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। केरल में लगातार बारिश के बीच वायनाड के चूरलमाला इलाके में बारिश और भूस्खलन की वजह से एनडीआरएफ समेत आपातकालीन प्रतिक्रिया दल खोज और बचाव अभियान में लगे हुए हैं। इलाके में मौजूद एक स्थानीय व्यक्ति ने कहा, हमें नहीं पता कि कितने लोग मिट्टी के नीचे दबे हुए हैं। यह पहली बार है जब यहां ऐसी घटना हुई है। केरल- भारतीय वायुसेना ने वायनाड में आपदा राहत दल तैनात किया है, जहां आज हुए भूस्खलन में 93 लोगों की मौत हो गई। केरल के वायनाड में आज हुए भूस्खलन में मारे गए लोगों के शव नीलांबुर तालुक अस्पताल लाए गए। कुल 93 शव बरामद किए गए हैं। वायनाड भूस्खलन में फिर बढ़ा मौतों का आंकड़ा, राज्य सरकार के अनुसार अब तक 93 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं और 128 लोगों का अलग-अलग अस्पतालों में इलाज जारी है। केरल के वायनाड में भारतीय सेना, एनडीआरएफ का चूरलमाला क्षेत्र में बचाव अभियान जारी। आज हुए भूस्खलन में 84 लोगों की हुई मौत। वायनाड में भूस्खलन के बाद हुई भीषण तबाही में बड़ी संख्या में लोगों की मौत के बाद राज्य सरकार ने राज्य में दो दिनों के लिए शोक की घोषणा की है। वहीं केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सचिव शेखर कुरियाकोस ने कहा, बचाव कार्य युद्ध स्तर पर जारी है और हमारे पास पर्याप्त बल हैं। एनडीआरएफ को पहले से ही तैनात कर दिया गया है... अग्निशमन और बचाव की 10 टीमें, 200 नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक, एनडीआरएफ की 3 टीमें काम कर रही है। उन्होंने बताया कि हमने ह्लष्ठक्रस्न की चौथी टीम, रक्षा सुरक्षा पुलिस की दो टीमें और नौसेना की एक नदी पार करने वाली टीम को यहां भेजने का अनुरोध किया है। हमने सेना से इंजीनियरिंग टास्क फोर्स के लिए भी अनुरोध किया है। हमारे पास इन सैनिकों को ले जाने के लिए विमान तैयार हैं। वायनाड में भूस्खलन के बाद खोज और बचाव अभियान पर, एनडीआरएफ के डिप्टी कमांडेंट एस शंकर पांडियन ने कहा कि हमारी टीमें वायनाड में कई जगहों पर तैनात हैं। यहां तक कि कोझिकोड में भी भूस्खलन की आशंका थी, एनडीआरएफ की टीम वहां भी तैनात है। एनडीआरएफ की 3 टीमें पहले से ही वायनाड में हैं। हालांकि हमें भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र के अंदरूनी हिस्सों तक पहुंचने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।

भाजपा ने स्वार्थ के लिए केजरीवाल को जेल में डाला: अखिलेश

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 30 जुलाई। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बिगड़ते स्वास्थ्य और अवैध गिरफ्तारी के खिलाफ इंडिया गठबंधन की जंतर-मंतर पर एक बड़ी रैली हो रही है। रैली में आम आदमी पार्टी के बड़े नेता और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में पहुंचे हैं। अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और गिरते स्वास्थ्य को लेकर इंडिया गंठबधन द्वारा आयोजित धरना प्रदर्शन में आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और संदीप पाठक मंच पर पहुंचे। मंच पर समाजवादी पार्टी के नेता राम गोपाल यादव ने कहा कि केंद्र सरकार मात्र एक साल तक ही चलेगी। समाजवादी पार्टी पूरी तरह से आप आदमी पार्टी के साथ है। वहीं शिवसेना उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने कहा कि शिवसेना उद्धव गुट का डीएनए और इंडिया गठबंधन का डीएनए एक है। गुजरात के जो दो तानाशाह हैं वो सबसे डरपोक हैं। जब हमारी सरकारी आयेगी तो बताएंगे की ईडी और

सीबीआई क्या है। यही इन दोनो तानाशाह को भी जेल में डालेगी। आम आदमी पार्टी लगातार भाजपा पर षड्यंत्र का आरोप लगा रही है। आप का आरोप है कि भाजपा अरविंद केजरीवाल को जेल में मारना चाहती है। लगातार उनका ब्लड प्रेशर कम हुआ। तीन जून से सात जून के बीच 34 बार ब्लड प्रेशर गिरा। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने कहा की इससे पहले भी दिल्ली में अरविंद केजीवाल के पक्ष में रैली की गई थी। उसमे भी कहा गया था कि अन्याय किया जा रहा है। भाजपा ने अपने स्वार्थ के लिए सीएम केजरीवाल को जेल में डाल दिया। यूपी ने इस बार भाजपा को हरा कर अपना फैसला समाजवादी पार्टी और इंडिया गठबंधन को जिताया है। भाजपा को यह पता होना चाहिए कि जनता उनके खिलाफ है। अखिलेश यादव ने आगे कहा कहा कि मैंने चुनाव से पहले एक बात कही थी कि दिल्ली (केंद्र सरकार) के पास कई ऐसे संगठन हैं, जो समय-समय पर नेताओं को परेशान करते हैं, वो संगठन उन्हें न्याय नहीं मिलने देते... अगर हम सत्ता में आए तो हम ऐसे संगठनों को हमेशा के लिए खत्म कर देंगे। हमारे लोकतंत्र में किसी पर झूठा आरोप नहीं लग सकेगा। आप सांसद राघव चड्ढा ने कहा, आज आम आदमी पार्टी द्वारा जंतर-मंतर पर एक विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया था। इंडिया गठबंधन की एकता आज मंच पर नजर आई। अरविंद केजरीवाल की रिहाई की मांग सिर्फ दिल्ली से ही नहीं बल्कि देश के हर कोने से आ रही है। देश के हर कोने से नेता आए और अरविंद केजरीवाल, सुनीता केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के संघर्ष में शामिल होकर इस आवाज को बुलंद किया।

सीएम धामी ने पैर धोकर किया कांवड़ियों का स्वागत

हरिद्वार, 30 जुलाई। कांवड़ मेला पूरी तरह चरम पर पहुंच चुका है और गंगा घाटों से लेकर हाईवे केसरिया रंग में रंगा नजर आ रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी आज हरिद्वार पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कांवड़ियों का स्वागत किया। उन्होंने खुद कांवड़ियों के पैर धोए। इसके बाद हरकी पैड़ी पर मौजूद कांवड़ यात्रियों के ऊपर पुष्प वर्षा की गई। इस दौरान हरकी पैड़ी पर कावंड़ यात्री उत्साहित नजर आए। वहीं, धर्मनगरी भी हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठी। कांवड़ियों का स्वागत करने के लिए कई नेता और मंत्री भी सीएम धामी के साथ मौजूद रहे। सोमवार को 62 लाख कांवड़ यात्रियों ने गंगाजल भरा और अपने गंतव्य के लिए रवाना हो गए। नौ दिन के अंदर दो करोड़ से ज्यादा कांवड़ियों की संख्या पहुंच गई है।

बीबी जागीर कौर, सिकंदर सिंह मलूका, चंदूमाजरा समेत कई नेताओं को निकाला

चंडीगढ़, 30 जुलाई। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) में बीते कई दिनों से कलह चल रही है। शिअद में चल रहे असंतोष की वजह से पार्टी नेताओं के एक वर्ग ने पार्टी अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के खिलाफ बगावत का झंडा बुलंद कर रखा है। वहीं, बागी गुट ने अकाली दल बचाओ लहर आंदोलन भी चलाया हुआ है। बागी गुट के नेताओं की मांग थी कि सुखबीर बादल को पार्टी के अध्यक्ष पद से हटाया जाए। ऐसे में अब पार्टी प्रधान सुखबीर बादल ने पार्टी के बागी गुट के नेताओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पार्टी ने बीबी जागीर कौर, सिकंदर सिंह मलूका, प्रेम सिंह चंदूमाजरा, परमिंदर ढींढसा, गुरप्रताप वडाला, सुरजीत रखड़ा और चरणजीत बराड़ को पार्टी से निकाल दिया है।

मुख्य सचिव ने सौंपी आतिशी को रिपोर्ट

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 30 जुलाई। दिल्ली के मुख्य सचिव ने मंगलवार को ओल्ड राजिंदर नगर हादसे में मंत्री आतिशी को जांच रिपोर्ट सौंप दी। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस कोचिंग संस्थान ने ड्रेनेज सिस्टम को पूरी तरह से बंद कर दिया है और इस तरह की घटनाओं से निपटने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपाय भी नहीं किए हैं। संस्थान की पार्किंग का रास्ता सीधे सड़क से जुड़ा हुआ है और भारी बारिश की स्थिति में पानी स्टॉर्मवॉटर ड्रेन में जाने के बजाय सीधे इस पार्किंग क्षेत्र में प्रवेश करता है। रिपोर्ट में आगे लिखा है, सुरक्षा कर्मचारियों की ओर से कोई सतर्कता नहीं बरती गई, जिसके परिणामस्वरूप पानी बिना रुके पार्किंग क्षेत्र को पार कर बेसमेंट में घुस गया और इसमें तीन बच्चों की जान चली गई। हालांकि, क्षेत्र की ड्रेनेज प्रणाली के रखरखाव के लिए जिम्मेदार सहायक अभियंता (एम-1)/केबीजेड को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है और जूनियर इंजीनियर (एम-1)/केबीजेड की सेवाएं तत्काल समाप्त कर दी गई हैं। कार्यकारी अभियंता (एम-1) को घटना पर स्पष्टीकरण मांगने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। बता दें कि राजस्व मंत्री आतिशी ने दिल्ली के मुख्य सचिव पर बड़ा आरोप लगाया था। आतिशी ने सवाल उठाते हुए पूछा था कि क्या कोचिंग सेंटर्स बचाने की कोशिश करे हैं चीफ सेक्रेटरी? मंत्री के आदेश के बावजूद 24 घंटे में राजेंद्र नगर घटना की रिपोर्ट नहीं सौंपी। आतिशी ने 24 घंटे में जांच रिपोर्ट देने के आदेश दिए थे। एमसीडी कमिश्नर अश्विनी कुमार ने कहा है कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण घटना है और इसमें हमने दो-तीन मोर्चों पर काम किया है। हम उस क्षेत्र में सभी अतिक्रमणों को ध्वस्त कर देंगे और वहां जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करेंगे। सभी बेसमेंट जो अवैध हैं या कोचिंग सेंटर वहां चल रहे हैं, हम उनके खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं। दिल्ली नगर निगम (स्ष्ठ) ने एक जूनियर इंजीनियर को बर्खास्त कर दिया है और एक सहायक इंजीनियर को निलंबित कर दिया है और संबंधित कार्यकारी इंजीनियर से स्पष्टीकरण मांगा है। दृष्टि आईएएस के एक्स अकाउंट पर पोस्ट साझा करते हुए विकास दिव्यकीर्ति ने कहा कि, हमें खेद है कि हमने अपना पक्ष रखने में देरी की। वस्तुत: हम नहीं चाहते थे कि अधूरी जानकारी के आधार पर कुछ कहें। इस देरी के लिये हम ह्रदय से क्षमाप्रार्थी हैं। शनिवार की दुर्भाग्यपूर्ण घटना, जिसमें 3 विद्यार्थियों श्रेया यादव, तान्या सोनी और निविन डाल्विन की असमय व दर्दनाक मृत्यु हुई, पर हम गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। हम तीनों बच्चों के प्रति विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उनके परिवारजनों को यह अपूरणीय क्षति झेलने का हौसला प्रदान करें।

बीते दस वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले: पीएम मोदी

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 30 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विज्ञान भवन में विकसित भारत की यात्रा- केंद्रीय बजट 2024-25 के बाद का सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। यह कार्यक्रम कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) की ओर से आयोजित किया गया है। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा, मेरा देश कभी पीछे नहीं हट सकता। मैं सीआईआई का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। मुझे याद है पैंडेमिक के समय आप बहुत चिंता कर रहे थे। हर चर्चा के केंद्र के विषय रहता था गेटिंग ग्रोथ बैक। भारत बहुत ही जल्द विकास के पथ पर दौड़ेगा। आज भारत किस ऊचाई पर है। आज भारत 8 प्रतिशत की रफ्तार से ग्रो कर रहा है। आज हम सभी डिस्कस कर रहे हैं, जर्नी टुवार्ड विकसित भारत। यह बदलाव सिर्फ सेंटिमेंट का नहीं है यह बदलाव कॉन्फिडेंस का है। पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी आर्थिक ताकत है। और वो दिन दूर नहीं जब भारत दुनिया की तीसरे सबसे बड़े इकोनॉमिक पावर बन जाएगा। पीएम ने कहा, मैं जिस बिरादरी से आता हूं उस बिरादरी की पहचान बन गई है चुनाव से पहले जो बातें करते हैं चुनाव के बाद भुला देते हैं। मैं वैसा नहीं हूं। इसलिए मैं याद दिला देता हूं मैंने कहा था मेरे तीसरे टर्म में देश तीसरे नंबर की इकोनॉमी बनेगा। भारत बहुत सधे हुए कदमों से लगातार आगे बढ़ रहा है। 2014 में जब आपने हमें सेवा करने का अवसर दिया तब सबसे बड़ा प्रश्न यही था इकोनॉमी को कैसे वापस पटरी पर लाएं। 2014 से पहले ही फ्रेजाइल फाइव वाली स्थिति और लाखों करोड़ों के घोटाले के बारे में यहां हर कोई पता है। इकोनॉमी की क्या स्थिति थी इसकी बारीकियां सरकार ने श्वेत पत्र जारी के बताई है। मैं उसके विस्तार में नहीं जाऊंगा। पीएम ने कहा कि आप जैसे संगठन (सीआईआई) उस पर जरूरत के अनुसार अध्ययन करें उस पर डिबेट करें कि हम कहां खड़े थे और कैसी बीमारियों की शिकार हो गए थे? पीएम ने दावा किया कि हम भारत को उस महासंकट से निकाल कर इस ऊंचाई पर लाए हैं। बजट 16 लाख से 48 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। कैपेक्स जिसे रिसोर्स इन्वेस्टमेंट कहा जाता है यूपीए सरकार के पहले बजट में कैपेक्स के लिए 90 हजार करोड़ था, इस साल सरकार चलाने के बाद 2014 में यह बजट 2 लाख करोड़ रुपये था। आज कैपेक्स 11 लाख करोड़ रुपये से भी ज्यादा है। हमारी सरकार में कैपेक्स 5 गुना की रफ्तार से बढ़ा है। बात सिर्फ बजट बढ़ाने की नहीं है बात गुड गवर्नेंस की है। पहले बजट की घोषणाएं भी जमीन पर नहीं उतार पाते थे। ये घोषणा करके हेडलाइन लेते थे पर काम नहीं होता था। योजनाओं को तय समय पर पूरा करने पर भी पहले की सरकारों का कोई जोर नहीं था। हमने दस वर्षों में इस स्थिति को बदला है। ऐसी अनिश्चितता के समय में भी विदेशी मुद्रा भंडार में अच्छी खासी वृद्धि हुई है। हाई ग्रोथ लो इन्फ्लेशन वाला इकलौता देश है। इतनी बड़ी महामारी के बावजूद भारत का फिस्कल प्रूडेंस पूरी दुनिया के रोल मॉडल है। ग्लोबल ग्रोथ में भारत की भागीदारी 16त्न हो गई है। ऐसा अनेकों के संकट के बाद हुआ है। पैंडेमिक, युद्ध और प्राकृतिक आपदाओं के बावजूद ऐसा हुआ है। हमने हर संकट का मुकाबला किया है। हर चुनौती का समाधान किया है। अगर ये संकट नहीं आते तो भारत आज जहां पहुंचा है उससे भी ऊंचाई पर होता। आज देश विकसित भारत के संकल्प को लेकर चल रहा है। बीते दस वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। हम देश के नागरिकों की क्वालिटी ऑफ लाइफ पर ध्यान दे रहे हैं। हमने कौशल विकास और रोजगार पर ध्यान केंद्रित किया है। इसमें मुद्रा योजना, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया युवाओं की मदद कर रही है। मुद्रा योजना की मदद से आठ करोड़ से ज्यादा साथियों ने पहली बार कोई बिजनेस शुरू किया है।

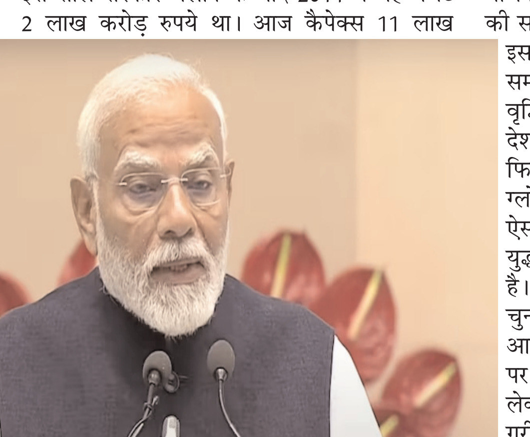

21 पोस्ट कोड की भर्तियों के परिणाम करेगा घोषित राज्य चयन आयोग

नरेश मल्होत्रा

शिमला, 30 जुलाई। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार ने हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग को विभिन्न श्रेणियों के 21 पोस्ट कोड के परिणाम घोषित करने की स्वीकृति दी की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य के युवाओं को योग्यता के आधार पर रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के बाद प्रदेश के युवाओं के लिए सरकारी क्षेत्र में 30 हजार पद सृजित किए गए और इन पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि पिछली भाजपा सरकार ने रोजगार के नाम पर युवाओं को केवल ठगने का काम किया और पांच वर्ष के कार्यकाल के दौरान सरकारी क्षेत्र में केवल 20 हजार नौकरियां सृजित की गईं, जिनमें से अधिकतर कानूनी दांव-पेंच में फंस गईं। सुक्खू ने कहा कि चयन आयोग फॉरेंसिक सेवाएं विभाग में लैब असिस्टेंट (बायो एंड सीरोलॉजी) (पोस्ट कोड 961), भू-रिकॉर्ड विभाग में असिस्टेंट कंप्यूटर प्रोग्रामर (पोस्ट कोड 966), तकनीकी शिक्षा एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण विभाग में होस्टल अधीक्षक एवं पीटीआई (पोस्ट कोड 968), खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग में इंस्पेक्टर लीगल मेटिरियोलॉजी (पोस्ट कोड 969), मत्स्य विभाग में मत्स्य अधिकारी (पोस्ट कोड 978) और मुद्रण एवं स्टेशनरी विभाग में कॉपी होल्डर (पोस्ट कोड 982) के परिणाम सहित धर्मशाला नगर निगम में सफाई सुपरवाइजर (पोस्ट कोड 986), हिमाचल प्रदेश सामान्य उद्योग निगम में असिस्टेंट केमिस्ट (पोस्ट कोड 987), वर्कशॉप इंस्पेक्टर (वेल्डिंग) (पोस्ट कोड 991) का भर्ती परिणाम घोषित करेगा। इसके साथ ही वर्कशॉप इंस्ट्रक्टर (पैट्रन मेकिंग) (पोस्ट कोड 992), वर्कशॉप प्रशिक्षक (मशीनिस्ट) (पोस्ट कोड 993), मनोवैज्ञानिक एवं पुनर्वास अधिकारी (पोस्ट कोड 994), तकनीकी शिक्षा में वर्कशॉप प्रशिक्षक (पोस्ट कोड 997), हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक लिमिटेड में आशुटंकक (पोस्ट कोड 995), हिमाचल पथ परिवहन निगम में जेओए (अकाउंट्स) (पोस्ट कोड 996), विधि अधिकारी (पोस्ट कोड 999), तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर जेओए (आईटी) (पोस्ट कोड 1000), हिमाचल प्रदेश मानव अधिकार आयोग में कनिष्ठ आशुलिपिक (पोस्ट कोड 1001), सहकारिता विभाग में किन्नौर जिला सहकारी विपणन एवं संघ लिमिटेड टापरी में सचिव (पोस्ट कोड 1002), जेई (आर्कियोलॉजी) (पोस्ट कोड 1004) तथा भाषा, कला एवं संस्कृति विभाग में प्रिजर्वेशन असिस्टेंट (पोस्ट कोड 1006) के परिणाम घोषित करेगा। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार विद्यार्थियों का समग्र एवं समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता और देशभक्ति की भावना जागृत करने के लिए राज्य सरकार ने प्रदेश के सभी स्कूलों में राष्ट्रगान के साथ सुबह प्रार्थना सभा करवाने का निर्णय लिया है। इसके अतिरिक्त सभी उच्च और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में प्रतिदिन अनिवार्य रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराने का भी निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियों से युवा पीढ़ी में एकता और देशभक्ति की भावना जागृत होगी। इससे विद्यार्थी भविष्य में राष्ट्र के जिम्मेदार नागरिक बनेंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार ने कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत शिक्षा प्रणाली में विभिन्न सुधारात्मक कदम उठाए हैं और शिक्षा प्रणाली में इन निर्णयों के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। प्रदेश सरकार ने विद्यार्थियों का शारीरिक विकास सुनिश्चित करने के लिए शारीरिक शिक्षा और योग को पाठ्यक्रम में अनिवार्य विषय बनाने का निर्णय लिया है। इससे सभी स्कूलों में विद्यार्थी प्रतिदिन कम से कम 15 मिनट शारीरिक व्यायाम करेंगे।

यूपीए सरकार ने किसानों को लागत पर लाभ देने से किया था इनकार: कृषि मंत्री

नई दिल्ली, 30 जुलाई। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को लोकसभा में कांग्रेस के नेतृत्व वाली पिछली यूपीए सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि साल 2006 में में स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट आई थी, जिसमें कहा गया था कि किसानों की लागत में 50 त्न लाभ जोड़कर मिनिमम सपोर्ट प्राइज तय किया जाए, लेकिन उस समय की यूपीए सरकार ने इसे देने से इनकार कर दिया था। बता दें कि लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने 2020-21 के किसान विरोध प्रदर्शन से संबंधित एक पूरक प्रश्न पूछा और कहा कि आंदोलन के दौरान लगभग 750 किसानों की जान चली गई। उन्होंने पूछा कि क्या सरकार केंद्र के तीन विवादास्पद कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर साल भर चले विरोध प्रदर्शन के दौरान अपनी जान गंवाने वालों के परिजनों को नौकरी देने पर विचार कर रही है। इस सवाल के जवाब में शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि यह प्रश्न मुख्य प्रश्न से संबंधित नहीं था, जो किसानों के सामने आने वाले मुद्दों पर था। उन्होंने कहा, सरकार किसानों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कृषि मंत्रालय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों की आय बढ़ाने के लिए हमने 6 सूत्रीय रणनीति बनाई है। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने से इनकार कर दिया था, जिसमें किसानों को उनकी लागत पर 50 प्रतिशत लाभ देने का सुझाव दिया गया था। उन्होंने कहा, कि स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट 2006 में आई थी और उसमें कहा गया था कि फसलों के लिए एमएसपी की गणना में लागत पर 50 प्रतिशत लाभ जोड़ा जाना चाहिए। उनकी सरकार ने इससे इनकार कर दिया था। मेरे पास दस्तावेज हैं। उनके मंत्री कांतिलाल भूरिया ने कहा था कि 50 प्रतिशत लाभ नहीं दिया जा सकता। उस समय शरद पवार कृषि मंत्री थे, उन्होंने भी कहा था कि यह नहीं दिया जा सकता। कृषि मंत्री ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली वर्तमान सरकार ने कई फसलों के लिए एमएसपी में बढ़ोत्तरी की है।

कैलिफोर्निया में भूकंप से कांपी धरती, लॉस एंजिल्स तक रहा असर

एजेंसी

सैक्रामेंटो। संयुक्त राज्य अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत में शक्तिशाली भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का असर लॉस एंजिल्स तक दिखा। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.9 दर्ज की गई। भूकंप का केंद्र बैरस्टो के पास बताया गया है। संयुक्त राज्य अमेरिका के भूगर्भ सर्वेक्षण के मुताबिक, स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब एक बजे भूकंप के झटके आने शुरू हुए। इसका केंद्र जमीन से पांच मील नीचे था। भूकंप का असर सैन बर्नार्डिगो काउंटी के अलावा लॉस एंजिल्स, केर्न, रिवरसाइड और ऑरेंज काउंटी में दिखा। इन स्थानों में भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.5 और 2.7 मापी गई।

ब्रिटेन में चाकू से भीड़ पर हमले में कई बच्चों समेत 8 लोग गंभीर रूप से घायल, हमलावर गिरफ्तार

लंदन। इंग्लैंड में भीड़ पर एक व्यक्ति ने चाकू से कई लोगों पर हमला कर दिया। इस हमले में बच्चों समेत 8 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पुलिस ने बताया कि इस मामले में लिवरपूल के पास साउथपोर्ट में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। इस दौरान आरोपित और उसके पास से चाकू भी जब्त किया गया है। पुलिस के मुताबिक, इस हमले में कई लोगों के हताहत होने की खबर है। वहीं, इस हादसे के बाद स्थानीय व्यवसायी कोलिन पैरी ने पुलिस को फोन कर घटना की जानकारी दी थी, उन्होंने कहा कि हमलावर ने कई युवा लड़कियों को भी चाकू मारा है। एक अन्य स्थानीय ने बताया कि उन्होंने 7 से 10 बच्चों को देखा जो गंभीर रूप से घायल थे और उनका खून बह रहा था। उन्होंने आगे बताया कि सभी को चाकू मारा गया है।

पाकिस्तान में 11 साल की ईसाई लड़की को उठा ले गए, धर्म बदलाया, किया निकाह, पांच माह बाद परिवार को सौंपा

टोबा टेक सिंह,। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के टोबा टेक सिंह शहर से शर्मनाक खबर आई है। मुल्क के प्रमुख समाचार पत्र डान की वेबसाइट पर मौजूद रिपोर्ट में कहा गया है कि करीब पांच महीने पहले कथित तौर पर अपहृत एक नाबालिग ईसाई लड़की को चक 233 आरबी, हरि सिंहवाला, फैसलाबाद में बरामद कर उसके माता-पिता को सौंप दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार इस लड़की के अपहरण पर उसके पिता सुहैल मसीह की शिकायत पर 11 फरवरी को पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 376, 364, 365, 420, 468 और 471 के एफआईआर दर्ज की गई थी। शिकायतकर्ता मसीह ने आरोप लगाया था कि उसकी 11 वर्षीय बेटी लाइबा का शफकत शाह और इरफान मसीह ने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर अपहरण कर लिया है। शाह ने लाइबा को जबरन इस्लाम धर्म में परिवर्तित कराया और बाद में उससे निकाह (शादी) कर लिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय दबाव के बाद दर्ज एफआईआर की जांच पुलिस की कई टीमों को सौंपी गई। पड़ताल में यह साबित हुआ कि लाइबा कम उम्र की है। शाह के साथ उसका निकाह अवैध था। उसका धर्म परिवर्तन जबरन कराया गया। ईसाई नेता लाला डेनियल रॉबिन, शाजिया जॉर्ज, रोमाना बशीर, सैका रहमत, शाहीन एंथोनी, परवेज इकबाल भट्टी, यशवा भट्टी और लाइबा के पिता सुहैल मसीह ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में लाइबा की बरामदगी के लिए आवाज उठाने के लिए अंतरराष्ट्रीय और पाकिस्तान के मानवाधिकार संगठनों को आभार व्यक्त किया है।

निकोलस मादुरो वेनेजुएला के राष्ट्रपति निर्वाचित

काराकास। वेनेजुएला के राष्ट्पति निकोलस मादुरो को तड़के राष्ट्रपति चुनाव में निर्वाचित घोषित किया गया। देश के अधिनायकवादी नेता मादुरो को इस बार के चुनाव में विपक्ष की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। देश के चुनाव प्राधिकरण ने दावा किया कि मादुरो को 51.2 प्रतिशत और मुख्य विपक्षी उम्मीदवार एडमंडो गोंजालेज को 44.2 प्रतिशत वोट मिले।

बांग्लादेश में आज रहेगा राष्ट्रव्यापी शोक, आरक्षण विरोधी हिंसक विरोध प्रदर्शनों में 150 लोगों की हुई थी मौत

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की सरकार ने पहली बार स्वीकार किया कि आरक्षण व्यवस्था के खिलाफ छात्रों के हिंसक प्रदर्शन के दौरान देशभर में 150 लोगों की मौत हुई है। हाल में बांग्लादेश में नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों को दबाने के लिए सरकार को सेना बुलानी पड़ी थी।

इस महीने की शुरुआत में विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन जल्द ही प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी सरकार के खिलाफ एक व्यापक आंदोलन में बदल गया। इन हिंसक प्रदर्शनों में पुलिसकर्मियों सहित काफी संख्या में लोग घायल हुए हैं और अहम सरकारी प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचाया गया। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में हसीना की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद कैबिनेट सचिव महबूब हुसैन ने मीडिया को बताया, '' सरकार ने फैसला किया है कि कल देशव्यापी शोक रखा जाएगाज लोगों से (हिंसा के दौरान हुई) मौतों पर शोक व्यक्त करने के लिए काले बैज पहनने का आग्रह किया गया है।÷ उन्होंने कहा कि देश भर की मस्जिदों, मंदिरों, पैगोडा (बौद्ध उपासना स्थल) और गिरजाघरों से अनुरोध किया गया है

कि वे दिवंगत लोगों और घायलों के लिए प्रार्थना सभा का आयोजन करें।

शीर्ष नौकरशाह ने कहा कि गृह मंत्री असद-उज-ज़मां खान कमाल ने बैठक में समग्र स्थिति के बारे में एक रिपोर्ट पेश की और देश भर में झड़पों में 150 लोगों की मौत होने की पुष्टि की। यह ऐलान उस दिन किया गया है जब सेना और अर्धसैनिक बलों की टुकड़ियां राजधानी ढाका की सड़कों पर गश्त कर रही हैं, और दंगा रोधी उपकरणों से लैस पुलिस भी तैनात है। प्रदर्शनकारी छात्रों के एक गुट ने रविवार रात को विरोध प्रदर्शन के नए दौर का आह्वान किया है। समूह ने नये सिरे से विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है जबकि उसके छह समन्वयकों ने प्रदर्शन वापस लेने की घोषणा की है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यह निर्णय पुलिस हिरासत में दबाव में लिया गया है। प्रदर्शन से पीछे हटने वाले छह छात्र नेताओं ने रविवार रात मीडिया के सामने कहा कि आरक्षण व्यवस्था पर उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद सरकार ने उनकी मांगों को मान लिया है। अदालत के आदेश के अनुरूप सरकार ने एक गजट अधिसूचना जारी की जिसमें कहा गया कि 93 प्रतिशत नौकरियां योग्यता के आधार पर उम्मीदवारों के लिए उपलब्ध होंगी। 'प्रोथोम एलो' अखबार ने 210 मौतें होने की खबर दी है जिनमें से 113 बच्चे शामिल हैं। जान गंवाने वाले अन्य लोगों में ज़्यादातर किशोर और युवा हैं। अखबार ने कहा कि अशांति की शुरुआत से लेकर अब तक देश भर में कम से कम नौ हजार लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

यूक्रेन और रूस के साथ भारत संपर्क और बढ़ाएगा: जयशंकर

एजेंसी

तोक्यो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगले माह यूक्रेन यात्रा की संभावना से पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत आगामी भविष्य में यूक्रेन और रूस के साथ संपर्क और अधिक बढ़ाएगा क्योंकि दोनों पक्षों से बातचीत करने वाले देशों का इस तरह का संपर्क उनके बीच संघर्ष को सुलझाने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। जयशंकर ने कहा कि भारत का मानना है कि संघर्ष का समाधान युद्ध के मैदान से नहीं निकलेगा। विदेश मंत्री ने जापान के राष्ट्रीय प्रेस क्लब में एक चर्चा सत्र के दौरान कहा, हम मानते हैं कि हमें रूस और यूक्रेन में अधिक सक्रिय होना चाहिए। जयशंकर जापान के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। अगले महीने मोदी की संभावित कीव यात्रा की खबरों पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए जयशंकर ने कहा, मैं उम्मीद कर सकता हूं कि हमारे और यूक्रेन के बीच तथा हमारे और रूस के बीच भी और अधिक संपर्क होंगे। विदेश मंत्री ने कोई विशिष्ट उत्तर देने से इनकार करते हुए कहा, हम, किसी भी सरकार की तरह, सही समय पर सही माध्यमों से अपनी स्थिति स्पष्ट करते हैं। जयशंकर ने कहा कि यूक्रेन-रूस संघर्ष को समाप्त करने के लिए और अधिक प्रयास किए जाने इंतजार करना चाहिए ताकि किसी प्रकार का समाधान निकाला जा सके। जयशंकर ने कहा कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए यह उन देशों के लिए महत्वपूर्ण है जो रूस

की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, आज हमारी भावना यह है कि और अधिक कार्य किए जाने की आवश्यकता है और हमें संघर्ष की मौजूदा स्थिति जारी रहने को स्वीकार नहीं कर लेना चाहिए तथा यह नहीं कहना चाहिए कि 'इसे अपने हिसाब से चलने दें और हमें विश्व के अन्य भागों में होने वाली घटनाओं का और यूक्रेन दोनों के संपर्क में हैं, क्योंकि बहुत से देश वास्तव में दोनों पक्षों से बात नहीं कर रहे हैं।जयशंकर ने कहा कि भारत का मानना है कि यह महत्वपूर्ण है कि हर कोई वह सब कुछ करे जो वह कर सकता है, ताकि कुछ सुधार हो और चीजें युद्ध के मैदान से निकलकर बातचीत की मेज पर आये।

भारत के लिए नेपाली राजदूत डॉ शंकर शर्मा को ही निरन्तरता देने का फैसला

एजेंसी

काठमांडू। भारत में नेपाल के राजदूत डॉ शंकर शर्मा को ही निरन्तरता देने का फैसला किया गया है। नेपाल सरकार ने पिछली सरकार द्वारा उन्हें वापस बुलाने के फैसले को रद्द करते हुए पुनर्बहाली करने का फैसला किया है। इसके साथ ही सरकार ने 18 देशों में नए राजदूत की नियुक्ति को भी मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में भारत के लिए नेपाल के राजदूत डॉ शंकर शर्मा को ही निरन्तरता देने का फैसला किया है। सरकार के प्रवक्ता पृथ्वी सुब्बा गुरूंग ने कहा कि प्रचण्ड सरकार द्वारा उन्हें पदमुक्त करते हुए वापस बुलाने के फैसले को रद्द करते हुए डॉ शर्मा को भारत में अपने राजदूत के रूप में निरंतरता देने का फैसला किया है। सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि आज की कैबिनेट की बैठक में भारत, अमेरिका, चीन सहित 18 देशों में राजदूत की नियुक्ति की गई है। प्रचण्ड सरकार के तरफ से भारत में सिफारिश किए गए लोकदर्शन रेग्मी को ओली सरकार ने अमेरिका के लिए राजदूत बनाया है। इसी तरह चीन के राजदूत के तौर पर कृष्ण प्रसाद ओली को नियुक्त करने का फैसला किया गया है। ओली सरकार ने माओवादी सरकार के समय उनके कोटे से भेजे गए तीन देशों के राजदूतों को वापस बुलाने का भी फैसला किया है। सरकार के प्रवक्ता के मुताबिक आज की कैबिनेट बैठक ने यूके में चन्द्र घिमिरे, दक्षिण कोरिया में शिवमाया तुम्बाहाम्फे, मलेशिया में डॉ. नेत्र तिमिल्सिना को राजदूत के पद पर नियुक्त किया गया है।

वेनेजुएला में हिंसक प्रदर्शन के दौरान 20 सैन्यकर्मी घायल

एजेंसी

कराकस। वेनेजुएला में हिंसा के दौरान 20 से अधिक सैन्यकर्मी घायल हुए हैं, जिनमें से कुछ को गोली लगी है। वेनेजुएला के रक्षा मंत्री व्लादिमीर पैड्रिनो लोपेज़ ने मंगलवार को एक्स पर कहा, फिलहाल हमारे पास

23 सैनिकों के घायल होने की सूचना है, जिनमें से कुछ को गोली लगी है। ये सैनिक आज की हिंसक घटनाओं के शिकार हुएहैं। घायल सैनिकों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।उन्होंने देश के नागरिकों और राजनीतिक ताकतों से शांत रहने का आह्वान किया। उल्लेखनीय है कि वेनेजुएला में राष्ट्पति पद के चुनाव हुए और श्री निकोलस मादुरो ने इसमें जीत हासिल की। इसके बाद कराकस में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए, जिसमें पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं।

यौन दुराचार का आरोप लगने के बाद नेपाल के निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति रद्द की गई

पेशावर।

काठमांडू। निर्वाचन आयुक्त पद पर कृष्णमान प्रधान की नियुक्ति इसलिए रद्द कर दी गई है, क्योंकि उन पर यौन दुराचार के गम्भीर आरोप लगाए जाने के बाद संसदीय सुनवाई समिति ने नियुक्ति ख़ारिज कर दी है। नेपाल की पिछली सरकार के समय संवैधानिक परिषद ने निर्वाचन आयुक्त के पद पर कृष्णमान प्रधान की नियुक्ति की सिफारिश की थी।

तत्कालीन प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल प्रचंड की अध्यक्षता वाले संवैधानिक परिषद ने विवादित व्यक्ति की सिफारिश करने पर संसदीय सुनवाई समिति में आलोचना भी की गई। नेपाल में किसी भी संवैधानिक पद पर नियुक्ति की सिफारिश होने के बाद संसद की सुनवाई समिति से अनुमोदन होने के

बाद ही नियुक्ति हो पाती है। संसद की सुनवाई समिति के अध्यक्ष आनन्द प्रसाद ढुंगाना ने कहा कि कृष्णमान प्रधान पर एक महिला के साथ यौन दुराचार और मामले को कोर्ट के बाहर निबटाने के लिए पीड़ित महिला को 1.2 करोड़ रुपये लेन-देन का लिखित आरोप लगा है। ढुंगाना ने बताया कि सुनवाई समिति ने सर्वसम्मति से प्रधान के नाम की सिफारिश को खारिज करते हुए उनकी नियुक्ति को रद्द कर दिया है।

महिला ने संसदीय सुनवाई समिति के सामने हाजिर होकर प्रस्तावित निर्वाचन आयुक्त पर खुद के साथ यौन दुर्व्यवहार करने और इसकी शिकायत किए जाने पर कोर्ट के बाहर परिवार वालों पर दबाब देकर केस वापस लेने के लिए 1 करोड़ 20 लाख रुपये देने का आरोप लगाया था। पिछले तीन दिनों से जारी सुनवाई के बाद आज संसदीय समिति ने प्रधान की नियुक्ति को रद्द किए जाने की जानकारी दी है।

स्लोवाकिया प्रधानमंत्री फिको ने दी यूक्रेन को डीजल की आपूर्ति रोकने की धमकी

एजेंसी

प्राग। स्लोवाकिया ने कहा है कि अगर यूक्रेन के रास्ते स्लोवाकिया में रूसी तेल का पारगमन जल्द ही फिर से शुरू नहीं किया जाता है, तो स्लोवाक रिफाइनरी स्लोवनाफ्ट यूक्रेन को डीजल की आपूर्ति निलंबित कर देगी। गौरतलब है कि यूक्रेन ने हाल ही में रूसी कंपनी लुकोइल से ड्रूज़्बा पाइपलाइन के माध्यम से स्लोवाकिया और हंगरी तक तेल के पारगमन को रोक दिया था। यूक्रेन ने गत जून में कंपनी को अपनी प्रतिबंध सूची में डाल दिया था। इसके बाद स्लोवाकिया के वित्त मंत्रालय ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि यूक्रेन के माध्यम से स्लोवाकिया को लुकोइल से तेल की आपूर्ति पहले ही बंद हो चुकी है। स्लोवाकिया के के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको ने फेसबुक पर प्रकाशित एक वीडियो संदेश में कहा कि 'इस मूर्खतापूर्ण प्रतिबंध के आगे कार्यान्वयन' से केवल यूक्रेन, स्लोवाकिया और हंगरी को नुकसान होगा। उन्होंने कहा, अगर यूक्रेन के माध्यम से रूसी तेल का पारगमन जल्द ही फिर से शुरू नहीं किया जाता है, तो स्लोवनाफ्ट (जो यूक्रेनी खपत का दसवां हिस्सा कवर करता है) यूक्रेन को डीजल की आपूर्ति बंद कर देगा। श्री फिको ने शुक्रवार को टेलीफोन पर हुयी बातचीत के दौरान विवाद को हल करने के लिए अपने यूक्रेन के प्रधानमंत्री डेनिस श्म्यहाल को एक तकनीकी समाधान का प्रस्ताव दिया, जिसके बारे में उनके कार्यालय ने कहा कि इसमें स्लोवाकिया सहित कई देशों की भागीदारी की आवश्यकता होगी। उन्होंने वीडियो संदेश में कहा, स्लोवाकिया की ओर से मैं दोहराता हूं कि हम तैयार हैं।

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने अपने नागरिकों को लेबनान छोड़ने की दी सलाह

पेशावर।

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने लेबनान में रहने वाले सभी ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों से देश छोड़ने का आग्रह किया है। अल्बानीज ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा कि सरकार की आधिकारिक सलाह है कि ऑस्ट्रेलियाई लोग इजरायल और हिज्बुलाह के बीच बढ़ते संघर्ष के बीच लेबनान की यात्रा करने से बचें। उन्होंने कहा, ÷यात्रा सलाह बहुत स्पष्ट रूप है कि लेबनान न जायें। वहां मौजूद ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे इस समय लेबनान से उपलब्ध वाणिज्यिक उड़ानों का लाभ उठायें। ऑस्ट्रेलिया के विदेश मामले और व्यापार विभाग (डीएफएटी) द्वारा चलायी जाने वाली स्मार्टरैवलर

सेवा ने अस्थिर सुरक्षा स्थिति के कारण लेबनान की यात्रा नहीं करने को लेकर एक नयी चेतावनी जारी की। उसने कहा कि लेबनान में रहने वाले ऑस्ट्रेलियाई लोगों को तुरंत देश छोड़ देना चाहिए, साथ ही चेतावनी दी कि सुरक्षा स्थिति बहुत कम या बिना किसी सूचना के तेजी से बिगड़ सकती है। सुरक्षा स्थिति के कारण कई एयरलाइनों ने स्थानीय समयानुसार लेबनान की राजधानी बेरूत से आने-जाने वाली उड़ानें निलंबित कर दीं। अल्बानीज ने मंगलवार को कहा, यह एक चिंताजनक क्षेत्र है। हम कई महीनों से ये यात्रा चेतावनियां जारी कर रहे हैं, और यह महत्वपूर्ण है कि लोग इन चेतावनियों से अवगत हों।÷ गौरतलब है कि 2021 की ऑस्ट्रेलियाई जनगणना में दो लाख 48 हजार से अधिक ऑस्ट्रेलियाई लोगों ने लेबनानी वंश का होने की सूचना दी, जिनमें 87 हजार 343 ऐसे थे जो लेबनान में पैदा हुए थे। डीएफएटी के अनुसार, लगभग 15 हजार ऑस्ट्रेलियाई आम तौर पर लेबनान में रहते हैं।

भारतीय अमेरिकी ने कमला हैरिस से राष्ट्रपति चुने जाने के बाद अपने ननिहाल चेन्नई जाने का किया आग्रह

पेशावर।

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की संभावित उम्मीदवार कमला हैरिस के प्रचार अभियान के लिए चंदा एकत्र करने वाले एक भारतीय अमेरिकी ने देश की उपराष्ट्रपति से आग्रह किया है कि यदि वह आम चुनाव में राष्ट्रपति चुनी जाती हैं तो वह अपने ननिहाल चेन्नई की यात्रा करें। हैरिस (59) अमेरिका में नवंबर में प्रस्तावित राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की संभावित उम्मीदवार हैं। उन्होंने राष्ट्रपति जो बाइडेन के इस दौड़ से हटने के बाद पिछले सप्ताह राष्ट्रपति पद के लिए अपनी उम्मीदवारी की आधिकारिक घोषणा की थी। हालांकि, अभी डेमोक्रेटिक पार्टी ने उन्हें अपना आधिकारिक प्रत्याशी घोषित नहीं

किया है। 'एशियन अमेरिकन पैसिफिक आइलैंडर्स' (एएपीआई) 'विक्ट्री फंड' के अध्यक्ष एवं संस्थापक शेखर नरसिम्हन ने एक साक्षात्कार में कहा, ''अगर वह चुनी जाती हैं, तो मैं दबाव डालते हुए कहूंगा, 'चलिए, भारत चलते हैं। आपको चेन्नई जाना होगा। आप दिल्ली जा सकती हैं। दिल्ली जाना अच्छा है, लेकिन हमें चेन्नई भी जाना होगा'।''

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

'मैं खुले विचारों वाला व्यक्ति हूं, लेकिन...', डोनाल्ड ट्रंप ने की ओलंपिक उद्घाटन समारोह की आलोचना

पेशावर।

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी पेरिस ओलंपिक खेलों के उद्घाटन समारोह की आलोचना करने वालों में शामिल हो गए हैं और उन्होंने इसे 'अपमानजनक' करार दिया है। आलोचक उद्घाटन समारोह की उस दृश्य के लिए आलोचना कर रहे हैं जिसके बारे में उनका मानना है कि इसमें लियोनार्डो दा विंची की मशहूर

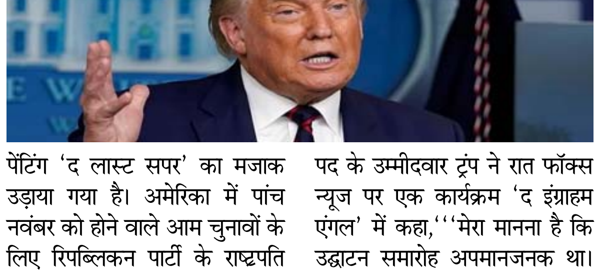

पेंटिंग 'द लास्ट सपर' का मजाक उड़ाया गया है। अमेरिका में पांच नवंबर को होने वाले आम चुनावों के लिए रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ट्रंप ने रात फॉक्स न्यूज पर एक कार्यक्रम 'द इंग्राहम एंगल' में कहा,'''मेरा मानना है कि उद्घाटन समारोह अपमानजनक था। मैं वास्तव में मानता हूं कि यह अपमानजनक था।'' ट्रंप ने एक सवाल के जवाब में कहा, मैं खुले विचारों वाला व्यक्ति हूं, लेकिन मुझे लगता है, उन्होंने जो किया वह अपमानजनक था।'' हाउस स्पीकर माइक जॉनसन ने भी उद्घाटन समारोह की आलोचना की। जॉनसन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, '' लास्ट सपर का मजाक उड़ाना ओलंपिक खेलों के उद्घाटन समारोह को देखने वाले दुनिया भर के ईसाई धर्म के अनुयायियों के लिए हैरानी भरा और अपमानजनक था।'' उन्होंने कहा,''आज हमारी आस्था और पारंपरिक मूल्यों पर किए जा रहे प्रहार की कोई सीमा नहीं है, लेकिन हम जानते हैं कि सच्चाई और सदाचार की हमेशा जीत होगी। रोशनी अंधेरे में उजाला बिखेरती है और अंधेरा उस पर कभी काबू नहीं पा सका है।

ईरान में राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में 80 देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे

एजेंसी

तेहरान। ईरान में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के शपथ ग्रहण समारोह में लगभग 80 देशों के उच्च पदस्थ अतिथि शामिल होंगे। ईरान की संसद के राष्ट्रीय सुरक्षा एवं विदेश नीति आयोग के सदस्य अलादीन बोरौजेर्डी ने यह जानकारी दी। इससे पहले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि शपथ ग्रहण समारोह में रूसी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व संसद के निचले सदन स्टेट ड्यूमा के अध्यक्ष व्याचेस्लाव वोलोडिन करेंगे। मेहर समाचार एजेंसी ने श्री बोरौजेर्डी के हवाले से कहा, राष्ट्रपति पद के शपथ ग्रहण समारोह में लगभग 80 देशों की संसदों के प्रतिनिधि शामिल होंगे, जिनमें विभिन्न संसदों के 11 अध्यक्ष, चार उपाध्यक्ष, छह प्रधानमंत्री, दो राष्ट्रपति और कई मंत्री शामिल होंगे एजेंसी के अनुसार, उद्घाटन समारोह को 600 ईरानी और विदेशी पत्रकारों द्वारा कवर किया जाएगा। देश के मजलिस (संसद) भवन में स्थानीय समयानुसार शाम चार बजे शुरू होगा, जहां ईरान के नौवें राष्ट्रपति देश के संविधान के अनुच्छेद 121 के अनुसार, सांसदों, संविधान के संरक्षक परिषद के सदस्यों (संसदीय प्राधिकरण) और न्यायपालिका के प्रमुखों की उपस्थिति में शपथ लेंगे।

गडकरी ईरानी राष्ट्रपति के शपथग्रहण समारोह में हिस्सा लेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी मंगलवार को ईरान के निर्वाचित राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान के शपथ ग्रहण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।श्री गडकरी कल सुबह ईरान की राजधानी तेहरान में आयोजित ईरानी राष्ट्रपति के शपथग्रहण समारोह में शामिल होंगे। गौरतलब है कि ईरान के दिवंगत पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी के अंतिम संस्कार में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने देश का प्रतिनिधित्व किया था। रायसी ने भारत को 10 साल के लिए चाबहार बंदरगाह के संचालन की अनुमति संबंधी द्विपक्षीय समझौते में महत्वपूर्ण पहल की थी। वहीं पिछले साल ईरान की ब्रिक्स की सदस्यता के मामले में भारत की अहम भूमिका रही।

एनसीपी विवाद पर उप मुख्यमंत्री अजित पवार गुट को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने 'बागी' नेता के नेतृत्व वाले समूह को असली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) घोषित करने के महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष के फैसले की वैधता को चुनौती देने वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) की याचिका पर राज्य के उप मुख्यमंत्री अजित पवार और उनके समर्थक विधायकों से जवाब-तलब किया।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने एनसीपी की स्थापना करने वाले वरिष्ठ नेता शरद पवार के नेतृत्व वाले समूह की याचिका पर उनके भतीजे अजित पवार समूह को नोटिस जारी करने का आदेश पारित किया। महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने 15 फरवरी को अपने आदेश में कहा था कि अजित पवार नेतृत्व वाली एनसीपी समूह असली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी है। श्री नार्वेकर ने अपने फैसले में कहा था कि प्रतिद्वंद्वी समूहों द्वारा एक-दूसरे के विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग वाली अयोग्यता याचिकाओं को खारिज किया जाता है। विधानसभा ने कहा था कि 30 जून से 2 जुलाई, 2023 के बीच जो घटनाक्रम हुआ, वह स्पष्ट रूप से एनसीपी के भीतर असंतोष की प्रकृति का था और पार्टी के सदस्य दो नेताओं के बीच बंटे हुए थे। उन्होंने एक-दूसरे के समूह के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं को खारिज कर दिया था। शीर्ष अदालत ने शिवसेना के यूबीटी समूह द्वारा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अन्य विधायकों के खिलाफ दायर इसी तरह की याचिका के साथ मामले की सुनवाई करने का फैसला किया।

बख्तरबंद वाहनों की उन्नत भूमि नेविगेशन प्रणाली तथा 22 इंटरसेप्टर नौकाओं की खरीद को मंजूरी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने सेना के बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों के लिए उन्नत भूमि नेविगेशन प्रणाली तथा तटरक्षक बल के लिए 22 इंटरसेप्टर नौकाओं की खरीद को जरूरत के आधार पर मंजूरी दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को यहां हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक में विभिन्न पूंजी अधिग्रहण प्रस्तावों पर विचार किया गया। परिषद ने सेना की बढती जरूरतों को देखते हुए बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों (एएफवी) के लिए उन्नत भूमि नेविगेशन सिस्टम (एएलएनएस) की जरूरत के आधार पर खरीद को मंजूरी दे दी। भारतीय तटरक्षक बल की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए डीएसी ने प्रादेशिक जल में त्वरित अवरोधन और उथले पानी के संचालन में सक्षम नवीनतम अत्याधुनिक प्रणाली वाली 22 इंटरसेप्टर नौकाओं की खरीद के लिए मंजूरी प्रदान की। इन नौकाओं का उपयोग तटीय निगरानी और गश्त तथा खोज और बचाव कार्यों के लिए किया जाएगा, जिसमें चिकित्सा निकासी भी शामिल है।

कांग्रेस सरकार ने पीएम आवास योजना में एक भी घर नहीं बनने दिया : चौहान

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली पिछली कांग्रेस सरकार ने छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत एक भी घर नहीं बनने दिया। श्री चौहान ने नयी दिल्ली में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से चर्चा के दौरान इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया। श्री साय ने बताया कि पिछले पांच वर्षों में राज्य के 18 लाख लोग प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) से वंचित हुए, क्योंकि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने राज्यांश नहीं दिया।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में नई दिल्ली में हुई बैठक में समिति ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में नई दिल्ली में हुई बैठक में एक उच्च स्तरीय समिति ने विभिन्न राज्यों के लिए कई आपदा शमन और क्षमता निर्माण परियोजनाओं को मंजूरी दी है। समिति ने छह शहरों में शहरी बाढ़ से निपटने, चार पहाड़ी राज्यों में ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट बाढ़ (जीएलओएफ) को कम करने और तीन राज्यों में अग्निशमन सेवाओं को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय आपदा शमन कोष (एनडीएमएफ) और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) से फंडिंग के कुल नौ प्रस्तावों पर विचार किया। समिति ने सभी 28 राज्यों में युवा आपदा मित्र योजना लागू करने के प्रस्ताव पर भी विचार किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आपदा प्रतिरोधी भारत के विजन को साकार करने के लिए गृह मंत्रालय ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में देश में आपदाओं के प्रभावी प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए कई पहल की है। भारत में आपदा जोखिम न्यूनीकरण प्रणाली को मजबूत करके आपदाओं के दौरान जान-माल को होने वाले बड़े नुकसान को रोकने के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। बैठक में उच्च स्तरीय समिति ने तेलंगाना, गुजरात, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र के छह महानगरों यथा मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद, अहमदाबाद और पुणे में शहरी बाढ़ प्रबंधन के लिए 2514.36 करोड़ रुपये की कुल लागत वाली छह परियोजनाओं को मंजूरी दी। इससे पहले 27 नवंबर 2023 को उच्च स्तरीय समिति ने तमिलनाडु राज्य के लिए चेन्नई में 561.29 करोड़ रुपये की लागत से बाढ़ प्रबंधन के लिए एकीकृत समाधान वाले परियोजना प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। उच्च स्तरीय समिति ने असम, कर्नाटक और तमिलनाडु के लिए राज्यों में अग्निशमन सेवाओं के विस्तार और आधुनिकीकरण योजना के तहत 810.64 करोड़ रुपये के कुल खर्च वाले तीन परियोजना प्रस्तावों को भी मंजूरी दी। केंद्र सरकार ने इस योजना के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) के तहत कुल पांच हजार करोड़ रुपये आवंटित किए हैं और 11 राज्यों के1691.43 करोड़ रुपये के खर्च वाले प्रस्तावों को पहले ही मंजूरी दे दी थी।

केरल भूस्खलनः नड्डा और राहुल ने जताया दुख

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी में केरल के वायनाड जिले में भूस्खलन की घटनाओं में कई लोगों के हताहत होने पर दुख व्यक्त किया है।

श्री नड्डा ने मंगलवार को एक्स पर कहा, 'केरल के वायनाड में हुए विनाशकारी भूस्खलन से बहुत दुखी हूँ। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएँ। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहा हूँ। ईश्वर शोक संतप्त परिवारों को इस दुख की घड़ी को सहने की शक्ति प्रदान करें। केरल भाजपा अध्यक्ष और वायनाड से भाजपा उम्मीदवार के. सुरेंद्रन घटनास्थल पर पहुंच रहे हैं। उन्होंने भाजपा की सभी राज्य इकाई के कार्यकर्ताओं से अनुरोध किया है कि पार्टी की राज्य इकाई के दिशानिर्देशों के अनुसार बचाव प्रयासों में सहायता तथा संकट में फंसे लोगों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करें।

वहीं श्री गांधी ने एक्स पर कहा, 'मैं वायनाड में मेप्पाडी के पास हुए भीषण भूस्खलन से बहुत दुखी हूँ। मेरी हार्दिक संवेदनाएँ उन शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं, जिन्होंने अपने

प्रियजनों को खो दिया है। मुझे उम्मीद है कि जो लोग अभी भी फंसे हुए हैं उन्हें जल्द ही सुरक्षित निकाल लिया जाएगा।'

उन्होंने कहा, 'मैंने केरल के मुख्यमंत्री और वायनाड के जिला कलेक्टर से बात की है, जिन्होंने मुझे आश्वासन दिया है कि बचाव अभियान जारी है। मैंने उनसे सभी एजेंसियों के साथ समन्वय सुनिश्चित करने, एक नियंत्रण कक्ष स्थापित करने और राहत प्रयासों के लिए आवश्यक किसी भी सहायता के बारे में हमें सूचित करने का अनुरोध किया है। मैं केंद्रीय मंत्रियों से बात करूँगा और उनसे वायनाड को हर संभव सहायता प्रदान करने का अनुरोध करूँगा। मैं सभी यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) कार्यकर्ताओं से बचाव एवं राहत कार्यों में प्रशासन की सहायता करने का आग्रह करता हूँ।'

उल्लेखनीय है कि वायनाड जिले के मेप्पाडी के नजदीक पहाड़ी क्षेत्र में भूस्खलन में 10 लोगों की मौत हो गयी तथा 30 अन्य लोग घायल हुए हैं। स्थानीय मीडिया की कुछ रिपोर्टों में मरने वाले की संख्या 40 से अधिक बतायी जा रही है।

केरल में भूस्खलन से कई लोग हताहत, मोदी ने जताया दुख

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को केरल के वायनाड में भूस्खलन में जन-धन की हानि पर दुख व्यक्त किया और मुख्यमंत्री पिनारायी विजयन को स्थिति से निपटने के लिए हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।

श्री मोदी ने इन हादसों में मारे गए लोगों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'वायनाड में कई जगह भूस्खलन की सूचना से चिंतित हूं। इस दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिजनों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना है और मैं घायलों की शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।' उन्होंने कहा कि प्रभावित जगहों पर राहत एवं बचाव कार्य जारी है। उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना को लेकर उनकी राज्य के मुख्यमंत्री विजयन से फोन पर बात हुई है और उन्हें स्थिति से निपटने के लिए केंद्र सरकार की ओर से हर संभव मदद

का आश्वासन दिया गया है। उल्लेखनीय है कि वायनाड जिले के मेप्पाडी के नजदीक पहाड़ी क्षेत्र में भूस्खलन की दुर्घटनाओं 10 लोगों की मौत हो गयी तथा 30 अन्य लोग घायल हुए हैं। स्थानीय मीडिया की कुछ रिपोर्टों में मरने वाले की संख्या 40 से अधिक बतायी जा रही है। केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण राहत एवं बचाव कार्य में लगा है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और सेना तथा अन्य एजेंसियों के कर्मचारी भी राहत एवं बचाव कार्य में जुटे हुए हैं।

भारत ने हैती को मानवीय सहायता भेजी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने हैती को चिकित्सा आपूर्ति सहित मानवीय सहायता भेजी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि 9 टन चिकित्सा आपूर्ति वाली यह खेप आज नई दिल्ली से रवाना हुई। सहायता में अन्य आपूर्तियों के अलावा आवश्यक रक्त आधान वस्तुएं और इम्यूनोहेमेटोलॉजी के लिए अभिकर्मक शामिल हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक्स पर एक पोस्ट किया, भारत ने हैती को मानवीय सहायता भेजी! हैती के लोगों के साथ एकजुटता दिखाते हुए,

भारत की मानवीय सहायता में 9 टन चिकित्सा आपूर्ति शामिल है, जो आज नई दिल्ली से पोर्ट-ऑ-प्रिंस के लिए रवाना हुई। इस खेप में रक्त आधान के लिए आवश्यक सामान, इम्यूनोहेमेटोलॉजी के लिए अभिकर्मक, रैपिड टेस्ट और एलिसा आदि शामिल हैं। राजनीतिक अस्थिरता, नागरिक अशांति, हिंसा, भयंकर गरीबी और प्राकृतिक आपदाएँ हैती के कल्याण और भविष्य के लिए ख़तरा पैदा करने वाला एक घातक मिश्रण हैं। वर्तमान में, हैती में 30 लाख से ज़्यादा बच्चे, जो रिकॉर्ड में सबसे ज़्यादा संख्या है, को देश की 1.1 करोड़ की आबादी में मानवीय सहायता की ज़रूरत है।

आईजीएनसीए में 'नामवर सिंह स्मारक व्याख्यान' का आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी स्थित इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) में 'प्रो. नामवर सिंह स्मारक व्याख्यान' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का विषय था, 'नामवर का होना और न होना'।

इस दौरान, नामवर सिंह कृत पुस्तक 'हिन्दी कविता की परम्परा' का भी लोकार्पण किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व सम कुलपति प्रो. सुधीश पचौरी थे और इसकी अध्यक्षता आईजीएनसीए के अध्यक्ष राम बहादुर राय ने की। डीन (प्रशासन) व कला निधि के विभागाध्यक्ष प्रो. रमेश चंद्र गौड़, आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ.

सच्चिदानंद जोशी सहित अन्य अतिथिगण उपस्थित थे। प्रो. सुधीश पचौरी ने नामवर सिंह पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, विचार को लेकर हम लोग अटके रहते थे, लेकिन नामवर सिंह अटकते नहीं थे। वे सुलझाकर, रास्ते बनाकर चलते थे। वह अपनी बुनियादी जमीन नहीं छोड़ते थे। उन्होंने कहा कि नामवर आलोचना को साहित्य की मुख्यधारा में लेकर आए, उनके पहले हिन्दी साहित्य में केवल दो विधाएं थीं, कविता और कहानी! नामवर का न होना हम सब के लिए नुकसान है। वह हिन्दी के अंतिम आलोचक थे।

श्री राय ने कहा, ÷नामवर सिंह ने आलोचना को समालोचना में बदला। समालोचना का मतलब है सम्यक आलोचना। वह आहार, व्यवहार और विचार में सम्यक थे। वह बातों-बातों में ऊंची बात समझा देते थे, ऐसी सामर्थ्य उनमें थी।

दिल्ली कोचिंग सेंटर हादसे में गृह मंत्रालय ने गठित की समिति

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के राजेंद्र नगर में एक कोचिंग सेंटर में पानी भर जाने के बाद, सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन छात्रों की मौत के मामले में गृह मंत्रालय ने एक समिति का गठन किया है. इस बात की जानकारी गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक बयान जारी करके दी.

बयान में कहा गया, ÷गृह मंत्रालय ने नई दिल्ली के पुराने राजिंदर नगर में एक कोचिंग सेंटर में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना की जांच के लिए एक समिति गठित की है. समिति कारणों की जांच करेगी, जिम्मेदारी तय करेगी, उपाय सुझाएगी और नीतिगत बदलावों की सिफारिश करेगी. इस समिति में अतिरिक्त सचिव, प्रमुख सचिव (गृह), दिल्ली सरकार, विशेष सीपी, दिल्ली पुलिस, अग्निशमन सलाहकार और संयुक्त सचिव, गृह मंत्रालय संयोजक होंगे. ये समिति 30 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट पेश करेगी.÷

न्यायिक हिरासत में भेजे गए आरोपी

उधर, मामले में गिरफ्तार किए गए पांच आरोपियों को एक अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया. कोचिंग सेंटर के चार सह-मालिकों तजिंदर सिंह, परविंदर सिंह, हरविंदर सिंह और सरबजीत सिंह और कार चालक मनुज कथूरिया को अदालत में पेश किया गया. न्यायिक मजिस्ट्रेट विनोद कुमार ने उन्हें 12 अगस्त तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया. आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई होगी. गिरफ्तार किए गए पांच लोगों में, बारिश के पानी से भरी सड़क से गुजरने वाला स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) का चालक भी शामिल है. आरोप है कि वाहन के वहां से गुजरने के कारण पानी तीन मंजिला इमारत के बेसमेंट में घुस गया. वाहन चालक के वकील ने अदालत में कहा कि उनके मुवक्किल का किसी की जान लेने का इरादा नहीं था. हालांकि, अदालत ने वकील से मंगलवार को जमानत के लिए लिखित दलीलें दाखिल करने को कहा. कोचिंग सेंटर के बेसमेंट के चार सह-मालिकों के वकील ने अदालत को बताया कि किसी इमारत को पट्टे पर देने पर, लापरवाही से मौत और गैर इरादतन हत्या समेत ऐसे अपराधों का कोई दायित्व तय नहीं होता है. अदालत ने वकील को लिखित दलीलें पेश करने के लिए कहा।

पुल ढहने की घटनाओं पर सुप्रीम कोर्ट का बिहार सरकार से जवाब-तलब

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बिहार में हाल में कई पुलों के ढहने की घटनाओं के मद्देनजर राज्य में सभी मौजूदा और निर्माणाधीन पुलों का उच्चतम स्तर का संरचनात्मक ऑडिट कराने की मांग वाली याचिका पर सोमवार को बिहार सरकार और अन्य को नोटिस जारी किया।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने ब्रजेश सिंह द्वारा दायर याचिका पर राज्य की नीतीश कुमार सरकार और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को अपना-अपना जवाब दाखिल करने का आदेश पारित किया। श्री सिंह ने अपनी याचिका में बिहार सरकार को पुलों की निगरानी के लिए उचित और प्रभावी नीति या तंत्र बनाने का निर्देश देने की मांग की है। इसके अलावा यह भी कहा गया है कि सरकार की कथित घोर लापरवाही और ठेकेदारों तथा संबंधित एजेंसियों के भ्रष्ट गठजोड़ के कारण दिन-प्रतिदिन

जान-माल के नुकसान की दुर्भाग्यपूर्ण बड़ी घटनाएं हो रही हैं।उनकी याचिका में न्यायालय से राज्य सरकार को कानून या कार्यकारी आदेश के माध्यम से एक कुशल स्थायी निकाय बनाने के लिए उचित निर्देश देने का भी अनुरोध किया गया है, जिसमें सभी मौजूदा और निर्माणाधीन पुलों की निरंतर निगरानी के लिए संबंधित क्षेत्र के उच्च स्तरीय विशेषज्ञ शामिल हों। याचिकाकर्ता ने यह भी कहा कि यह गंभीर चिंता का विषय है कि भारत के सबसे अधिक बाढ़-ग्रस्त राज्य बिहार में 68,800 वर्ग किमी बाढ़ प्रभावित क्षेत्र है, जो इसके कुल भौगोलिक क्षेत्र का लगभग 73.06 फीसदी है। याचिका में कहा गया है कि बिहार में पुल गिरने की ऐसी नियमित घटनाएं अधिक विनाशकारी हैं और बड़े पैमाने पर अनिश्चितता में जी रहे लोगों की जान बचाने के लिए शीर्ष अदालत के तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता है, क्योंकि निर्माणाधीन पुल बनने से पहले ही अपने आप ढह गए।बिहार में जून 2024 में 11 दिन के अंदर चार पुल ढह गए थे, जिनमें से अधिकांश निर्माणाधीन अवस्था में थे।

Lost & Found

I ,RASHMEET SINGH ANAND S/O HARJINDER SINGH, R/O E-71 NEW DELHI,VISHNU GARDEN,WEST DELHI-10018, I HAVE LOSS MY PROPERTY DOCUMENTS (SALE DEED, SHARING CERTIFICATE) OF THE PANCHSHEEL CO-OP HOUSE BUILDING SOCIETY LTD . (ZIRAKPUR) ON 10-05-2024 AT- VISHNU GARDEN

Name Change

I, MEENA DEVI wife of No-3200250N HAV JOGINDER SINGH residing at VPO-RITAULI, TEH-ROHTAK, DIST-ROHTAK, HARYANA-124201 have changed my name from MEENA DEVI to MEENA KUMARI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Lost & Found

I, Dharmedra Poddar S/O Satya Narayan Poddar Address. P-4/125, Mangolpuri Delhi-110083 have lost my-ICICI Bank -ID Card.No.2405170. If someone Finds this article, Kindly return me, Till then Neither Bank, Nor I am responsible for it. FIR Number:1979005/2024. Mobile:9212264481.

Name Change

I, SULOCHANA mother of No-15747521X Rank-SIGMN, Name-HARIKRISHNAN PRAKASH R/o VILL-ANICKAD, PO-ELAMPALLY, TEH-KOTTAYAM, DIST-KOTTAYAM, KERALA-686503 have changed my name from SULOCHANA to SULOCHANA PRAKASH for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/02/1970 instead of my correct date of birth as 01/01/1970 vide affidavit dated 30/07/2024 before Notary Public Delhi.

Name Change

I, PRAKASH VJ father of No-15747521X Rank-SIGMN, Name-HARIKRISHNAN PRAKASH R/o VILL-ANICKAD, PO-ELAMPALLY, TEH-KOTTAYAM, DIST-KOTTAYAM, KERALA-686503 have changed my name from PRAKASH VJ to V J PRAKASH for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/01/1969 instead of my correct date of birth as 04/03/1969 vide affidavit dated 30/07/2024 before Notary Public Delhi.

Name Change

I Mukesh Verma S/O Lal Babu,R/O 10, Block-Y. Adarsh Enclave, Prem Nagar 2, Kirari Suleman Nagar, North West Delhi, Delhi-110086 have changed the name of my minor son Madhu Sudhan aged15 years and He shall hereafter be known as SHIVAM

Name Change

I, Chuni Lal Pandit, S/o Prem Nath Pandita, R/o Flat No. 106, Plot No. F-26, Mahagun Maple, Sector 50, Noida, UP 201301 have changed my Name to Chuni Lal Pandita for all purposes.

Name Change

I, PHILOMINA GEORGE mother of No-15322834X Rank-HAV, Name-MELWIN GEORGE R/o VILL-THIRUVANGAD, PO-TEMPLE GATE, TEH-THALASSERY, DIST-KANNUR, KERALA-670102 have changed my name from PHILOMINA GEORGE to FILOMINA GEORGE for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1958 instead of my correct date of birth as 08/03/1958 vide affidavit dated 30/07/2024 before Notary Public Delhi.

Name Change

I, VIJAYAKUMAR N P Father of No. 16133651N Rank-SPR Name-SARAVANA KUMAR P Residing at PUTHANPURAKKAL HOUSE, VILL-AMBALAPARA-1, PO-CHERUMUNDASSERI, DIST-PALAKKAD, KERALA-679512 have changed my name from VIJAYAKUMAR N P to VIJAYAKUMAR P for all future purposes vide affidavit dated 30/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change

It is for general information that I, RANAJIT KUMAR MITRA S/O BINOD BIHARI MITRA R/o F-1/82B/1, GALI NO-1, PALAM PHESH-2, MAHAVIR ENCLAVE, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110045 declare that name of mine has been wrongly written as RANJIT KUMAR MITRA in my Discharge book and original PPO NO-C/MISC/Z1189/2013. And name of my father has been wrongly written as BINODE BIHARI MITAR in my Aadhar Card-925523324626. The actual name of mine and my father are RANAJIT KUMAR MITRA and BINOD BIHARI MITRA , which may be amended accordingly.

Name Change

I hitherto known as SUNEETA W/O HARISHCHANDRA R/O Hasanpur Jagir, Sikandrabad, Bulandshahr, Uttar Pradesh- 203205 have changed my name and shall hereafter be known as SEEMA

Name Change

I, KALAVATI mother of No-16120926X Rank-NK, Name-NAGARAJ BHANDARI presently residing at HOUSE No.-390, MOHALLA-KIKKERI, PO-MURUR, TEHSIL-KUMTA, DISTT-UTTAR KANNADA, KARNATKA-581362 have changed my name from KALAVATI to KALAVATI GAJANAN BHANDARI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/072024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

We, Prasanta Jana S/O Shri Krishnapada Jana & his wife Bashki Jana, Both R/O F-2/837A, Block-F2, Sangam Vihar, New Delhi-110062, have severed all relations and disowned our son namely PRADEEP JANA from our all movable-immovable properties due to his misconduct/ misbehavior. We will not be responsible for his any acts/deeds in future, if any person dealing with him in future shall be doing so, at his own risk and consequences. we will not be responsible for his acts in any manner whatsoever.

PUBLIC NOTICE

IT IS INFORMED TO GENERAL PUBLIC THAT SH. BHAGWAN SINGH S/O SH. HARBHAJAN LAL AND SMT. CHARANJEET KAUR W/O SH. BHAGWAN SINGH BOTH R/O 2/210, UPPER GROUND FLOOR, SUBHASH NAGAR, NEW DELHI ARE JOINT OWNER OF PROPERTY BEARING NO. 2/210, UPPER GROUND FLOOR, SUBHASH NAGAR, NEW DELHI. THEY HAVE LOST THE DOCUMENTS OF PROPERTY BEARING NO. 2/210, UPPER GROUND FLOOR, SUBHASH NAGAR, NEW DELHI AND REGARDING THIS, THEY HAVE REGISTERED THE LOST REPORT VIDE LR NO. 736699/2019. IF ANYONE FINDS THE DOCUMENTS OF THE ABOVE SAID PROPERTY THEN PLEASE CONTACT TO MR. BHAGWAN SINGH ON THE ADDRESS MENTIONED ABOVE.

AMIT GABA Advocate
T-7 Tis Hazari Court, Delhi

Name Change

I, GAJANAN father of No-16120926X Rank-NK, Name-NAGARAJ BHANDARI presently residing at HOUSE No.-390, MOHALLA-KIKKERI, PO-MURUR, TEHSIL-KUMTA, DISTT-UTTAR KANNADA, KARNATKA-581362 have changed my name from GAJANAN to GAJANAN LAXMAN BHANDARI for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 05/04/1961 instead of my correct date of birth as 01/01/1963 Vide Affidavit dated 30/07/2024 before Notary Public Delhi.

Name Change

I, Army No. 15430123F Rank - HAV Name - Chandan Kumar Singh S/o Lal Deo Singh Parmanent Resident of Vill+Post - Sikandarpur, P.S - Sangrampur, Tehsil - Areraj, Dist - East Champaran, State - Bihar Pin - 845434 Presently Posted at Unit MH Prayag Raj have changed my son's name from Chanakya Raj to Daksh Singh for all future purposes. Vide Affidavit No.10394 Dated 29th June 2024 before Notary, Government of Bihar at Sub Divisional magistrate, Areraj, East Champaran (Bihar)

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्रीमती बबली पत्नी श्री अनिल कुमार भीम नगर, ग्राम मेवई (पूर्व) परगना लोनी, तहसील और जिले में स्थित खसरा नंबर 173 में से 50 वर्ग गज के फ्रीहोल्ड आवासीय निर्मित घर की मालिक हैं। गाजियाबाद उत्तर प्रदेश। उपहार विलेख के आधार पर दिनांक 21.06.2024 को दस्तावेज़ संख्या 7660, खंड संख्या 1882 पृष्ठ संख्या 255-274 एसआर-जीजेडबी-III। श्रृंखला में नीचे उल्लिखित दस्तावेज़ उपलब्ध नहीं है यानी स्वर्गीय श्रीमती विद्या देवी की एसएमसी की मृत्यु 18.08.2017 को हुई थी, अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और वही संपत्ति श्री अंकित राणा नाम से बिकने जा रही है । और इसे पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा एनएसपी, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

Name Change

I, hitherto known as AAKASH S/O BIJENDER SHARMA R/O WZ-223 UPPER GROUND FLOOR FRONT SIDE, GALI NO-16, SADH NAGAR PALAM COLONY, PALAM VILLAGE, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110045 have changed my name and shall hereafter be known as AAKASH SHARMA.

PUBLIC NOTICE

My client Bhoore Sharma Son Of Devi Lal and his wife Mithlesh both R/O 1-24/2022, Sangam Vihar, New Delhi-110080, has disowned/debarred their son AKASH SHARMA from all his/her moveable/immovable properties/assets and severed all his/her relations with them due to his misbehavior/misconduct towards my clients. If anybody dealing with his/her son in any manner will do so at his/her/their own risk and responsibility. My client shall not responsible for any kind of acts done by his son.

MUKESH KUMAR ADVOCATE
CH.NO.888, LAWYERS BLOCK
SAKET COURT, NEW DELHI-17

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्रीमती मीना पत्नी श्री अद्रेश कुमार छत/टेरेस अधिकार के साथ फ्रीहोल्ड आवासीय निर्मित तीसरी मंजिल की मालिक हैं, क्षेत्रफल 70.23 वर्ग मीटर है, संपत्ति संख्या VI/139-140 का हिस्सा, खसरा संख्या 642 से बाहर, स्थित है ग्राम चंद्रावली उर्फ शाहदरा की आबादी में, लोधी मोहल्ला, डूंगर मोहल्ला, फर्श बाजार, इलाक़ा शाहदरा, दिल्ली-110032। सद्गुण द्वारा, बिक्री विलेख दिनांक 29.10.2021 को दस्तावेज़ संख्या 9722, खंड संख्या 2877, पृष्ठ संख्या 35-44, दिनांक 29.10.2021, एसआरओ- IV बी, विवेक विहार के रूप में, नीचे दिए गए दस्तावेजों की श्रृंखला में उपलब्ध नहीं हैं अर्थात मृत्यु प्रमाण पत्र स्वर्गीय श्री अर्जुन दास की मृत्यु 11.12.1957 को हो गई और वसीयत का प्रोबेट ऑर्डर दिनांक 09.12.1957 को हो गया, अब हमारा ग्राहक यह घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और इसे उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड शाखा द्वारा वित्तपोषित किया गया है। नोएडा आरओ, यू.पी. यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 14 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

Name Change

I, Mohad Dilshad S/O Mr. Munna R/O House No. A-68, Second Floor, Shaheen Bagh, Abul Fazal Enclave Part- II, Jamia Nagar, Okhla, New Delhi-110025,Have changed by name From Mohad Dilshad to Mohd Dilshad for all future purpose.

Name Change

I CHANDRASHEKHAR SINGH, S/O SH. RAM SINGH, R/O 3/30 SECOND FLOOR, NEHRU NAGAR, RING ROAD, NEAR VIMHANS HOSPITAL, NEW DELHI 110065, DECLARE THAT I HAVE CHANGED MY MINOR SON'S NAME FROM *JOY* TO *ANUGRAH SINGH* FOR ALL PURPOSES IN THE FUTURE.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्री बृज बाल शर्मा फ्रीहोल्ड आवासीय संपत्ति संख्या 1/1628 के मालिक हैं, जिसे अब 1/1628-बी के रूप में जाना जाता है, भूमि क्षेत्र खसरा संख्या 1143/337, 1146/338 में से 65 वर्ग गज यानी 54.34 वर्ग मीटर है। , 1150/343, 1239/347, ग्राम चंद्रावली उर्फ शाहदरा की आबादी, मानसरोवर पार्क, इलाक़ा शाहदरा, दिल्ली-110032 में स्थित है। दिनांक 22.02.2021 को त्याग विलेख के गुण द्वारा एसआर-आईवीए शाहदरा, नई दिल्ली में दस्तावेज़ संख्या 1191 के रूप में, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 3565, पृष्ठ संख्या 87-96 पर, दिनांक 22.02.2021 को विधिवत पंजीकृत किया गया। श्रृंखला में नीचे दिए गए दस्तावेज़ उपलब्ध नहीं हैं यानी स्वर्गीय श्री किशोरी लाल का मृत्यु प्रमाण पत्र और एसएमसी, जिनकी मृत्यु 18.07.1999 को हुई थी और स्वर्गीय श्रीमती राज दुलारी का मृत्यु प्रमाण पत्र, जिनकी मृत्यु 21.04.2010 को हुई थी और स्वर्गीय श्री राज बल शर्मा का मृत्यु प्रमाण पत्र और एसएमसी, जिनकी मृत्यु 10.03.1982 को हुई थी। अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और दूसरी मंजिल, बिना छत के अधिकार के भी श्री आशुतोष जयसवाल और श्रीमती सोनी नाम से बिकने जा रही है और इसे पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित किया गया है। शाखा शाहदरा दिल्ली। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

Name Change

I, Ranjit Chandra S/o-shrikant singh R/o E-284 1st floor, Double Storey, Ramesh Nagar West Delhi -110015 have changed my name From Ranjit Chandra to Ranjeet Chandra for all future purposes.

Name Change

I, Pallavi Sinha W/o-Ranjeet Chandra R/o E-284 1st floor, Double Storey, Ramesh Nagar West Delhi -110015 have changed my name from Pallavi Sinha to Pallvi Sinha for all future purposes.

Name Change

I, Mayur Khandelwal S/o Suresh Khandelwal, R/o 9-B, D.D.A. Flats, Nirman Vihar, Shakarpur, Delhi -110092, have changed the name of my minor son Abeer Khandelwal aged 14 years and he shall hereafter be known as Abeerr Khandelwal, for all future purposes.

Name Change

I,Pawan Kumar Pandey s/o Suresh Kumar Pandey R/o vtc bhikhapur Jaunpur Uttar pradesh Pin code-222202 have changed my name from Pawan Kumar Pandey to Pawan Kumar for all future purpose

गांव गंगा में बनने वाले श्री गुरु जंभेश्वर केंद्र का शिलान्यास

एजेंसी

सिरसा। संतों के प्रयासों व प्रेरणा से ही समाज की अनेक बुराइयों को जड़ से खत्म किया गया था। उसी प्रकार गुरु जंभेश्वर महाराज ने भी अनेक कुरीतियों को मिटाकर समाज को नई दिशा देने का काम किया है। इसलिए हमारी युवा पीढी को संतों के बताए मार्ग पर चलकर देश के उत्थान में अपना योगदान देना चाहिए। युवाओं को नशे जैसी बीमारी से दूर रह कर अपनी ऊर्जा समाज हित में लगानी चाहिए, क्योंकि स्वस्थ एवं मजबूत युवा ही सही मायने में देश का भविष्य होते हैं।यह बात विकास एवं पंचायत मंत्री महीपाल ढांडा ने सिरसा जिला के गांव गंगा में बनने वाले श्री गुरु जंभेश्वर केंद्र का शिलान्यास करने के उपरांत कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने शिक्षा, खेल व चिकित्सा जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए अनेक नई जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की है। इसी कड़ी में आज गंगा गांव में आदित्य देवीलाल के प्रयासों से इस श्री गुरु जंभेश्वर केंद्र का शिलान्यास हुआ है। सरकार द्वारा लगभग साढे चार करोड़ की लागत से इस भवन का निर्माण करवाया जाएगा। सरकार ने गांवों के विकास के बजट को 2900 करोड़ से बढ़ाकर 7200 करोड़ किया है, जो सरकार की विकास परक सोच का एक पुख्ता उदाहरण है। उन्होंने कहा कि गांव में जल्द ही चार करोड़ 60 लाख की लागत से फिरनी का निर्माण कार्य शुरु हो जाएगा। इसके अलावा गांव में अन्य विकास के लिए उन्होंने डेढ़ करोड़ रुपये देने की घोषणा की।

हरियाणा पुलिस में शामिल हो सकेंगे भारतीय रिजर्व बटालियन के जवान

चंडीगढ़। भारतीय रिजर्व बटालियन के जवान अब हरियाणा पुलिस में शामिल हो सकेंगे। आईआरबी में 15 साल का कार्यकाल पूरा कर चुके जवानों के अलावा 12 वर्ष की सेवा पूरी होने के बाद मुख्य सिपाही के रूप में पदोन्नत किए गए सिपाहियों को भी हरियाणा पुलिस में शामिल होने का मौका मिलेगा। मुख्य सचिव ने इस संबंध के नियम अधिसूचित कर दिए। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान आईआरबी जवानों का हरियाणा पुलिस में विलय करने का निर्णय लिया था। नियम तैयार नहीं होने और कोर्ट के विवाद के चलते यह मामला अधर में लटका रहा। पिछली सुनवाई पर हाई कोर्ट ने सरकार को एक माह में नियम अधिसूचित नहीं किए तो हरियाणा पुलिस की सभी पदोन्नतियां रोक दी जाएगी। जिसके बाद आज गृह सचिव अनुराग रस्तोगी ने नियमों को अधिसूचित कर दिया है। पुलिस महानिदेशक प्रत्येक वर्ष 31 जनवरी तक भारतीय रिजर्व बटालियनों के मुख्य सिपाहियों, सी-1 सिपाहियों तथा छूट प्राप्त मुख्य सिपाहियों/सिपाहियों में से भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या अधिसूचित करेंगे। इसके बाद आईआरबी बटालियन के प्रमुख प्रत्येक वर्ष 28 फरवरी तक संबंधित कमांडेंट के माध्यम से संबंधित जवानों से आवेदन मांगेंगे। इसके बाद इच्छुक जवानों की फाइनल सूची तैयार कर 15 मार्च तक पुलिस महानिदेशक को सौंप दी जाएगी।

एनएचएम कर्मियों ने अपनी हड़ताल 2 अगस्त तक बढ़ाई

जींद। स्वास्थ्य विभाग में एनएचएम के तहत लगे कर्मियों ने सोमवार को अपनी हड़ताल 2 अगस्त तक के लिए बढ़ा दी है। मांगों पर विभाग में सहमति न बनने के एनएचएम कर्मियों में रोष व्याप्त है। हड़तालरत एनएचएम कर्मियों ने मांगों को लेकर सीएमओ डॉ. गोपाल गोयल को ज्ञापन भी सौंपा। एनएचएम कर्मचारी पिछले चार दिन से हड़ताल पर हैं। सोमवार को पहले कर्मियों ने सीएमओ कार्यालय के सामने काम छोड़ कर धरना दिया और सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की। धरने का संचालन जिलाध्यक्ष गौरव सहगल ने किया। स्वास्थ्य विभाग से अपनी मांगें पूरी न होने पर कर्मचारियों ने अपनी हड़ताल को 2 अगस्त तक के लिए बढ़ा दिया है। एनएचएम कर्मियों की हड़ताल के चलते लेबर रूम, नर्सरी, केएमसी यूनिट, रैफरल ट्रांसपोर्ट, मैंटल हेल्थ, स्कूल हेल्थ (आरबीएसके) व आरकेएसके, एनसीडी, एनआरसी, टीबी विभाग, आयुष विभाग, एनएचएम कार्यालय, पीपी सेंटर, सभी सीएचओ व रिपोर्टिंग के कार्य बाधित हो रहे हैं। उन्होंने मांग की कि एनएचएम कर्मचारियों को पक्का किया जाए। सांतवें वेतनमान का लाभ दिया जाए तथा सर्विस रूल के साथ कोई छेड़छाड़ न की जाए। एनएचएम कर्मचारियों को कैशलेस मेडिकल सुविधा प्रदान की जाए। एलटीसी, ग्रेजुटी व एक्सग्रेशिया का लाभ दिया जाए। एनएचएम कर्मचारियों को सेवा अनुसार ईएल, स्टडी लीव, टयुशन फीस का लाभ दिया जाए।

जोन-1 क्षेत्र में 109 बल्क वेस्ट जनरेटर्स को दिए गए नोटिस

गुरुग्राम। जोन-1 क्षेत्र में बल्क वेस्ट जनरेटरों (बीडब्ल्यूजी) का सर्वे पूरा कर लिया गया है। सर्वे के दौरान कुल 109 बीडब्ल्यूजी पाए गए हैं, जिन्हें नियमों के तहत कचरा प्रबंधन करने बारे नोटिस जारी किए गए हैं। इनमें से 15 बीडब्ल्यूजी का 25-25 हजार रुपए का चालान भी किया गया है। नगर निगम गुरुग्राम के संयुक्त आयुक्त-1 प्रदीप कुमार ने जानकारी दी कि ठोस कचरा प्रबंधन नियम-2016 के तहत नगर निगम गुरुग्राम की सीमा में स्थित सभी बल्क वेस्ट जनरेटरों को अपने परिसर में खुद ही कचरा निस्तारण करना अनिवार्य है। इसके तहत कचरे को गीले, सूखे व घरेलू हानिकारक श्रेणियों में अलग-अलग किया जाए। गीले कचरे से खाद या बायोगैस बनाई जाए तथा सूखे व घरेलू हानिकारक कचरे को संबंधित रिसायकलर के माध्यम से निस्तारित करवाया जाना अनिवार्य है। नियमों की अवहेलना करने पर संबंधित बीडब्ल्यूजी पर 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाने का प्रावधान है।

भाजपा का लक्ष्य गरीब, युवा, किसान और महिला को सशक्त करना है : देब

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के विधानसभा चुनाव सह प्रभारी एवं सांसद बिप्लब कुमार देब ने कहा कि हरियाणा में कांग्रेस बाप-बेटे तक सीमित है। कांग्रेस अपने परिवारवाद के कारण कोई चुनावी समीकरण नहीं बना सकती। भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है और समीकरण बैठाने का काम भाजपा ही कर सकती है। देब ने दावा करते हुए कहा कि हरियाणा में तीसरी बार भाजपा सरकार बननी तय है। बिप्लब देब ने कहा कि लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव कभी एक जैसे नहीं होते। दोनों चुनावों के समीकरण अलग-अलग होते हैं। हरियाणा में विधानसभा के अनुसार अलग-अलग समीकरण है। उन्होंने कहा कि जो पार्टी सही ढंग से समीकरण हैंडल करेगी उसी पार्टी की जीत भी निश्चित है और इसमें भाजपा फिट बैठती है। देब ने एक निजी समाचार चैनल से बातचीत करते हुए कहा कि कांग्रेस का 10 साल का शासन हरियाणा की जनता ने देखा है। हरियाणा में दलितों के जो हालात थे उसको जनता समझती है। कांग्रेस

शासन में पंचकूला में महिला ने आग लगाकर मरना पड़ा, कांग्रेस का काला इतिहास लोगों को मालूम है। कांग्रेस शासन में गुंडा राज था, बिजनेसमैन अपना बिजनेस सही ढंग से नहीं कर पाते थे, डंडे के दम पर उनकी दुकानें लूट ली जाती थी।

बिप्लब देब ने कहा कि पूर्व सीएम हुड्डा एक ही जिला के मुख्यमंत्री बनकर रहे। 2014 में भाजपा की पहली ऐसी सरकार बनी जिसका मुख्यमंत्री पूरे हरियाणा का बना। पूर्व सीएम मनोहर लाल ने सभी जिलों के लिए बिना भेदभाव के समान रूप से काम किया। मुख्यमंत्री नायब सैनी भी पूरे हरियाणा के लिए काम कर रहे हैं। सरकार की उपलब्धि बताते हुए बिप्लब देब ने कहा कि हरियाणा के इतिहास में पहली बार युवाओं को बिना पर्ची और बिना खर्ची के नौकरियां मिली। भाजपा ने पारदर्शी शासन व्यवस्था और नीति प्रदेश के लोगों को दी। कांग्रेस पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोग झूठ बोलते हैं, राहुल गांधी बचपना जैसी बातें करते हैं, 8500 रुपये हर महीना खटाखट देने की बात करते हैं। लोकसभा चुनाव में आरक्षण खत्म करने और संविधान बदलने की अफवाह और भ्रम की स्थिति पैदा कर कांग्रेस ने जनता के साथ छल किया है। उन्होंने कहा कि झूठ के दम पर एक बार चुनाव जीत सकते हैं बार-बार नहीं। हरियाणा विधानसभा चुनाव सह प्रभारी ने कहा कि कांग्रेस के लोग फ्यूचर के प्लान के बारे में कभी नहीं बोलते। राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं ऐसा कहीं नहीं लगता।

बजट चर्चा पर पूरी दुनिया ने देखा कि राहुल गांधी किस तरह बजट पर चर्चा करने की बजाए इधर-उधर की बातें करते रहे। उन्होंने कहा कि विपक्ष के लीडर की एक गरिमा होती है, जो राहुल गांधी में कहीं दिखाई नहीं देती। कांग्रेस तीन चुनाव के बाद भी 240 का आंकड़ा पार नहीं कर पाई।

यह जो चुनाव था ये भाजपा को हराने का चुनाव था: दुष्यंत चौटाला

एजेंसी

जींद। पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं स्थानीय विधायक दुष्यंत चौटाला उचाना हलके के भौंसला, उचाना कलां, उचाना मंडी सहित विभिन्न गांव के पहुंचे। यहां पर कार्यकर्ताओं से मिलकर उनकी मन की बात जानने के साथ-साथ उनको विस चुनाव की तैयारियों में लग जाने की बात कही। उचाना कलां में अनिल शर्मा के आवास पर पहुंचे दुष्यंत चौटाला का स्वागत कार्यकर्ताओं ने किया। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। कार्यकर्ताओं के बूते पर बीते विस चुनाव में 16 प्रतिशत मत एवं 10 विधायक पार्टी के बने। लोकसभा चुनाव एंव विस चुनाव में काफी अंतर होता है। ये जो चुनाव था ये भाजपा को हराने का चुनाव था। सत्ता का हिस्सा रहते हुए विकास के कामों में कोई कमी नहीं आने दी गई। कार्यकर्ता जो-जो काम हुए है उनके बारे में लोगों को बताए। हार-जीत चुनाव में होती रहती है। स्व. देवीलाल संघर्ष का दूसरा नाम है जिन्होंने हमेशा संघर्ष करके हालातों को बदलने का काम किया। जेजेपी पार्टी स्व. देवीलाल के सिद्धांतों पर बनी पार्टी है।

भाजपा में कोई बड़ा या छोटा कार्यकर्ता नही होता: कृषि मंत्री कंवर पाल

एजेंसी

यमुनानगर। प्रदेश में भाजपा का जनाधार बढ़ता जा रहा है और जगाधरी विधानसभा में भाजपा संगठन लगातार मजबूत हो रहा है। लगातार भाजपा की रीति-नीति से प्रभावित होकर लोग भाजपा मे शामिल हो रहे हैं। इसी कड़ी में जगाधरी कृषि मंत्री कंवरपाल के कार्यालय पर बड़ी संख्या में लोगों ने बसपा को छोड़ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। कृषि मंत्री कंवर पाल ने अपने जगाधरी कार्यालय पर पार्टी का पटका पहना कर सभी का भाजपा परिवार में स्वागत किया।

कृषि मंत्री ने बताया कि भाजपा की जनहित की नीतियों से प्रभावित होकर आज हड़ोली से केवल कुमार,बरौली माजरा से महिंद्र सिंह, डमोली से लखविंदर,ईलमचंद, बलोली से नरेश,मलकीत सिंह,सुरेंद्र कुमार,दादूपुर सैनी से राजकुमार सैनी अपने अनेकों साथियों के साथ बीएसपी को छोड़ भाजपा में शामिल हुए है। इस मौके पर कृषि मंत्री कंवरपाल ने कहा कि

पार्टी में शामिल हुए सभी लोगो को पूरा मान सम्मान दिया जायेगा। इन सभी के पार्टी में आने से भाजपा और मजबूत होगी। भाजपा में हर कार्यकर्ता को बराबर मान सम्मान दिया जाता है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं के लिए अनेक योजनाएं शुरू की है। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति के बल पर ही भारत विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ अग्रसर है। भाजपा में कोई कार्यकर्ता छोटा या बड़ा नही होता बल्कि कोई भी कार्यकर्ता मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री की कुर्सी हासिल कर सकता है।

मतदाताओं के लिए जिला में बनाए 31 नए मतदान केन्द्र गए : उपायुक्त डॉ. मनोज

एजेंसी

सोनीपत। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 1 जुलाई 2024 को आधार तिथि मानकर सोनीपत जिले में मतदाता सूचियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार, राजनीतिक दलों के पदाधिकारी और संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

भारत निर्वाचन आयोग के प्रतिनिधि अंडर सेकेटरी राजेश कुमार और एसओ योगेश शर्मा ने मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण अभियान और चुनावी तैयारियों पर चर्चा की और अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि बीएलओ द्वारा डोर-टू-डोर सर्वे करते हुए मृत व्यक्तियों के वोट काटने और नए वोटरों को जोड़ने का कार्य जारी है।जिले में 31 नए मतदान केंद्र बनाए गए हैं, 85 केंद्रों को समायोजित किया गया है और 13 केंद्रों के भवनों में परिवर्तन किया गया है। हाईराइज

बिल्डिंगों में 7 नए मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिनमें राई विधानसभा में 6 और सोनीपत विधानसभा में 1 केंद्र शामिल है। उपायुक्त ने बताया कि 13,628 एपिक कार्ड प्राप्त हुए हैं और उन्हें संबंधित मतदाताओं तक पहुँचाने के लिए पोस्ट ऑफिस भेजा गया है। 7,735 एपिक कार्ड प्रिंटिंग के लिए भेजे गए हैं। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत लोगों को जागरूक किया जा रहा है और बीएलओ को निर्देश दिए गए हैं कि वे 03, 04, 10, और 11 अगस्त को अपने-अपने मतदान केंद्रों पर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक उपस्थित रहकर फार्म प्राप्त करें। अतिरिक्त उपायुक्त अंकिता चौधरी, एसडीएम विवेक आर्य, निर्मल नागर, श्वेता सुहाग, अमित कुमार, नगराधीश पूजा कुमारी, डीआरओहरिओम अत्री, निर्वाचन तहसीलदार दिनेश शर्मा सहित संबंधित अधिकारी और राजनीतिक दलों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

समाधान शिविर में अबतक आई कुल 6360 शिकायतें, 5032 शिकायतों का हुआ समाधान

एजेंसी

जींद। समाधान शिविर में आने वाले लोगों की शिकायतों का समाधान तत्परता से किया जा रहा है ताकि किसी भी नागरिक को कार्यालय के बार-बार चक्कर काटने की जरूरत ना पड़ें। उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने लघु सचिवालय के स्थानीय सभागार में समाधान शिविर के दौरान अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि नागरिकों की समस्याओं पर तुरंत प्रभाव से कार्रवाई हो और समाधान शिविर में, पीने के पानी की समस्या, पानी निकासी की समस्या, राशन कार्ड से संबंधित समस्या, पेंशन बारे और पीपीपी को लेकर जो शिकायतें आ रही हैं, उनका मौके पर ही समाधान करने की कोशिश करें। किसी

भी मामले को लेकर देरी ना की जाए। नागरिकों को अनावश्यक रूप से बार-बार कार्यालय के चक्कर ना काटने पड़ें। अगर कोई पॉलिसी मामले से संबंधित शिकायत है और उसके समाधान में समय लग सकता है तो इसकी जानकारी संबंधित शिकायतकर्ता को भी दें। समाधान शिविर में 94 शिकायतें आई जिनमें से कई शिकायतों का मौके पर समाधान किया गया। अब तक जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर में कुल 6360 शिकायतें आई है। जिनमें से 5032 शिकायतों का समाधान किया जा चुका है और 699 शिकायतों पर अधिकारी कार्य कर रहे हैं। उपायुक्त ने कहा कि सभी अधिकारी अपना काम ईमानदारी से करें। जिससे लोगों को किसी प्रकार की समस्या का सामना ना करना पड़े। अगर किसी के खिलाफ कोई शिकायत मिली तो उस अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। समाधान शिविर के दौरान अतिरिक्त उपायुक्त डा. हरीश वशिष्ठ, सीइओ जिला परिषद डा. किरण सिंह, एसडीएम जींद राकेश सैनी, डीआरओ राजकुमार व अन्य सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

ड्यूटी के दौरान घायल हुए उप निरीक्षक को सौंपा 12.50 लाख का चेक

एजेंसी

हिसार। पुलिस अधीक्षक दीपक सहारन ने कानून व्यवस्था ड्यूटी के दौरान घायल हुए उप निरीक्षक सुरेश कुमार को 12.50 लाख रुपए का चेक प्रदान किया। उन्होंने दुर्घटना बीमा योजना के तहत कानून व्यवस्था ड्यूटी के दौरान

घायल हुए उप निरीक्षक सुरेश कुमार को आर्थिक सहायता का चेक प्रदान किया। पुलिस अधीक्षक दीपक सहारन ने कानून व्यवस्था ड्यूटी के दौरान घायल हुए उप निरीक्षक को 12.50 लाख रुपए का चेक प्रदान करते हुए ड्यूटी के प्रति प्रतिबद्धता और असाधारण सेवा के लिए उप निरीक्षक सुरेश कुमार की प्रसंशा की। साथ ही उन्होंने विभाग की कल्याणकारी योजनाओं के तहत हरसंभव सहायता का आश्वासन भी दिया। इस अवसर पर वेलफेयर इंस्पेक्टर वेदपाल और एचडीएफसी बैंक के अधिकारी भी मौजूद थे।

कुरुक्षेत्र के सांसद नवीन जिंदल को महात्मा हंसराज गौरव सम्मान

एजेंसी

हिसार। दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज के 77वें स्थापना दिवस समारोह में कुरुक्षेत्र के सांसद और देश के अग्रणी उद्योगपति नवीन जिंदल को महात्मा हंसराज गौरव सम्मान से अलंकृत किया गया है। इस अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा के लिए लंबा कानूनी संघर्ष करने और उसे जन-जन तक पहुंचाने के लिए नवीन जिंदल के अथक प्रयासों की उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंच से भरपूर तारीफ की।

राजनीति, उद्योग, शिक्षा जगत और पोलो, निशानेबाजी जैसे खेलों को एक नई ऊंचाई पर पहुंचाने वाले कुरुक्षेत्र के सांसद एवं हिसार निवासी नवीन जिन्दल को हंसराज कॉलेज ने दो दिन पूर्व अपने 77वें स्थापना दिवस पर खास मेहमान के रूप में आमंत्रित किया था। जिंदल ने इसी कॉलेज से कॉमर्स में डिग्री हासिल की है। अपने इस होनहार छात्र की उपलब्धियों को देखते हुए हंसराज कॉलेज ने नवीन जिंदल को महात्मा हंसराज गौरव सम्मान से अलंकृत किया। यह सम्मान उन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.

योगेश सिंह और हंसराज कॉलेज की प्राचार्या प्रो. रमा ने प्रदान किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलाधिपति जगदीप धनखड़ ने तिरंगा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए नवीन जिंदल के प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि नवीन जिंदल अपने उद्देश्य के प्रति इतने समर्पित थे कि वे नागरिकों को साल के 365 दिन तिरंगा फहराने का अधिकार दिलाने के लिए सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंच गए।उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि वे सैनिक स्कूल-चित्तौड़गढ़ के विद्यार्थी हैं, जहां के पूर्व छात्र संघ ने उनसे अनुरोध किया है कि उनके स्कूल में भी नवीन जिंदल विशाल राष्ट्रीय ध्वज लगाएं।

उन्होंने पूर्व छात्र संघ को भरोसा दिलाया कि जब वे नवीन जिंदल के कॉलेज जाएंगे, जहां से उन्होंने अपनी ग्रेजुएशन पूरी की है, वहां वे निवेदन करेंगे कि सैनिक स्कूल-चितौड़गढ़ में भी विशाल ध्वज फहराएं। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. प्रभांशु ओझा ने बताया कि नवीन जिंदल हंसराज कॉलेज को लेकर अत्यंत भावुक हैं और सदैव कॉलेज के सहयोग के लिए तत्पर रहते हैं। नवीन जिंदल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि उपराष्ट्रपति द्वारा तिरंगे के लिए उनके प्रयासों और संघर्षों की सराहना उनके लिए गर्व का विषय है। तिरंगा हमें न सिर्फ एकजुट करता है बल्कि राष्ट्र निर्माण में योगदान करने के लिए प्रेरित भी करता है।

कांग्रेस सरकार फिर करेगी पदक विजेताओं को उच्च पदों पर नियुक्तः हुड्डा

एजेंसी

रोहतक। पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनने पर फिर से खिलाड़ियों के लिए पदक लाओ, पद पाओ नीति को लागू किया जाएगा। खिलाड़ियों को नौकरियों में फिर से तीन प्रतिशत कोटा भी दिया जाएगा और खेल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए पहले की तरह गांवों में स्टेडियम बनवाकर उनमें तमाम सुविधाएं मुहैया करवाई जाएंगी। खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए स्कूली स्तर पर बच्चों को डाइट, भत्ता, कोचिंग और तमाम सुविधाएं दी जाएंगी। पूर्व मुख्यमंत्री हुड्डा अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रही थे। हुड्डा ने शूटर मनु भाकर को ओलंपिक पदक जीतने पर एक बार फिर बधाई दी। उन्होंने कहा कि मनु इस बार मेडल को लेकर पूरी तरह आश्वस्त थी और कहकर गई थी कि दादाजी अबकी बार पदक जरूर लाऊंगी। हुड्डा ने मनु भाकर और तमाम खिलाड़ियों को आने वाली प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि देश की झोली में कई मेडल आएंगे। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि खिलाड़ियों को सम्मान और इनाम देने में सरकार को

किसी भी तरह की कोताही नहीं बरतनी चाहिए, लेकिन भाजपा ने कांग्रेस की 'पदक लाओ, पद पाओ' नीति बंद करके खिलाड़ियों को डीएसपी जैसे उच्च पदों पर नियुक्ति के अधिकार से वंचित कर दिया। कांग्रेस कार्यकाल में डीएसपी बने खिलाड़ियों को आज तक सरकार ने पदोन्नति तक नहीं दी। कांग्रेस कार्यकाल के दौरान गांवों में सैकड़ों खेल स्टेडियम बनाए गए थे, लेकिन भाजपा ने उनका रख-रखाव तक ढंग से नहीं किया। कांग्रेस द्वारा शुरू की गई स्कूली स्तर की खेल प्रतियोगिता स्पैट को भी भाजपा ने बंद कर दिया। 'खेलो इंडिया' के बजट से हरियाणा को मात्र 3 प्रतिशत हिस्सा मिला है, जबकि खेलों में सबसे ज्यादा पदक हरियाणा के खिलाड़ी लाते हैं। इन तमाम बातों से स्पष्ट है कि वो हरियाणा के युवाओं को खिलाड़ी नहीं, नशेड़ी बनाना चाहती है।

सरकार की जनहित योजनाओं का लाभ प्रदेश की जनता को मिल रहा: कंवर पाल

एजेंसी

यमुनानगर। हरियाणा के कृषि मंत्री कंवरपाल ने अपने जगाधरी कार्यालय पर जनसुनवाई कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को कहा कि प्रदेश सरकार हर वर्ग के हित को ध्यान में रखकर आगे बढ़ रही है और सरकार द्वारा विकासात्मक कार्यों में नित नए-नए आयाम स्थापित कर प्रदेश को देश के अग्रणी राज्यों में शुमार किया है। प्रदेश सरकार द्वारा चलाई गई अंत्योदय योजना से गरीब परिवारों में खुशहाली आई रही है। जनसुनवाई कार्यक्रम में कृषि मंत्री कंवर पाल के समक्ष प्रदेश, जिला व हलके की जनता की विभिन्न विभागों से संबंधित सभी प्रकार की समस्याएं सुनते हुए ज्यादातर समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया और संबंधित विभाग के अधिकारियों को फोन पर निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार ने संयुक्त रूप से जनता के हित में आयुष्मान, उज्जवला, चिरायु, दयालु, निरोगी हरियाणा फिट भारत, प्रधानमंत्री विश्कर्मा योजना, अंत्योदय योजना जैसी अनेकों जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई है।

जींद के लिए बेहद अहम प्रोजेक्ट रिंग रोड निर्माण को लेकर विधायक ने की एनएच अधिकारियों से बैठक

एजेंसी

जींद। जींद के लिए बेहद अहम प्रोजेक्ट रिंग रोड निर्माण को लेकर विधायक डा. कृष्ण मिड्ढा ने एनएच अधिकारियों से बैठक कर विस्तृत चर्चा की। इस बैठक में एनएच के प्रोजेक्ट डायरेक्टर विपिन मंगला व उनकी टीम ने बताया कि रिंग रोड को लेकर डीपीआर, एलाइनमेंट दिल्ली एनएच मुख्यालय में है। जल्द ही इस परियोजना को सिरे चढाया जाएगा। विधायक द्वारा जो आदेश पिछली बैठकों में दिए गए थे, उन पर कार्रवाई करते हुए रिंग रोड को लेकर डीपीआर, एलाइनमेंट मुख्यालय भेजी जा चुकी है। विधायक ने कहा कि परियोजना को अमलीजामा पहनाने के लिए वो जल्द ही केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से भी मिलेंगे ताकि जल्द से जल्द यह परियोजना शुरू हो सके। विधायक ने स्पष्ट किया कि यह प्रोजेक्ट जींद के लिए बेहद अहम है और इसमें देरी न की जाए। गौरतलब है कि जींद जिले को ट्रैफिक जाम से मुक्ति दिलाने के लिए रिंग रोड बनाया जाना है। जींद जिले में रिंग रोड बनाने की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट यानि डीपीआर बन कर तैयार हो चुकी है। नरवाना रोड से रोहतक रोड में मिलने वाला यह रिंग रोड शहर के साथ लगते करीब 10 गांवों से होकर गुजरेगा। शहर से निकलने वाली सभी प्रमुख सड़कों को इस रिंग रोड से जोड़ा जाएगा ताकि वाहन चालकों को शहर में प्रवेश करने की नौबत ही न आए और बाहर से ही वो किसी हाइवे पर चढ़ सके। इस रिंग रोड के निर्माण से जाम की भयंकर समस्या से जूझने वाले जींद शहर को बड़ी राहत मिलेगी। विधायक डा. कृष्ण मिड्ढा ने बताया कि नरवाना रोड से शुरू होने वाला यह रिंग रोड शहर के साथ लगते जुलानी, राजपुरा, ईक्कस, किनाना समेत करीब 10 गांवों की सीमा से होकर गुजरेगा। रिंग रोड की डीपीआर तैयार हो चुकी है और इस रिंग रोड के निर्माण से शहर के व्यस्ततम क्षेत्र पटियाला चौक, सब्जी मंडी, रानी तालाब आदि जगहों पर जाम की भीषण समस्या से निजात मिलेगी। क्योंकि भिवानी, हांसी, बरवाला रोड की तरफ जाने वाले वाहन रिंग रोड से निकल जाएंगे और उन्हें शहर में प्रवेश करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

'यूपीए के 10 साल एक असफल प्रयोग थे, वे एक नाजुक अर्थव्यवस्था छोड़ गए थे', बोले पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिली। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल बजट पर विपक्षी दलों की ओर से किए जा रहे हमलों पर पलटवार किया है। कांग्रेस, राहुल गांधी और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम पर टिप्पणी करते हुए गोयल ने कहा, 2004 में तत्कालीन वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने कहा था कि उन्हें एक बहुत मजबूत अर्थव्यवस्था विरासत में मिली है। उस समय विकास दर 8फीसदी से अधिक था, अर्थव्यवस्था के आकार की तुलना में विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत था। मैंने यूपीए सरकार के दस भाषण पढ़े हैं, एक बार भी एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी लाने का उल्लेख नहीं किया गया। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि उन्होंने एक बार भी गरीबों को मुफ्त घर, मुफ्त बीमा, मुफ्त अनाज देकर उनके उत्थान की कोशिश करने की बात नहीं की। यूपीए सरकार के दस वर्षों में, वे देश को लगभग 4.4फीसददी की विकास दर पर ले गए, उस दौरान मुद्रास्फीति ऊंचाइयों पर थी ... वे प्रधानमंत्री मोदी के लिए एक नाजुक अर्थव्यवस्था छोड़ गए, जिसे दुनिया कमतर देखती थी... वे (कांग्रेस) देश को उच्च राजकोषीय घाटा, उच्च मुद्रास्फीति, कम वृद्धि, बहुत कम विदेशी मुद्रा भंडार छोड़ गए। गोयल ने कहा, यूपीए के 10 साल एक असफल प्रयोग थे जिसने एक असफल शासन मॉडल को प्रतिबिंबित किया और देश के लोगों को अपने घुटनों पर ला दिया। यूपीए शासन के दौरान एक के बाद एक भ्रष्टाचार के घोटाले सामने आए।

दावा: बिजली-ऊर्जा क्षेत्र में 9फीसदी बढ़ीं भर्तियां, कम कार्बन वाले भविष्य का संकेत; दिल्ली-बंगलूरू अधिक नौकरियां

एजेंसी

नई दिल्ली। रोजगार और नौकरी देश के सामने इस समय का सबसे ज्वलंत मुद्दा है। इसी बीच एक रिपोर्ट में अच्छे संकेत मिलने का दावा किया गया है। देश के बिजली और ऊर्जा क्षेत्र में नियक्ति गतिविधियों में चालू कैलेंडर वर्ष की पहली छमाही में सालाना आधार पर 9.01 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।टीमलीज सर्विसेज ने एक रिपोर्ट में कहा, घरेलू ऊर्जा क्षेत्र 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन लक्ष्य हासिल करने की भारत की प्रतिबद्धता के अनुरूप एक महत्वपूर्ण परिवर्तन से गुजर रहा है। यह बिजली और ऊर्जा क्षेत्र में 9.01 फीसदी के प्रभावशाली शुद्ध रोजगार परिवर्तन में स्पष्ट झलक रहा है।

62 फीसदी प्रतिभागियों ने श्रमबल का विस्तार किया; दिल्ली-बंगलूरू अधिक नौकरियां

साथ ही, यह महत्वपूर्ण सरकारी पहलों के जरिये संचालित कम कार्बन वाले भविष्य की ओर बढ़ने का संकेत देता है। रिपोर्ट के मुताबिक, उद्योग के 62 फीसदी प्रतिभागियों ने अपने श्रमबल का विस्तार किया है। दिल्ली, बंगलूरू और मुंबई जैसे शहरों ने इस बदलाव को आगे बढ़ाया है।रिपोर्ट के मुताबिक, बिजली और ऊर्जा क्षेत्र में नौकरी देने में दिल्ली 56 फीसदी के साथ सबसे आगे है।इसके बाद बंगलूरू (53 फीसदी) और मुंबई (52 फीसदी) का नंबर आता है। नौकरी के लिए नए स्थान की तलाश के लिहाज से जयपुर 14 फीसदी के साथसबसे आगे है। बिजली और ऊर्जा क्षेत्र में इंजीनियरों की मांग सबसे ज्यादा है।?

'भारत एकमात्र ऐसा देश जहां बीते तीन साल में पेट्रोल, डीजल के दाम घटे', बोले हरदीप पुरी

नई दिल्ली। भारत एकमात्र ऐसा देश है, जहां नवंबर 2021 से अप्रैल 2024 के बीच पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी आई है। यह दावा केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को किया। राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान विभिन्न पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए मंत्री ने यह भी बताया कि सरकार तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) और डीलरों के बीच 'मार्जिन' के संबंध में बातचीत को प्रोत्साहित कर रही है। पुरी ने कहा कि पूर्ववर्ती संप्रग सरकार के कार्यकाल के दौरान पेट्रोल और डीजल को नियंत्रण मुक्त कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि नियंत्रण मुक्त करने का मतलब है कि बाजार में उस 'कमोडिटी' की कीमतें सरकार द्वारा निर्धारित नहीं की जाती हैं।

सोना 950 रुपये लुढ़का; चांदी में 2024 में एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट, 4500 रुपये टूटी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने कीमतें 950 रुपये सस्ती होकर 71050 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गई। ज्वेलर्स की ओर से मांग में कमी आने के कारण यह गिरावट आई। ऑल इंडिया सर्राफा एसोसिएशन के अनुसार शनिवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 72000 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ। 99.5 प्रतिश शुद्धता वाला सोना 1650 रुपये की गिरावट के साथ 70,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर कारोबार करता दिखा। इससे पहले शनिवार को यह 72,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। चांदी की कीमतों मे भी बड़ी गिरावट दिखी। चांदी के भाव 4500 रुपये टूटकर 84500 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गए। चांदी की कीमतों में 2024 में एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट आई। कारोबारियों के अनुसार ज्वेलर्स और खुदरा खरीदारों की ओर से मांग में कमी आने के कारण सोने की कीमतों में गिरावट आई है।

नामीबिया को एक हजार टन गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात को मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने नामीबिया को एक हजार टन गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति दी है। राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल) के माध्यम से नामीबिया को यह चावल निर्यात की जाएगी।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की ओर से जारी एक अधिसूचना के मुताबिक एनसीईएल के माध्यम से नामीबिया को एक हजार टन गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति दी जाती है। भारत ने इससे पहले नेपाल, कैमरून, कोट डी आइवर, गिनी, मलेशिया, फिलिपीन और सेशेल्स जैसे देशों को इस तरह के निर्यात की अनुमति दी है। सरकार ने घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए 20 जुलाई, 2023 से गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा रखा है।

लेकिन विशेष अनुरोध पर कुछ देशों को उनकी खाद्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए निर्यात की अनुमति दी जाती है। गौरतलब है कि अप्रैल-मई में भारत ने गैर-बासमती सफेद चावल का निर्यात 12.27 करोड़ डॉलर का किया था, जबकि पूरे वित्त वर्ष 2023-24 में 85 करोड़ 25.3 लाख डॉलर का निर्यात हुआ था।

कच्चा तेल 80 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में गिरावट जारी है। ब्रेंट क्रूड 80 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 76 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों (पीएसयू) ने पेट्रोल-डीजल के मूल्य में कोई बदलाव नहीं किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के दूसरे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.41 डॉलर यानी 0.51 फीसदी की गिरावट के साथ 79.37 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.44 डॉलर यानी 0.58 फीसदी फिसलकर 75.37 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये, डीजल 89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये, डीजल 91.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है।

सीगल इंडिया का आईपीओ एक अगस्त को खुलेगा, प्राइस बैंड 380-401 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। ढांचागत क्षेत्र की कंपनी सीगल इंडिया लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) एक अगस्त, 2024 को खुलेगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 380-401 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी की योजना इसके जरिए 1,253 करोड़ रुपये जुटाने की है। कंपनी ने जारी एक बयान में कहा कि उसका आईपीओ एक अगस्त को खुलेगा और 5 अगस्त, 2024 को बंद होगा। कंपनी के मुताबिक 5 रुपये फेस वैल्यू प्रति इक्विटी शेयर का मूल्य दायरा 380-401 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। निवेशक न्यूनतम 37 इक्विटी शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। कंपनी इस निर्गम से मिलने वाली राशि का इस्तेमाल उपकरणों की खरीद और कर्ज भुगतान के अलावा सामान्य कंपनी जरूरतों के लिए करेगी। सीगल इंडिया लिमिटेड आईपीओ में 684.25 करोड़ रुपये मूल्य के नए शेयरों की पेशकश के अलावा प्रवर्तकों एवं व्यक्तिगत शेयरधारकों की ओर से 568.41 करोड़ रुपये मूल्य के 1.42 करोड़

इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी लाएगी। आईपीओ का आकार 1,252.66 करोड़ रुपये आंका गया है। इसमें प्रवर्तक एवं प्रवर्तक समूह इकाइयों के अलावा व्यक्तिगत शेयरधारक कंवलदीप सिंह लूथरा अपनी हिस्सेदारी बेच रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि लुधियाना बेस्ड सीगल इंडिया लिमिटेड एक इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी है, जिसने एलिवेटेड रोड, फ्लाईओवर, पुल, रेलवे ओवरब्रिज, टनल, हाईवे, मेट्रो, एक्सप्रेस-वे और रनवे जैसे स्पेशलाइज्ड स्ट्रक्चरल वर्क अनुभव के साथ-साथ देश के दस राज्यों में 34 से ज्यादा प्रोजेक्ट पूरे किए हैं। कंपनी के मुताबिक जून, 2024 तक उसे 9,470 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला हुआ था।

इंडियन बैंक को जून तिमाही में 2,403 करोड़ रुपये का हुआ मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक ने चालू वित्त वर्ष 20224-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। अप्रैल-जून तिमाही में बैंक का मुनाफा 41 फीसदी बढ़कर 2,403 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में बैंक को 1,709 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

इंडियन बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि खराब कर्ज में कमी से अप्रैल-जून तिमाही में बैंक के नतीजे बेहतर रहे हैं। बैंक के मुताबिक पहली तिमाही में इंडियन बैंक की कुल आय बढ़कर 16,945 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 14,759 करोड़ रुपये थी। चेन्नई स्थित बैंक की पहली तिमाही में ब्याज आय सालाना आधार पर 13,049 करोड़ रुपये से बढ़कर 15,039 करोड़ रुपये हो गई।

बैंक के मुताबिक परिसंपत्ति की गुणवत्ता के मामले में उसकी सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) 30 जून, 2024 तक कुल कर्ज पर 3.77 फीसदी थी, जो एक साल पहले 5.47 फीसदी था। बैंक ने बताया कि उसका शुद्ध एनपीए भी सालाना आधार पर 0.70 फीसदी से घटकर 0.39 फीसदी पर आ गया। एनपीए घटने के कारण खराब कर्ज के लिए प्रावधान पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के दौरान 930 करोड़ रुपये से घटकर 896 करोड़ रुपये रह गया। इसके अलावा बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 30 जून, 2023 को 15.78 फीसदी की तुलना में बढ़कर 16.47 फीसदी हो गया है।

'फ्लैट पर कब्जे में देरी पर पूरी राशि घर खरीदारों को वापस करनी पड़ेगी', सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसमें एक डेवलपर को फ्लैट का कब्जा देने में देरी के लिए घर खरीदारों की ओर से भुगतान की गई पूरी राशि वापस करने का निर्देश दिया गया था। न्यायमूर्ति बीआर गवई और संदीप मेहता की पीठ ने एनसीडीआरसी द्वारा निर्धारित ब्याज दर को 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 12 प्रतिशत कर दिया और कहा कि घर खरीदारों को उनकी कोई गलती न होने के बावजूद लंबे समय तक परेशान होना पड़ा।

तीन महीने के भीतर बकाया भुगतान

पीठ ने कहा 'हमारे विचार में, आयोग को कम से कम, समझौते के खंड 7(बी) के मद्देनजर 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज देना चाहिए था। परिणामस्वरूप, अपील आंशिक रूप से स्वीकार की जाती है। शिकायतकर्ताओं-अपीलकर्ताओं द्वारा जमा की गई पूरी राशि वापस करने के आयोग द्वारा दिए गए निर्देश को बरकरार रखा जाता है।÷ पीठ ने कहा कि इस मामले के तथ्य दिखाते हैं कि परियोजना में बेवजह देरी हुई और बिना किसी गलती के मकान खरीदारों को लंबे समय तक परेशानी झेलनी पड़ी। हालांकि, अदालत ने कहा कि ब्याज के संबंध में निर्देश को इस सीमा तक संशोधित किया गया है कि इसे संबंधित जमा की तारीख से वापसी की तारीख तक 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से भुगतान किया जाएगा। पीठ ने कहा कि बकाया राशि इस निर्णय की तिथि से तीन महीने की अवधि के भीतर चुकाई जाएगी।

घर खरीदारों ने एनसीडीआरसी के 29 सितंबर, 2022 के आदेश को चुनौती दी है, जिसके द्वारा उसने शिकायत को आंशिक रूप से अनुमति दी है और प्रतिवादी मेसर्स पार्श्वनाथ डेवलपर्स लिमिटेड को संबंधित जमा की तारीख से वापसी की तारीख तक 9 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज के साथ राशि वापस करने का निर्देश दिया है। शिकायत के अनुसार, डेवलपर ने 2008 में यहां सुभाष नगर में %पार्श्वनाथ पैरामाउंट% नामक एक ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट लॉन्च किया था। घर खरीदारों ने परियोजना में एक 3बीएचके फ्लैट बुक किया और 15 जुलाई, 2008 को शुरुआती राशि के रूप में लगभग 16 लाख रुपये का भुगतान किया और भुगतान योजना के अनुसार शेष राशि का भुगतान किया।

फ्लैट-खरीदार समझौते के अनुसार, फ्लैट का निर्माण उस विशेष टावर के निर्माण शुरू होने के 30 महीने की अवधि के भीतर पूरा हो जाना चाहिए था जिसमें फ्लैट स्थित था। हालांकि, समय पर भुगतान के बावजूद डेवलपर द्वारा अपेक्षित समय सीमा के भीतर फ्लैट का कब्जा सौंपने में विफल रहने पर, घर खरीदारों ने परियोजना की प्रगति के बारे में पूछताछ करने के लिए बिल्डर से संपर्क करने के कई प्रयास किए, लेकिन कोई ठोस अपडेट नहीं मिला। कब्जे में हो रही देरी से व्यथित होकर, घर खरीदारों ने एनसीडीआरसी का रुख किया, और वर्तमान बाजार मूल्य के अनुसार उनके द्वारा भुगतान की गई पूरी राशि की वापसी के लिए प्रार्थना की, साथ ही फ्लैट बुकिंग की तारीख से भुगतान की तारीख तक 24 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज और साथ ही मुआवजा देने की भी मांग की। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अपने कार्यों और 90 साल की यात्रा के बारे में गहन प्रस्तुति देने के लिए पांच-एपिसोड की वेब सीरीज की योजना बना रहा है। एक आधिकारिक दस्तावेज के अनुसार, वेब सीरीज लगभग तीन घंटे की होगी। इसका प्रत्येक एपिसोड 25-30 मिनट की अवधि का होगा।

दिल्ली-एनसीआर में 60 रुपये प्रति किलो के भाव से टमाटर बेच रही सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने दिल्ली-एनसीआर में भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ लिमिटेड (एनसीसीएफ) के माध्यम से 60 रुपये प्रति किलोग्राम के दाम पर टमाटर की बिक्री शुरू कर दी है। सरकार ने उभोक्ताओं को सस्ती दर पर टमाटर मुहैया कराने के लिए यह कदम उठाया है। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सोमवार को प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने दिल्ली-एनसीआर में 60 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव टमाटर बेचने का निर्णय किया है। उन्होंने बताया कि एनसीसीएफ के 18 सेंटरों के माध्यम से टमाटर की बिक्री शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि इसके लिए हमने तीन मंडियों से 15000 किलोग्राम टमाटर खरीद कर एनसीसीएफ सेंटरों पर भेजे हैं। केंद्रीय मंत्री जोशी ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में टमाटर टमाटर के भाव 70-80 रुपये किलोग्राम हैं। इसके मद्देनजर सरकार एनसीसीएफ के जनिए एक आदमी को एक किलो टमाटर अभी दे रहा है। उन्होंने बताया कि ये सुविधा दिल्ली-एनसीआर में उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि वेसे आने वाले 7-8 दिनों में बाजार में टमाटर के दाम कम हो जाएंगे। लेकिन तब तक हम टमाटर भेजते रहेंगे। उधर एनसीसीएफ ने जारी बयान में कहा कि दिल्ली-एनसीआर के 16 जगहों पर मोबाइल वैन के जरिए टमाटर बेचना शुरू कर दिया है। इसके साथ ही तीन मेट्रो स्टेशनों पर स्थिति स्टोर्स में भी सस्ती दर पर टमाटर की बिक्री शुरू की गई है।

देश की डिजिटल इकोनॉमी 2026 तक जीडीपी का 20 फीसदी होगी : आरबीआई रिपोर्ट

एजेंसी

मुंबई। भारत की डिजिटल इकोनॉमी वर्ष 2026 तक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का पांचवां हिस्सा (20 फीसदी) बनने की ओर अग्रसर है। अभी देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था की जीडीपी में हिस्सेदारी 10 फीसदी है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है।

आरबीआई की ओर से वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 'मुद्रा और वित्त पर रिपोर्ट' (आरसीएफ) की प्रस्तावना में यह अनुमान जताया गया है। इस रिपोर्ट के मुताबिक फिलहाल जीडीपी के दसवें हिस्से वाली देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था पिछले दशक में दर्ज वृद्धि दरों के अनुरूप 2026 तक जीडीपी का पांचवां हिस्सा बनने की राह पर है।

रिपोर्ट की प्रस्तावना में आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने जोर देकर कहा है कि वित्तीय क्षेत्र में डिजिटलीकरण से अगली पीढ़ी की बैंकिंग का रास्ता खुल रहा है। उन्होंने

कहा कि इससे सस्ती लागत पर वित्तीय सेवाओं तक पहुंच बेहतर हो रही है। इस रिपोर्ट के अनुसार इस क्रांति को तेजी देने में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले उपयोगकर्ताओं की संख्या में बढ़ोतरी और डेटा खपत की किफायती लागत का योगदान रहा है। आरबीआई रिपोर्ट के मुताबिक भारत दुनिया में सबसे अधिक मोबाइल डेटा खपत वाले देशों में से एक है, जहां 2023 में प्रति उपयोगकर्ता प्रति माह औसत खपत 24.1 जीबी रही। इस रिपोर्ट के अनुसार डिजिटल क्रांति बैंकिंग बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक वित्त प्रबंधन प्रणालियों को बढ़ावा दे रही है, जिसमें प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण और कर संग्रह दोनों शामिल हैं। जीवंत ऑनलाइन बाजार उभर रहे हैं और उनकी पहुंच बढ़ रही है।

वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 'मुद्रा और वित्त पर रिपोर्ट' की प्रस्तावना में शक्तिकांत दास ने कहा है कि वित्तीय क्षेत्र में डिजिटलीकरण अगली पीढ़ी की बैंकिंग गतिविधियों का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। इससे किफायती लागत पर वित्तीय सेवाओं तक पहुंच में सुधार आ रहा है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि यूपीआई ने अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए खुदरा भुगतान से जुड़े अनुभव में क्रांति लाने का काम किया है, जिससे लेन-देन पहले से तेज और ज्यादा सुविधाजनक हो गया है। डिजिटल मुद्रा क्षेत्र में रिजर्व बैंक ई-रुपये (सीबीडीसी) का भी पायलट परीक्षण चला रहा है।

सेनोरेस फार्मा ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष दाखिल किए दस्तावेज

एजेंसी

नई दिल्ली। अहमदाबाद स्थित औषधि कंपनी सेनोरेस फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड ने सोमवार को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से धन जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति बिनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी की योजना इसके तहत 500 करोड़ रुपये जुटाने

की है। पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष कंपनी के दाखिल दस्तावेज के मुताबिक यह आईपीओ 500 करोड़ रुपये के ताजा शेयर और 27 लाख शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन होगा। इसके अलावा औषधि कंपनी आईपीओ पूर्व निर्गम में 100 करोड़ रुपये तक जुटाने पर विचार कर सकती है। ऐसा होने पर नए निर्गम का आकार कम हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि सेनोरेस फार्मास्यूटिकल्स विशिष्ट तथा जटिल औषधि उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला की पहचान, विकास तथा विनिर्माण में विशेषज्ञता रखती है। इस कंपनी में प्रमोटरों की हिस्सेदारी 66.67 फीसदी है, जबकि शेष शेयर सार्वजनिक शेयरधारकों के पास हैं।

मजबूती का रिकॉर्ड बनाने के बाद फिसला बाजार, सपाट स्तर पर सेंसेक्स और निफ्टी बंद

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार ने उतार-चढ़ाव भरे कारोबारी सत्र में मजबूती का नया रिकॉर्ड बनाया। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने दिन के पहले सत्र में ही ऑल टाइम हाई का नया रिकार्ड बनाने में सफलता हासिल की। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.03 प्रतिशत और निफ्टी 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक बढ़त के साथ सपाट स्तर पर बंद हुए।

आज के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, मीडिया, बैंकिंग, ऑयल एंड गैस, कैपिटल गुड्स, रियल्टी और पावर सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। दूसरी ओर एफएमसीजी, आईटी और टेलीकॉम सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.80 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉल कैप इंडेक्स ने 1.17 प्रतिशत उछल कर आज के कारोबार का अंत किया।

आज बाजार ब्रॉडर मार्केट में जमकर हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 460.06 लाख करोड़ रुपये

(अस्थाई) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 456.92 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 3.14 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,198 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,354 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,701 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 143 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,397 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,369 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,028 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर बढ़त के साथ और 16 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 25 शेयर हरे निशान में और 25 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 346.93 अंक की बढ़त के साथ मजबूती का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 81,679.65 अंक के स्तर पर खुला। शुरुआती कारोबार में खरीदारी का सपोर्ट मिलने के कारण दोपहर 12 बजे के करीब ये सूचकांक 575.71 अंक की मजबूती के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 81,908.43 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से सेंसेक्स की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 2 बजे के करीब ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 750 अंक से ज्यादा टूट कर 196.81 अंक की कमजोरी के साथ 81,135.91 अंक के स्तर तक गिर गया। खरीदारी का सपोर्ट मिलने की वजह से सेंसेक्स 23.12 अंक की मामूली बढ़त के साथ 81,355.84 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 108.45 अंक उछल कर मजबूती का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 24,943.30 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। दिन के पहले सत्र के कारोबार में ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 164.90 अंक की तेजी के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 24,999.75 अंक तक पहुंच गया।

25,000 अंक के ऐतिहासिक स्तर को छूने के पहले ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से ये सूचकांक ऊपरी स्तर से करीब 225 अंक टूट कर 60.25 अंक की कमजोरी के साथ आज के सबसे निचले स्तर 24,774.60 अंक तक गिर गया। हालांकि, इसके बाद एक बार फिर खरीदारों ने अपना जोर दिखाया, जिसकी वजह से निफ्टी 1.25 अंक की सांकेतिक तेजी के साथ 24,836.10 अंक के स्तर पर बंद हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से डिवीज लेबोरेट्रीज 2.78 प्रतिशत, बीपीसीएल 2.77 प्रतिशत, लार्सन एंड टूब्रो 2.58 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व 1.94 प्रतिशत और अल्ट्राटेक सीमेंट 1.72 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, टाइटन कंपनी 2.36 प्रतिशत, भारती एयरटेल 2.18 प्रतिशत, सिप्ला 1.34 प्रतिशत, आईटीसी 1.22 प्रतिशत और कोटक महिंद्रा 1.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

मानसून में खांस-खांसकर हो गए हैं बेदम, छिल गया है गला, तो झटपट आराम के लिए अपनाएं कुछ असरदार उपाय

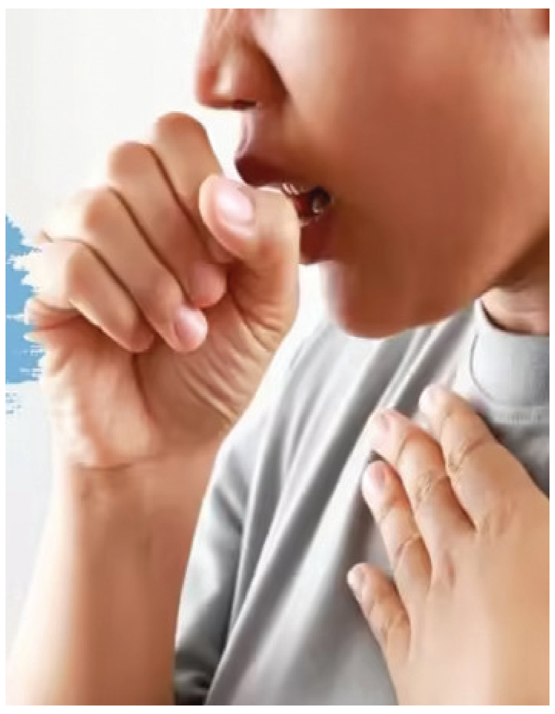

मानसून में बैक्टीरिया और वायरस का संक्रमण तेजी से बढ़ने लगता है। इस वजह से खांसी और जुकाम की समस्या भी काफी बढ़ जाती है। लगभग हर कोई खांसी से परेशान रहता है। इसलिए हम आपको कुछ ऐसे नुस्खे बताने वाले हैं जो खांसी का रामबाण इलाज (Home Remedies for Cough) माने जाते हैं। आयुर्वेद में भी इन उपायों को कारगर माना जाता है।

बारिश का मौसम आते ही अपने साथ सर्दी और खांसी की समस्या साथ लेकर आता है। इस मौसम में बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी आपको खांसते हुए मिलेंगे। ऐसा मौसम में बदलाव के साथ-साथ वायरस के तेजी से फैलने की वजह से भी होता है। इसलिए इस मौसम में खांसी की समस्या काफी आम हो जाती है। अब ऐसे में अगर आपको भी या आपके परिवार में किसी को खांसी हो गई है, तो इसे ठीक करने के लिए आप कुछ उपायों की मदद ले सकते हैं।

हल्दी

हल्दी में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-वायरल गुण पाए जाते हैं, जो खांसी से आराम दिलाने में मदद करते हैं। साथ ही, यह इन्फेक्शन की वजह से होने वाली सूजन को भी कम करता है। इसलिए खांसी ठीक करने के लिए रात को गर्म दूध में हल्दी मिलाकर पिएं।

तुलसी

तुलसी में एंटीमाइक्रोबियल गुण पाए जाते हैं, जो वायरस और बैक्टीरिया को खत्म करने में मदद करते हैं। इसलिए इसकी पत्तियां खाने से खांसी से आराम मिलता है। आप चाहें, तो इसकी कुछ पत्तियों को चबाकर खा लें या उनका रस निकालकर एक-दो चम्मच पिएं।

काली मिर्च

काली मिर्च में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो मौसम बदलने की वजह से होने वाले इन्फेक्शन को कम करते हैं। साथ ही, यह बलगम कम करने में भी मदद करती है। काली मिर्च को कूटकर एक चम्मच शहद में मिलाकर खा सकते हैं या इसकी चाय बनाकर पी सकते हैं।

लहसुन

लहसुन में एंटीमाइक्रोबियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो खांसी को ठीक करने में काफी मदद करते हैं। साथ ही, इससे इम्युनिटी बढ़ती है, जिससे खांसी-जुकाम का संक्रमण कम होता है। इसलिए सुबह एक कली कच्चा लहसुन खाएं या उसे सलाद आदि में मिलाकर खाएं।

अदरक

अदरक गले की खराश और खांसी को कम करने में मदद करता है। इसमें मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण इन्फेक्शन के कारण होने वाली सूजन को कम करते हैं। इसे आप चाय में मिलाकर या पानी में उबालकर पी सकते हैं। इससे खांसी से जल्दी ही आराम मिल जाएगा।

शहद

शहद में भी एंटीमाइक्रोबियल गुण पाए जाते हैं, जो खांसी से आराम दिलाने में मदद करता है। इसलिए एक चम्मच शहद में हल्दी या तुलसी मिलाकर खाएं, इससे आपको कुछ ही दिनों में खांसी से आराम मिल जाएगा। साथ ही, अगर गले में खराश महसूस हो रही है, तो भी शहद खाने से आराम मिलेगा।

राम चैत की मदद सरकार का काम था मगर राहुल ने की

जैसा कि हमने ऊपर शुरू में लिखा यह चीजें व्यक्तिगत मदद करने से ठीक नहीं होंगी। आज तक नहीं हुई। यह सोच का मामला है। नीति बनाने उसे लागू करने का। गरीबी से ऐसे नहीं लड़ा जा सकता। भारत दुनिया के करीब 190 देशों में 142 वें स्थान पर है। गरीबी में। प्रति व्यक्ति की आय नहीं बढ़ रही है। उधर करीब एक हजार अरबपतियों की आय लगातार बढ़ती जा रही है।अच्छे इन्सान के तौर पर राहुल जो कर सकते थे वह उन्होंने किया। मगर व्यक्ति की अपनी सीमाएं होती हैं। राम चैत जैसे लाखों लोगों की मदद करना और उन्हें आगे बढ़ाना सरकारों का काम होता है।

इन्दिरा गांधी ने इसलिए बैकों का राष्ट्रीयकरण किया था। कुटीर, लघु, मध्यम दर्जे का काम करने वालों को कम ब्याज पर आसानी से लोन देने के लिए। केन्द्र सरकार सहित सभी राज्यों ने इसके लिए कारपोरेशन बनाए थे। जहां ट्रेनिंग के साथ आसान शर्तों पर लोन भी मिलता था। उस पर सब्सिडी भी होती थी।मगर यह सब बंद हो गया। राष्ट्रीयकृत बैंक अब कुछ बड़े उद्योगपतियों को ही लोन दे रहे हैं और उनमें से कई देश छोड़कर भाग रहे हैं। पिछले दस साल में 18 लाख लोग देश छोड़कर जा चुके हैं। केवल पिछले पांच साल में छह लाख से ज्यादा लोगों ने भारतीय नागरिकता छोड़ी है। यह कितना पैसा लेकर भागे हैं सरकार इसका कोई अधिकृत आंकड़ा नहीं दे रही है।मगर बैंकों द्वारा बट्टे खाते में डाले जा रहे पैसों के हिसाब से कुछ वित्त एजेंसियों ने जो आंकड़े जुटाए हैं वे बेहद चिन्ताजनक हैं। उनके मुताबिक चालीस-पचास बड़े उद्योगपति विजय माल्या, नीरव मोदी जैसे लोग चालीस हजार करोड़ रुपये लेकर भागे हैं।देश में पिछले दस सालों में पैसों वालों को ही और आगे बढ़ाने का काम हो रहा है। इन्हीं में से कुछ पैसे लेकर भाग गए कुछ फिलहाल यहीं और पैसा बना रहे हैं। आंकड़े बहुत गंभीर हैं। एक तरफ 1319 लोग एक हजार करोड़ रुपये से अधिक संपत्ति के मालिक बन गए हैं। दूसरी तरफ देश के 80 करोड़ से ज्यादा लोग पांच किलो मुफ्त अनाज पर गुजर कर रहे हैं। इन लोगों को काम धंधा देने की कोई योजना नहीं है। केवल जिन्दगी काटने पर मजबूर कर दिए गए हैं। बच्चों की पढ़ाई-लिखाई आगे बढ़ना कोई मतलब नहीं है केवल जीते रहना ही उद्देश्य हो गया है।अमीर कैसे और अमीर होता जा रहा है यह इससे समझें कि पिछले एक साल में ही इनकी दौलत 41 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ी है। और गरीबों की हालत क्या है, यह इससे समझें कि गरीबी में भारत 142 वें स्थान पर है। मतलब 141 देश में जिनमें बहुत छोटे-छोटे देश अंगोला, आइवरी कोस्ट जैसे शामिल हैं, भारत से बेहतर स्थिति में हैं। बेरोजगारी की स्थिति भयावह है। 83 प्रतिशत युवा बेरोजगार हैं।देश की चालीस प्रतिशत संपत्ति अब केवल एक प्रतिशत लोगों के पास पहुंच गई है और यह न रोजगार बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं और न देश में ऐसे उद्योग लगाने की। जिससे देश की चीन पर निर्भरता कम हो बल्कि चीन से व्यापार करके वहां से छोटी-छोटी चीजें मंगाकर यहां बेचकर पैसा बढ़ाने में लगे हुए हैं।ाखों सरकारी पद खाली हैं। कहीं भर्ती नहीं हो रही। हर जगह ठेके पर काम चलाया जा रहा है साथ ही पहले जो राम चैत जैसे लोगों के कौशल विकास, अपना धंधा बढ़ाने की योजनाएं चलती थीं वे भी सब बंद हो गई हैं। इसलिए कभी राहुल को अग्निवीर जैसी चार साल की नौकरी बंद करके परमानेंट नौकरी की मांग करनी पड़ती है तो कभी राम चैत जैसे मेहनतकशों को अपने व्यक्तिगत साधनों से जूता सिलाई की मशीन दिलानी पड़ती है।आश्चर्य और दुख की बात यह है कि यूपी में चार बार मायावती मुख्यमंत्री रहीं मगर कमजोर वर्ग को आर्थिक रूप से अपने पांवों पर खड़ा करने की कोई स्थायी कोशिश नहीं की। अभी लोकसभा चुनाव में एक भी सीट न मिलने के बाद कहा कि मेरे समाज के लोग मेरे साथ रहें। मगर उनके लिए किया क्या यह कभी नहीं बताया। खाली दलित की बेटी कहने से दलितों की कोई मदद नहीं हो जाती है। दलित के पास कोई कृषि भूमि नहीं है। वह भूमिहीन श्रमिक है। उसे स्किल डेवलपमेंट, आर्थिक सहायता, पक्की दुकान जैसे मूलभूत ढांचे की जरूरत है।हमें कई बार बहुत आश्चर्य होता है कि दलित पिछड़े की बात करने वाले उस समाज के ही लोगों ने पिछले करीब चालीस साल से कई राज्यों में सरकार चलाई और इस दौरान सरकार, डेवलपमेंट अथारटी स्थानीय निकाय विभिन्न एजेंसियों ने बहुत सारे मार्केटों, कमर्शियल सेंटर का निर्माण किया। सैकड़ों हजारों दुकानें बनाईं मगर कहीं मोची के लिए, कपड़े प्रेस करने वाले के लिए, फूल बेचने वाले माली के लिए, सब्जी, फल बेचने वाले के लिए, छोटी चाय की दुकान चलाने वाले और खाने-पीने का छोटा स्टाल रखने वाले के लिए अलग से दुकानें निर्धारित नहीं कीं। उन्हें रियायती दरों, आसान किस्तों पर कार्नर पर दुकानें कहीं नहीं दीं।

अफसर तो यह काम करने नहीं देंगे। यह तो मुख्यमंत्रियों के विजन की इच्छाशक्ति का और सबसे बड़ी सोच का मामला था। अगर हर शहर में हर नए बने इलाकों में यह हो जाता तो देश के पिछड़े, दलितों की आर्थिक और सामाजिक स्थिति बदल जाती।

पता नहीं मायावती, पासवान और अन्य दलित नेता यह देखकर क्या सोचते थे जब बरसते पानी में, तेज धूप में, कड़कड़ाती सर्दी में एक छाते के नीचे वह मोची को बैठा हुआ देखते थे। सड़क पर उनके ठिकाने देखकर पता नहीं इनमें से कितने नेता, मुख्यमंत्री, मंत्री रुके। मगर राहुल गांधी रुक गए। उन्होंने मोची राम चैत की समस्या, उसका काम समझने की कोशिश की और उसने जो मदद मांगी थी वह अगले दिन ही पूरी कर दी।जैसा कि हमने ऊपर शुरू में लिखा यह चीजें व्यक्तिगत मदद करने से ठीक नहीं होंगी। आज तक नहीं हुई। यह सोच का मामला है। नीति बनाने उसे लागू करने का। गरीबी से ऐसे नहीं लड़ा जा सकता। भारत दुनिया के करीब 190 देशों में 142 वें स्थान पर है। गरीबी में। प्रति व्यक्ति की आय नहीं बढ़ रही है। उधर करीब एक हजार अरबपतियों की आय लगातार बढ़ती जा रही है।

सरकारी नौकरी नहीं, छोटे उद्योग धंधे नहीं। खेती में आय दुगनी करने के बदले और लागत बढ़ा दी है। घाटे का सौदा तो पहले ही थी अब अपमान की भी हो गई। आतंकवादी से लेकर मवाली सब कह दिया गया। देश में लोग रोजी रोटी के लिए दो ही साधनों पर निर्भर हैं। एक सरकारी नौकरी, दूसरे कृषि। दोनों की हालत खराब कर दी। और इन दोनों से ही गांव, कस्बों, शहरों में व्यापार-व्यवसाय चलता था। बाजार में खरीदारी दो ही वर्ग करते हैं। एक किसान और एक वेतन पाने वाला। जब इन दोनों के पास ही पैसा नहीं होगा तो बाजार काहे से चलेगा?राहुल ने फिर एक नई राह दिखाई है। आम मेहनतकश की आमदनी बढ़ाने की। राहुल हमेशा से कहते रहे हैं कि आम आदमी की जेब में पैसा डालो तो अर्थव्यवस्था चल जाएगी। उसके हुनर को निखारो। पहले आईटीआई, पोलोटेक्निक और दूसरे कई ऐसे संस्थान थे जो ट्रेनिंग देकर युवाओं को नौकरी के लिए तैयार करते थे। मगर अब बातें तो बहुत हैं। वहां क्या काम हो रहा है और वहां से निकलने के बाद कितने युवाओं को काम मिल रहा है यह किसी को पता नहीं।हेडलाइन बनाने के लिए बड़े चमकीले अंदाज में प्रधानमंत्री ने कह दिया कि देश को आईआईटी की जरूरत नहीं आईटीआई की है। क्या हुआ? अब आईआईटीयन भी बेरोजगार हैं।

संपादकीय

राज्य पुनर्गठन की मांग: विकास या सियासत?

पश्चिम बंगाल को फिर से विभाजित करने की मांग उठ रही है। इसके पहले 1905 में औपनिवेशिक शासनकाल के दौरान तत्कालीन वायसरॉय लॉर्ड कर्जन ने अविभाजित बंगाल प्रांत को विभाजित करने का प्रस्ताव रखा था। इस पहल के खिलाफ पूरे देश, खासकर बंगाल सूबे में जबर्दस्त आंदोलन उठ खड़ा हुआ था जिसके कारण अंग्रेजों को वह प्रस्ताव वापस लेना पड़ा था। %बंग भंग आंदोलन% के नाम से यह इतिहास के पन्नों में दज़् है। इसके बाद आजादी जब मिली तो सिंध प्रांत पूरा अलग हो गया और पंजाब के विभाजन के साथ ही इसी बंगाल का एक हिस्सा भी अलग होकर %पूर्वी पाकिस्तान% कहलाया। 1971 में भाषा के आधार पर हुए एक जनविद्रोह ने शेष पाकिस्तान से अलग होकर खुद को %बांग्लादेश% के नाम से पृथक राष्ट्र बना लिया। वैसे उधर झारखंड के विभाजन की मांग भी उठाई जा रही है। इन दोनों ही मांगों के पीछे विकास की मंशा कम और सियासत अधिक बतलाई जा रही है, जो दुर्भाग्यजनक है।

प. बंगाल के एक और विभाजन की मांग भारतीय जनता पार्टी की प. बंगाल इकाई के अध्यक्ष तथा केन्द्रीय राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने उठाई है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात कर उत्तरी बंगाल के 8 राज्यों को मिलाकर केन्द्र शासित राज्य (यूटी) बनाने का प्रस्ताव दिया है। उनके अनुसार इससे इस क्षेत्र का सिक्किम की तरह विकास करने में मदद मिलेगी। वह नॉर्थ इंडिया काउंसिल का हिस्सा बन जायेगा और उसे केन्द्रीय अनुदान का आवंटन हो सकेगा। मजूमदार चाहते हैं कि कूचबिहार, दार्जिलिंग, उत्तर दिनाजपुर, दक्षिण दिनाजपुर, जलपाईगुड़ी, अलीराजपुर, मालदा और कलिम्पोंग को मिलाकर यूटी बनाई जाये। यह मांग चाहे पश्चिम बंगाल के विकास के नाम से की गयी हो लेकिन इसके पीछे भाजपा का सियासी मकसद ही नज़र आता है। इसके कई कारण हैं। पहला तो यह कि 2021 में पूर्व केन्द्रीय मंत्री जॉन बारला और मजूमदार ने ही इस मांग को उठाया था परन्तु जब इस पर हो-हल्ला हुआ तो मजूमदार ने इस मांग से खुद को अलग कर लिया था।मजेदार बात तो यह है कि जहां एक ओर उत्तरी बंगाल के इन 8 जिलों को मिलाकर यूटी की मांग अब उठाई गयी है वहीं इसी इलाके के अलग-अलग हिस्सों को मिलाकर तीन राज्य बनाने की मांग उठती रही है। दार्जिलिंग में गोरखालैंड, कूचबिहार में ग्रेटर कूचबिहार और कामतापुरी की मांगें पुरानी हैं। सवाल यह उठ रहा है कि 10 वर्षों से केन्द्र में सत्ता होने के बाद भी भाजपा नेताओं ने यह काम क्यों नहीं कर लिया और यह मांग फिर से क्यों उठाई जा रही है? सुकांत अब राज्य मंत्री बन चुके हैं और सम्भवत~ वे मानते हैं कि अपने बढ़े हुए कद और वजन से वे यह काम करा सकते हैं। दूसरा सबसे बड़ा कारण है राज्य में तृणमूल कांग्रेस पार्टी की सरकार और विशेषकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का प्रभाव घटाना। इन जिलों में अनुसूचित जातियों व जनजातियों की बहुलता है। 2024 के लोकसभा चुनाव में इस क्षेत्र की 8 सीटों में से छह पर भाजपा को जीत मिली है। दूसरी तरफ उत्तर बंगाल की 54 विधानसभा सीटों में से सिर्फ 6 पर उसे जीत मिली थी। यहां टीएमसी का दबदबा है। अगर यह इलाका अलग राज्य के रूप में बनाकर राज्य के नक्शे से अलग हो जाता है तो ममता की ताकत काफी घट जायेगी।वैसे बता दें कि यह इलाका काफी संवेदनशील है क्योंकि इन जिलों की सीमाएं नेपाल, भूटान और बांग्लादेश से लगती हैं। यहां के कई संगठन उत्तरी बंगाल को अलग करने की मांग करते रहे हैं जिनके पीछे राजनीतिक शह बतलाई जाती रही है। राज्यों के विभाजन या पुनर्गठन से किसी को कोई उज्र नहीं हो सकता लेकिन देखना यह होगा कि ऐसा करने का उद्देश्य क्या है। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा के हाथों बड़ी पराजय पाने के बाद से ही टीएमसी को नेस्तनाबूद करने पर भाजपा तुली हुई है।

ममता विपक्षी गठबन्धन इंडिया का एक मजबूत पाया है और वह पीएम मोदी व केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को बराबर चुनौतियां देती रहती हैं। संसद के दोनों ही सदनों में जिस प्रकार से टीएमसी सत्ता के लिये सिरदर्द बनी हुई है उसके चलते ममता की शक्ति कम करने की दृष्टि से यह मांग उठाये जाने का पूरा अंदेशा है। कि इसको लेकर प. बंगाल के लोगों और टीएमसी सहित अन्य राजनीतिक दलों की क्या प्रतिक्रिया होती है।

केन्द्रीय बजट की शोभा बनीं रोजगार योजनाएं महज एक छलावा

भारतीय अर्थव्यवस्था एक महत्वपूर्ण चौराहे पर है, जहां सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि किसी भी तरह से रोजगार सृजन क्षमता को बढ़ावा नहीं दे रही है

लोगों की घटती क्रय शक्ति के कारण कुल मांग में लगातार गिरावट से उत्पादन से जुड़े मुनाफे की शुद्ध बिक्री और प्राप्ति में कमी आ रही है और इस तरह उत्पादन के प्रति निजी निवेश की भावना प्रभावित हो रही है। कॉरपोरेट आय वृद्धि को लगातार सट्टेबाजी की ओर मोड़ा जा रहा है। सरकार कॉरपोरेट्स को सब्सिडी दे सकती है लेकिन इन योजनाओं से अर्थव्यवस्था की स्थिति और लोगों की स्थिति और खराब होगी।

भारतीय अर्थव्यवस्था एक महत्वपूर्ण चौराहे पर है, जहां सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि किसी भी तरह से रोजगार सृजन क्षमता को बढ़ावा नहीं दे रही है। यहां तक कि सृजित नौकरियों में से 57.3प्रतिशत स्वरोजगार वाले हैं, 18.3 प्रतिशत अवैतनिक घरेलू कामगार हैं और 45प्रतिशत से अधिक कृषि में कार्यरत हैं। मार्च 2020 में शुरू की गई उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार पैदा करने में पूरी तरह विफल रही और आश्चर्यजनक रूप से भारत की साल-दर-साल विनिर्माण उत्पादकता 2022-23 में 2.38 प्रतिशत गिर गई। दूसरी ओर मोदी सरकार की ओर से प्रोत्साहन और कई अन्य लाभकारी लाभों के कारण, भारत की सूचीबद्ध कंपनियों ने 2023-24 में 10.1 प्रतिशत की दर से भारी शुद्ध लाभ कमाया, जो 2007-08 के बाद से सबसे अधिक है।

यह सरकारी खजाने से धन की हेराफेरी कर निजी क्षेत्र को देने का प्रमाण है, जो रोजगार सृजन के नाम पर किया गया था, परन्तु वास्तविक बेरोजगारी बढ़ी और रोजगार की गुणवत्ता घटी। मोदी सरकार तो घर के काम में सहयोग करने वालों को,तथा जिन्हें सप्ताह मेंए क घंटे का काम मिला उन्हें भी रोजगार प्राप्त लोगों में गिन कर बेरोजगारी की दर कागजों में घटा ली है, जो अनेक धोखाधड़ियों में महज चुनिंदे उदाहरण हैं।

अब आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था को बढ़ते कार्यबल की जरूरतों को पूरा करने के लिए गैर-कृषि क्षेत्र में सालाना औसतन लगभग 78.5 लाख नौकरियां पैदा करने की सख्त जरूरत है।इस गंभीर रोजगार संकट और लोकसभा चुनाव अभियान में इस मुद्दे के ज्वलंत विषय बनकर उभरने के मद्देनजर, अनेक लोगों ने सोचा होगा कि तीसरी मोदी सरकार का पहला केंद्रीय बजट रोजगार सृजन और नये रोजगार के अवसर पैदा करने पर विशेष ध्यान देगा। हालांकि, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया गया 2024-25 का केन्द्रीय बजट औपचारिक क्षेत्र में रोजगार पैदा करने के खोखले और भ्रामक उपायों के लिए उल्लेखनीय है, जबकि सार्वजनिक धन को कॉरपोरेट्स को उदारतापूर्वक बांटा गया है।

वित्त मंत्री ने रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन (ईएलआई) योजनाओं की एक श्रृंखला की घोषणा की है, जिसने कॉरपोरेट पंडितों के बीच काफी चर्चा पैदा की है। योजना-ए, सभी नियोक्ताओं पर लागू है, जबकि योजना- बी और योजना- सी विशिष्ट श्रेणियों के लिए हैं।

योजना- ए के अनुसार, यदि कोई नियोक्ता किसी नये कर्मचारी की भर्ती करता है या किसी गैर-सूचीबद्ध कर्मचारी को कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) में सूचीबद्ध करता है, तो सरकार कर्मचारी के एक महीने के वेतन का भुगतान तीन किस्तों में 15,000 रुपये तक करेगी। इसका मतलब है कि सरकार नियोक्ता को उसके देय वार्षिक वेतन हिस्से का बारहवां हिस्सा सीधे सब्सिडी देने जा रही है।विनिर्माण क्षेत्र के नियोक्ता, जो कम से कम 50 नये गैर-ईपीएफओ कर्मचारियों को काम पर रखते हैं, योजना- बी के लिए पात्र होंगे। इस योजना में, सरकार ईपीएफओ में कर्मचारियों और नियोक्ताओं के हिस्सों का भुगतान करेगी, जिसका भुगतान वेतन घटक के 24प्रतिशत के रूप में सीधे जनता के पैसे से की जायेगी।योजना - सी के अनुसार, कोई भी कंपनी जो 2 से 5 नये कर्मचारियों की भर्ती करती है, उसे प्रति माह 3,000 रुपये तक का ईपीएफओ नियोक्ता अंशदान प्राप्त होगा। स्पष्ट रूप से, सरकार सरकारी खजाने से वेतन घटक का 32.33 प्रतिशत तक सब्सिडी देगी।

सबसे नुकसानदेह तथ्य यह है कि इस योजना का लाभ उठाने के लिए कंपनियों को हर साल नये कर्मचारियों की भर्ती करनी होगी। इसका मतलब यह है कि पहले साल में भर्ती किये गये कर्मचारी एक साल पूरा होने के बाद निश्चित अवधि के लिए काम पर रखे जायेंगे और बाहर निकाल दिये जायेंगे और ये योजनाएं सरकारी सब्सिडी का लाभ उठाने के लिए छंटनी को बढ़ावा देंगी।एक और झटका इंटर्नशिप नीति है, जहां सरकार ने शीर्ष 500 सबसे अधिक मुनाफाखोर कंपनियों को अपने पूरे उत्पादन और सेवाओं को इंटर्न/प्रशिक्षुओं के साथ चलाने की अनुमति दे दी है। सरकार 5,000 रुपये के मासिक वजीफे और 6,000 रुपये की एकमुश्त सहायता का बोझ उठायेगी और बाकी प्रशिक्षण लागत कंपनी के सीएसआर फंड से ली जा सकती है।

कॉर्पोरेट समर्थक सरकार इस कुख्यात योजना से रोजगार संबंधों को एक नाजुक दिशा की ओर ले जायेगी, जहां स्वचालन और प्रौद्योगिकी के अत्याधुनिक ज्ञान और तेजी से सीखने के कौशल के साथ नये इंटर्न बैचों पर उत्पादन प्रक्रिया की पूरी मुख्य जिम्मेदारी का बोझ डाला जायेगा। उत्पादन की प्रक्रिया से पुराने बैचों की जगह लेने के लिए हर साल बेरोजगार या व्यावसायिक रूप से शिक्षित युवाओं की विशाल रिजर्व सेना कारखानों के गेट पर इंतजार करेगी।सरकारी खजाने से निजी खजाने में पैसे की इस तरह की हेराफेरी से बेरोजगारी की समस्या का रत्ती भर भी समाधान नहीं होगा। उत्पादन से जुड़े मुनाफे को बढ़ाने का तरीका इसमें अवैतनिक श्रम घटक को बढ़ाना है और इम्पलॉयमेंट लिंक्ड इंटेंसिव (ईएलआई) और इंटर्नशिप योजनाएं मोदी सरकार द्वारा कॉरपोरेट्स के लिए मुफ्त श्रम को सौंपने का एक जानबूझ कर किया गया प्रयास है।लोगों की घटती क्रय शक्ति के कारण कुल मांग में लगातार गिरावट से उत्पादन से जुड़े मुनाफे की शुद्ध बिक्री और प्राप्ति में कमी आ रही है और इस तरह उत्पादन के प्रति निजी निवेश की भावना प्रभावित हो रही है। कॉरपोरेट आय वृद्धि को लगातार सट्टेबाजी की ओर मोड़ा जा रहा है। सरकार कॉरपोरेट्स को सब्सिडी दे सकती है लेकिन इन योजनाओं से अर्थव्यवस्था की स्थिति और लोगों की स्थिति और खराब होगी।

बाथ टब में नहाओ

जब बच्चे बाथ टब में नहाते हैं तो सभी को अच्छा लगता है। आप भी अपने बच्चो को बाथ टब में नहलाइये फिर देखिए कितना आनंद आता है।

बच्चों को अगर पानी मिल जाए तो बात ही क्या है। ऐसा कोई बच्चा नहीं होता जिसे पानी में छई-छप-छई करना अच्छा नहीं लगता। समय के अभाव में हम सभी को रोज-रोज बच्चों को वॉटर पार्क ले जाने का भी समय नहीं निकलता। ऐसे में बच्चों के फेवरेट कार्टून कैरेक्टर में अगर पानी के बड़े-बड़े टब मिल जाएं तो क्या कहने। इससे खेलने का खेलना भी हो जाता है और बाहर भी नहीं निकलना पड़ता। यह बाथिंग टब आपको कहीं भी मिल जाएंगे। इन दिनों बच्चों के रंगीन बाथिंग टब को आप सड़क किनारे कहीं भी देख सकते हैं। इन रंगीन टब को देखते ही बच्चों के चेहरे खिल जाते हैं।

बाथ टब के फायदे

बाथ टब में नहाने से एक तो बच्चों को पानी में छपा-छई करने का मौका मिलता है वहीं दूसरी ओर अपने फेवरेट कार्टून केरेक्टर के साथ खेलने का भी। एक तरह से यह मिनी स्विमिंग पुल होता है। बाथ टब में नहाकर छोटे बच्चे घर में ही वॉटरपार्क का लुत्फ उठा सकते हैं। बाजार में आपको बाथ टब 400 रुपए के शुरुआती दाम से 1500 रुपए तक की कीमत में आसानी से मिल जाएगा। घर में यह टब होने से आपके बच्चे मनभर कर पानी खेल सकते हैं। इन टब को आप अपने घर के स्पेस के अनुसार खरीद सकते हैं। साथ ही फोल्डेबल होने पर इन्हें आप उठा कर रख भी सकते हैं।

क्या आप जानते हैं?

मधुमक्खी के एक छत्ते में 20,000 से 80,000 तक मधुमक्खियां हो सकती हैं।

चंदबरदाई को हिन्दी का पहला कवि और उनकी रचना पृथ्वीराज रासो को हिन्दी की पहली रचना होने का गौरव प्राप्त है।

दुनिया में चीनी का वार्षिक उत्पादन 13.4 मीट्रिक टन होता है जब कि नमक का 21 करोड़ टन, यानी चीनी से डेढ़ गुना ज्यादा।

नील नदी की लंबाई (650 किलोमीटर) पृथ्वी की त्रिज्या (6400 किलोमीटर) से भी अधिक है। अभी नए अनुसंधानों से पता लगा है कि आमेजन इससे भी ज्यादा लंबी नदी है।

भारतीय मसालों के लोकप्रिय निर्माता और निर्यातक प्रतिष्ठान एमडीएच का पूरा नाम महाशियां दी हट्टी है।

संयुक्त अरब अमीरात की जनसंख्या में प्रवासी नागरिकों का प्रतिशत 85 है, जिनमें 40 प्रतिशत लोग भारतीय हैं।

कर्नाटक के हरिहर नगर स्थित हरिहरेश्वर मंदिर की प्रतिमा आधी विष्णु और आधी शिव के रूप में हैं।

तेनाली राम के किस्से

जासूस सेवक

राजा कृष्णदेव की सेना ने कई राज्यों को अपने अधीन कर लिया था। उनके वर्चस्व से घबराकर बीजापुर के सुल्तान ने अपने एक सेवक को जासूस बनाकर विजयनगर भेजा। उस जासूस की योजना थी कि राजमहल में ही राजा की हत्या कर दी जाए। इसके लिए ब्राह्मण का भेष धरा। राजमहल में दरबार लगा था। तिलकधारी ब्राह्मण धारा-प्रवाह संस्कृत के श्लोकों से सभी को प्रभावित कर रहा था। कृष्णदेव तो इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने ब्राह्मण को अपने महल में ही ठहरने का स्थान दे दिया। तेनाली को यह सब उचित नहीं लगा। वे उस समय तो कुछ नहीं बोला मगर उस ब्राह्मण पर नजर रखने लगा। कुछ ही दिनों में तेनाली को ऐसा संकेत मिल गया कि वह ब्राह्मण राजा के विषय में व्यक्तिगत जानकारियां ले रहा है। तेनाली ने राजा को सचेत किया। एक बार ब्राह्मण की अनुपस्थिति में उसके कमरे की सफाई करते समय तेनाली भी वहां मौजूद था। उसने देखा और पूरा विश्वास हो गया कि यह ब्राह्मण के भेष में कोई जासूस है। तेनाली ने राजा से कहा-महाराज! ब्राह्मण, ब्राह्मण नहीं है।' राजा ने पूछा-'क्या मतलब?' 'यही कि महाराज यह कोई अन्य धर्म का मानने वाला है। यह आपसे छल कर रहा है,' तेनाली बोला। 'यदि तुम यह सिद्ध कर दो तो तुम्हें पुरस्कार मिलेगा', राजा ने कहा। उसी दिन तेनाली और राजा ने रात के समय उस ब्राह्मण के कमरे में प्रवेश किया। एक सैनिक भी उनके साथ था जिसके हाथ में गरम पानी की बाल्टी थी। तेनाली के आदेश पर सैनिक ने गरम पानी की बाल्टी को ब्राह्मण पर उड़ेल दिया। वह लगा उछलने और 'अल्लाह-अल्लाह' चिल्लाने लगा। राजा समझ गए यह बीजापुर के सुल्तान का जासूस है जो भेष बदलकर यहां छिपा हुआ था। राजा को देखते ही जासूस ने उन पर वार किया जिसे राजा के सैनिक ने अपनी तलवार पर रोक लिया। राजा ने एक ही वार से जासूस का वध कर दिया। अगली प्रातः पूरे नगर में चर्चा थी कि तेनाली के कारण राजा की जान बच गयी।

इन बातों का रखो ध्यान

तुम किसी के भी घर जाते हो तो सबसे पहले वहां के लोग तुम्हारी एक्टिविटीज से तुम्हारे बेसिक मैनर्स को समझ जाते हैं। तभी तो कई लोगों को तुमने कहते सुना होगा कि वह बच्चा कितना समझदार है, उसके पेरेंट्स ने उसे कितने अच्छे मैनर्स सिखाएं हैं। इसलिए यह जरूरी है कि तुम्हें भी सभी बेसिक मैनर्स आएं, जिससे सब तुम्हारी और तुम्हारे मम्मी-पापा की तारीफ करें। तो कहीं भी जाओ, इन बातों का ध्यान रखो-

अगर किसी के कमरे का दरवाजा बंद है तो पहले दरवाजे पर नॉक करो और जवाब आने का इंतजार करो, फिर ही कमरे में घुसो।

अगर तुम्हें किसी से कुछ लेना है तो पहले सामने वाले से पूछो। खुद से उस वस्तु को मत उठा लो। हां, उसे वह चीज वापस करने का वादा भी करो। इस बात का भी ध्यान रखना कि टाइम पर चीज को वापस कर दो।

किसी की परमिशन के बिना उसकी पर्सनल चीजों को मत छेड़ो या खोलकर देखो। ये बहुत ही बुरी आदत मानी जाती है।

किसी की डायरी या खत मत पढ़ो।

घर की बातों को घर में ही रखो। अगर मम्मी-पापा के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई है या घर का बिजनेस ठीक नहीं चल रहा है या आपका भाई पढ़ने में अच्छा नहीं है, इस तरह की बातों को दूसरे के सामने मत बोलो।

सबसे जरूरी है कि अपना काम खुद ही करो। बाथरूम, टॉयलेट, किचन और टीवी रूम से निकलने से पहले उसे पहले की तरह साफ करके निकलो। पूरे घर में जूठे बर्तन मत फैलाओ। अपनी भीगी तौलिया खुद धूप में डालो।

पब्लिक प्लेस पर किसी का मजाक मत उड़ाओ। इससे सामने वाले को बहुत दुख होता है। मजाक उड़ाने से पहले ये जरूर सोचो कि अगर कोई तुम्हारा मजाक बनाएगा तो तुम्हें कैसा लगेगा।

मिक्की और डोनाल्ड सिखाएंगे अंग्रेजी

डिजनी के फेमस कार्टून कैरेक्टर मिक्की माउस और डोनाल्ड डक अब सिर्फ बच्चों का मनोरंजन ही नहीं करेंगे, बल्कि उन्हें शिक्षा भी देंगे। मिक्की माउस और डोनाल्ड डक को चीन के बच्चों को अंग्रेजी सीखाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। फेवरेट कार्टून कैरेक्टर के जरिए हर साल तकरीबन डेढ़ लाख बच्चों को अंग्रेजी सिखाने का लक्ष्य रखा गया है। डिजनी पब्लिशिंग वर्ल्डवाइड के रसेल हैम्पटन ने बताया कि कार्टून कैरेक्टर से अंग्रेजी सिखाने का फंडा काफी लाभदायक साबित हो रहा है। दुनिया भर में चीन में सबसे अधिक अंग्रेजी शिक्षण के प्राइवेट सेक्टर खुल रहे हैं। इसलिए प्रारंभिक तौर पर चीन के बच्चों को कार्टून कैरेक्टर के माध्यम से अंग्रेजी सिखाने का प्रोजक्ट शुरू किया गया है। अंग्रेजी के बढ़ते चलन के कारण बच्चों को इसका ज्ञान देना पैरेंट्स के लिए जरूरी हो गया। आमतौर पर अंग्रेजी के ट्यूशन पर काफी खर्चा आता है और इसके साथ ही बच्चों को घर से बाहर भी जाना पड़ता है, लेकिन अब कार्टून कैरेक्टर के जरिए बच्चे बिना किसी खर्च के घर बैठे अंग्रेजी सीख पाएंगे। इससे बच्चों और उनके पैरेंट्स दोनों को काफी सहूलियत होगी।

कृत्रिम पत्ती बनाएगी बिजली

मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों के दल ने सिलिकॉन, इलेक्ट्रॉनिक्स, निकल और कोबाल्ट जैसे विभिन्न उत्प्रेरकों की सहायता से एक ऐसी कृत्रिम पत्ती का निर्माण किया है, जो सूरज की रोशनी और पानी से ऊर्जा पैदा करती है।

दरअसल, यह पत्ती सूरज की रोशनी का इस्तेमाल करके पानी को उसके घटकों हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में तोड़ देती है, जिनका इस्तेमाल बिजली पैदा करने में किया जा सकता है। इन पत्तियों की सहायता से भारत जैसे विकासशील देश में एक घर की प्राथमिकता जरूरत भर की बिजली पैदा की जा सकती है।

जरूरत की बिजली

इस दल का लक्ष्य अब कम से कम कीमत वाला एक ऐसा उपकरण बनाने का है, जिसे कोई भी अपने घर की छत पर या आसपास लगाकर प्राथमिक जरूरत की बिजली प्राप्त कर सके। जापान में सुनामी आने के बाद जिस तरह परमाणु विकिरण फैला, उससे सभी देशों में परमाणु संयंत्रों के खतरे को लेकर चीख पुकार मची हुई है और जर्मनी जैसे देशों ने तो परमाणु संयंत्रों की स्थापना को लेकर अपने कान पकड़ लिए है। इस पृष्ठभूमि में नई खोज एक वरदान की तरह सामने आई है।

खतरा भी ज्यादा

कोयले के भंडारों के कम होने और जल विद्युत के उत्पादन से होने वाले नुकसान, बल्कि पर्यावरणीय खतरे को ध्यान में रखते हुए दुनिया परमाणु ऊर्जा के विकल्प की ओर गई है, जो अपेक्षा स्वच्छ मानी जाती है, लेकिन इसका खतरा सभी तरह से ऊर्जा के मुकाबले कही ज्यादा है। ऐसे में सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा जैसे वैकल्पिक स्त्रोतों पर दुनिया भर में ध्यान दिया जा रहा है।

बदल जाएगी किस्मत

कृत्रिम पत्ती के जरिए इस तरह वैकल्पिक ऊर्जा तैयार करने से दुनिया की किस्मत बदल जाएगी और तेज गति से आर्थिक विकास कर रहे भारत और चीन को तो सुदूर बसे अपने गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दृष्टि से खास फायदा होगा। तब गांव-कस्बे के हर घर का अपना पावर-हाउस होगा। आकाश में बिजली के तड़कने से ही इतनी बिजली पैदा होती है कि दुनिया को उसका संरक्षण करना आ जाए तो वर्षों तक बिजली की कमी नहीं रहेगी।

स्लीप एपनिया से हो सकता है दिल को खतरा

नई दिल्ली (एसएनबी)। स्लीप एपनिया नींद का एक विकार है जिसमें सांस में रुकावट आने से नींद टूट जाती है। इससे पीड़ित गंभीर व्यक्ति की एक घंटे में पांच से तीस बार सांस रुक सकती है। हर पांच में से एक वयस्क मध्यम स्लीप एपनिया से पीड़ित होता है। यह महिलाओं की तुलना में पुरुषों को ज्यादा प्रभावित करता है। सबसे आम समस्या ऑबस्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया है, जिसमें छाती के ऊपरी हिस्से और गर्दन पर वजन पड़ने से सांस में रुकावट पैदा हो जाती है और नींद खुल जाती है।

- 83 फीसदी दिल के रोगियों को होता है इसका खतरा
- नींद की कमी हो सकती है गंभीर दिल के रोगों का कारण
- हर पांच में से एक वयस्क मध्यम स्लीप एपनिया से पीड़ित होता है

इन बातों का रखें ध्यान

कसरत: दिन में नियमित रूप से 30 मिनट कसरत करें, लेकिन रात में सोने से पहले कसरत न करें।

शराब : शराब का सेवन कम से कम करें, ज्यादा शराब नींद में रुकावट बनती है।

कैफीन : सोने से पहले कैफीन का सेवन ना करें।

नींद से पहले : सोने से पहले गर्म पानी से नहाना, रोशनी कम करना और हर्बल चाय पीने जैसी आदतें डालें।

रहे एलर्ट : आईएमए के राष्ट्रीय अध्यक्ष इलेक्ट डॉ. केके अग्रवाल ने बताया कि समय के साथ नींद पूरी ना होने की वजह से दिल के रोगों की समस्या का खतरा बढ़ सकता है। थोड़े समय के लिए नींद की कमी से हाई कोलेस्ट्रोल, हाई ट्रिग्लिसेराईड्स और हाई ब्लड प्रेशर का कारण बन सकती है। स्लीप एपनिया में ऑक्सीजन का स्तर कम हो जाता है और दिमाग तुरंत सांस लो का संदेश भेजता है। जिससे सोते हुए व्यक्ति की नींद खुल जाती है और वह गहरी सांस लेने लगता है। इस दौरान वही नाड़ी तंत्र सक्रिय हो जाती है जो गुस्से या डर के समय सक्रिय होती है। दिल की धड़कन और ब्लड प्रेशर बढ़ जाते हैं, जिससे अन्य समस्याओं के साथ दिल में जलन और ब्लड क्लॉटिंग जैसी समस्या हो सकती है।

ऑक्सीजन की कमी : ''इंडियन हार्ट फाउंडेशन' के अध्यक्ष डॉ. आरएन कालरा ने कहा कि स्लीप एपनिया में सांस में रुकावट इस लिए आती है क्योंकि शरीर में ऑक्सीजन का स्तर कम हो जाता है और दिमाग को चेतावनी देने वाले तत्व चेतन हो जाते हैं। फिर दिमाग इस कमी को पूरा करने के लिए तेजी से काम करने लगता है। समस्या यह है कि यह पप्राली दिन में भी काम करती है जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है जो कि दिल के रोगों, स्ट्रोक, हार्ट अटैक और अन्य गंभीर समस्याओं का कारण बनता है।

दबाव थेरेपी : लगातार सकारात्मक हवा मार्ग दबाव थेरेपी मरीज के लिए मद्दगार साबित हो सकती है और गंभीर स्वास्थ्य समस्या होने से बचा सकती है। इस पद्धति का नियमित रूप से हर रात प्रयोग करने से यह दिल पर दबाव कम करती है। अगर आप में ''आर्टियल फिबिर्लेशन' की समस्या हो तो यह पद्धति अनियिमित धड़कन को संतुलित करने में भी मदद कर सकती है।

ज्यादा कॉफी पीना पिता बनने में हो सकता है बाधक

एक दिन में 200 मिली ग्राम से ज्यादा कॉफी पीने से शरीर में एस्ट्रोजन का उत्पादन बढ़ जाता है। एस्ट्रोजन का स्तर बढ़ने से महिला और पुरुषों दोनों में प्रजनन संबंधी विकार और नपुंसकता पैदा होती है। कामकाजी लोगों के कॉफी, चाकलेट और कोला एक मजबूत तनावरोधी का काम करते हैं और युवा पीढ़ी खासतौर से उत्तेजना के लिए इनका इस्तेमाल करती है, लेकिन जब इसकी तलब लत में बदल जाती है तो यह नपुंसकता पैदा करने लगता है। एक विशेषज्ञ का कहना है कि बहुत ज्यादा कॉफी पीने से पुरुषों की प्रजनन क्षमता प्रभावित होती है. जो पुरुष रोजाना दो कप या उससे ज्यादा कॉफी पीता है उसमें बाप बनने की संभावना बहुत कम होती है। जबकि लड़कियों में कैफीन फेलोपियन ट्यूब में पेसमेकर कोशिकाओं की प्रणाली को बाधित कर देता है.ये कोशिकाएं ट्यूब संकुचन का काम करती हैं और अंडों को ट्यूब में नीचे जाने से रोकती है। लेकिन जब महिलाएं बहुत ज्यादा कैफीन लेती हैं। उन्हें गर्भधारण करने में कैफीन नहीं लेनेवालों की अपेक्षा ज्यादा समय लगता है.इसलिए, अगर आप कुछ महीनों से परिवार को बढ़ाने की तैयारी में लगे हैं, लेकिन सफलता नहीं मिल रही है तो चाय, कॉफी, कोला और कोकोआ में पाए जानेवाले कैफीन की मात्रा कम से कम ले, खासतौर पर तब जब आप रोजाना 200 मिली ग्राम से ज्यादा कैफीन का उपभोग कर रहे हों।

एक अन्य विशेषज्ञ का कहना है कि कैफीन की ज्यादा मात्रा का सेवन करने वालों को प्रजनन संबंधी समस्याओं से लेकर गर्भपात तक की समस्या हो सकती है। इसलिए महिलाओं को उन खाने-पीने की उन चीजों का कम सेवन करना चाहिए, जिसमें ज्यादा मात्रा में कैफीन पाया जाता है, खासतौर पर जब वे गर्भधारण की अवस्था में हो या गर्भधारण करने की कोशिश कर रही हों। विशेषज्ञ कि गर्भवती महिलाओं को न सिर्फ कैफीन के सेवन से बचना चाहिए, बल्कि इसकी जगह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक चीजों जैसे शराब या चीनी से भरपूर सॉफ्ट ड्रिंक आदि से भी बचना चाहिए।

रात को ज्यादा रोशनी भी नींद न आने की वजह

अगर आपके आस-पड़ोस में रात में खूब रोशनी रहती हो तो आप अच्छी तरह सो नहीं पाएंगे, जिससे दिन में भी आपकी कार्यक्षमता प्रभावित होगी। एक नए शोध में इसकी जानकारी मिली है। कनाडा के वेंकुवर में 68वें अमेरिकन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी में अप्रैल 2016 में इस शोध को प्रस्तुत किया जाएगा जो रात में रोशनी से नींद प्रभावित होने के बारे में की गई है कैलिफोर्निया की स्टैनफोर्ड यूनिर्वसटि के शोधकर्ता मौरिस ओहैयन ने बताया, ''हमारी दुनिया 24 घंटे काम करने वाला समाज बन गया है। हम बाहर खूब उजाला रखते हैं जैसे स्ट्रीट लाइटों के माध्यम से ताकि हमें कामकाज में आसानी हो और सुरक्षा का मसला भी है।' ओहैयन ने बताया, ''चिंता की बात यह है कि हमने अपने आसपास अंधेरे के आवरण को कम कर दिया है जिससे हमारी नींद प्रभावित हो रही है।'

ग्रामीण इलाकों और छोटे शहरों की तुलना में बड़े शहरों के लोग तीन से चार गुना अधिक रात के प्रकाश में रहते हैं। इस शोध के लिए 15 हजार 863 लोगों का फोन द्वारा 8 सालों तक सर्वेक्षण किया गया, जिसमें निद्रा से जुड़ी आदतों और नींद की गुणवत्ता जैसे सवाल किए गए थे। निष्कर्षों के अनुसार, कम प्रकाश में रहने वाले लोगों की तुलना में जो लोग अधिक प्रकाश में रहते थे वह नींद की कमी से ग्रसित थे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आगम प्रभावित होगा। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। शुभांक-4-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें। शुभांक-3-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शनै:-शनै: स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक-2-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-4-6-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कामकाज की व्यस्तता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-3-5-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-4-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-5-6-8

लॉफिंग ज़ोन

एक शराबखोर पति अपने क्लब की मीटिंग में गया हुआ था। आधी रात बितने के बाद घर पहुँचा तो पत्नी ने उसका आदर के साथ स्वागत किया। इससे पति खुश हो गया और बोला- पता है! आज क्लब में शराब की प्रतियोगिता हुई थी।

पत्नी- अच्छा तो पहले नंबर पर कौन रहा?

पति बोला- मेरे अलावा कौन जीत सकता था भला।

□ □ □

एक शादीशुदा शायर की मुलाकात अपनी पुरानी गर्लफ्रेंड से हुई। शायर ने कहा- मुलाहिजा फरमाएँ : ये चाँद तारे अब अच्छे नहीं लगते, रोज-रोज के बहाने अब अच्छे नहीं लगते। खुदा करे इस साल हो जाए आपकी शादी, क्योंकि अब आप कुँवारे अच्छे नहीं लगते।

गर्लफ्रेंड ने कहा- वाह वा..! वाह वा...! क्या आप करेंगे मुझसे शादी।

□ □ □

गीता अपनी सहेली सीता से बोली- पता है मेरे पति के अलावा आज तक किसी गैरपुरुष ने मुझे एक किस तक नहीं किया।

सीता- अरे वा! तो तुम खुद पर गर्व कर रही हो या अफसोस?

□ □ □

काकुरो पहेली - 5026

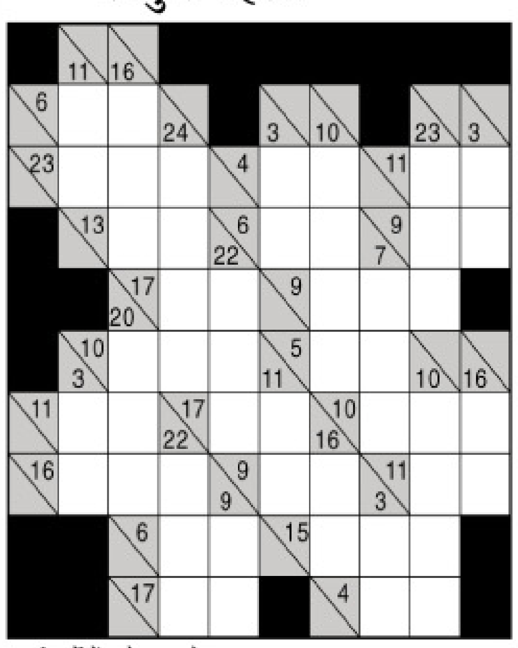

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

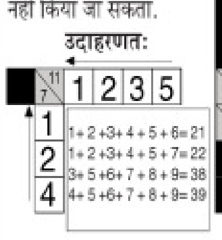

काकुरो - 5025 का हल

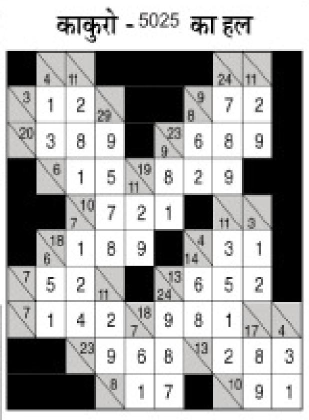

फिल्म वर्ग पहेली- 5026

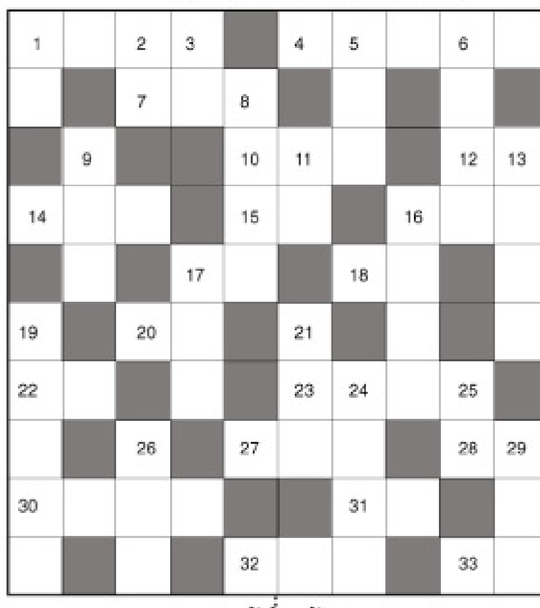

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं कहीं कवि न बन जाऊं' गीत वाली धर्मेन्द्र, वैजयंती की फिल्म-२,१,२
७. राहुलराय, दीपक तिजोरी, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१०. 'वो लम्हे वो बातें' गीत वाली इमरान हाशमी, उदिता, शमिता की फिल्म-३
१२. 'अमूल स्टार वॉइस ऑफ इंडिया' का एंकर कौन है?-२
१४. 'मोरनी रे मोरनी मैं' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
१५. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, सीमा की 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आँखों में तू होठों में तू' गीत वाली जिमी शेरगिल, शेनाज की फिल्म-३
१७. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की 'बंद होठों से जो' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'पहली बारिश मैं और' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२०. संजय, शरद, मनीषा की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दिल विच तेरा ही खयाल' गीत वाली अमिताभ, अक्षय की फिल्म-२
२३. संजयदत्त, माधुरी, की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२७. संजीवकुमार, जया की फिल्म-३
२८. सलमान खान, स्नेहा की 'सुन जरा सोनिये सुन जरा' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'लड़के ने लड़की को देखा' गीत वाली गोविंदा, जूही की फिल्म-४
३१. 'चल प्रेमनगर जाएगा बतला ओ' गीत वाली फिल्म-२
३२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
३३. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'सुहानी चाँदनी रातें' गीत वाली संजीव, शशि, विद्यासिन्हा, बिंदिया की फिल्म-२
२. रितिक रोशन, करिश्मा कपूर की 'मैं नाचूं बिन पायल' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
५. विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी की 'ये कैसी लगी अगन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ये कैसा गम सजना' गीत वाली सुनीलदत्त, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-२,२
८. अमिताभ, परवीन की 'देख सकता हूँ मैं कुछ भी होते हुए' गीत वाली फिल्म-४
९. देव आनंद, उषा किरण की फिल्म-३
११. अमिताभ, रजनीकांत, गोविंदा, किमी की 'बम चिकी चिकी' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हम से तुम दोस्ती कर' गीत वाली सनी देओल, डिम्पल की फिल्म-४
१६. संजीवकुमार, सुलक्षणा की 'सुबह और शाम काम ही' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-३
१९. नवीन निश्चल, रेखा की 'कान में झुमका चाल में ठुमका' गीत वाली फिल्म-३,२
२१. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२४. अनिल धवन, रेहाना की 'दिल बेचैन रहा तुम बिन' गीत वाली फिल्म-२,२
२५. 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
२६. ऋषिकपूर, शाहरुख, दिव्या की फिल्म-३
२९. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 5025

सूडोकु -5026

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 5025 हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्द पहेली - 5026

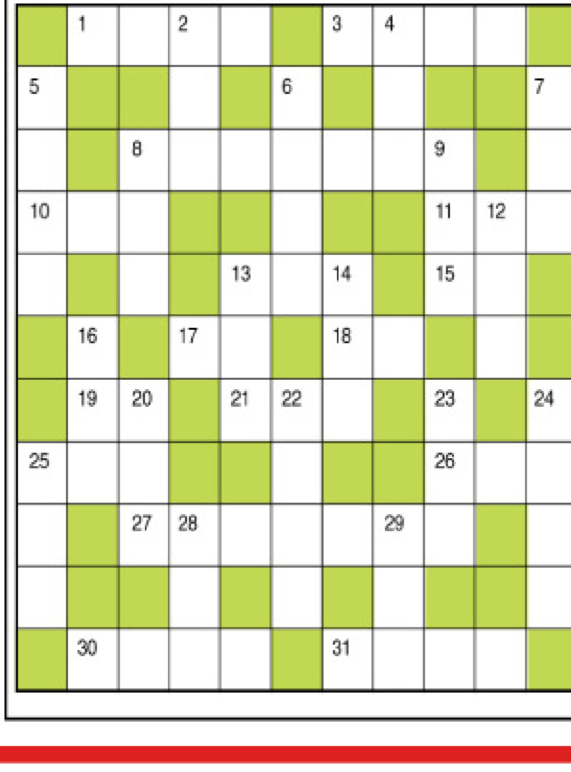

बाएँ से दाएँ

1.मरघट,कब्रिस्तान-4
3.पागल,बुद्धिहीन-4
8.भगवान,ईश्वर,खुदा-7
10.डांटना,दुत्कार-3
11.तरुण,किशोर-3
13.ओट,घूँघट-3
15.तपस्या-2
17.पराया,अजनबी-2
18.आनंद,मौज-2
19.सूर्य,भास्कर-2
21.चिंतन,सोच विचार-3
25.वेणी,फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26.वैद्य-3
27.आभास करना-4,3
30.शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31.युद्धघोष,आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2.कवि,गजलकार-3
4.भारत का झंडा-3
5.ईश्वर,भगवान-4
6.गुरुवार-4
7.दुर्ज,पापी,भूत-3
8.शरण,आश्रय-3
9.चांदी-3
12.उत्तराधिकारी-3
13.उत्कृष्ट,प्रधान-3
14.आंचल-3
16.कमल-3
20.रुकना,अंत, ठहराव-3
22.उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23.बर्दाश्त करना, निभाना-3
24.आय, कमाई-4
25.उष्णा-3
28.पराजित करना-3
29.उपपत्नी,दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली 5025 का हल

भगवान भरोसे चल रहा है रेलवे : राजद

एजेंसी

पटना। देश में हो रहे ट्रेन हादसे को लेकर राजद नेता शक्ति सिंह यादव ने केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि 'रेलवे भगवान भरोसे चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिर्फ ट्रेन को हरी झंडी दिखाते हैं। शक्ति सिंह यादव ने कहा कि देश में ट्रेन हादसा लगातार बढ़ रहा है। हाल के महीने में घटनाओं में इजाफा हुआ है। आम आदमी रेल में सफर करता है, लेकिन अब रेल का सफर खतरे से खाली नहीं रह गया है। देश की हुकूमत को रेलवे पर कोई विशेष ध्यान नहीं है। सुरक्षा की दृष्टि से अलग से बजट का प्रावधान नहीं किया जा रहा है। धीरे-धीरे रेल सेक्टर को कमजोर कर दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि रेलवे के अधिकारी तकनीकी पहलुओं पर जो अपनी राय देते हैं, उन्हें भी नजरअंदाज कर दिया जाता है। उड़ीसा रेल हादसे को याद करते हुए राजद ने कहा कि उस हादसे के पहले ही रेलवे अधिकारियों ने सुरक्षा के पहलुओं पर संज्ञान लेने की बात कही थी। रेल मंत्री कोपभवन में बैठकर अपना काम करते हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिर्फ ट्रेन को हरी झंडी दिखाते हैं। रेलवे भगवान भरोसे चल रहा है। रेल का अब कोई मालिक ही नहीं बचा है। तेज रफ्तार की 18 से 20 बोगियों वाली लग्जरी ट्रेन तितर-बितर हो जाती है। आने वाले कल में क्या होगा ? आम आदमी इस डर से सफर करना बंद कर देगा कि रेलवे में अब सुरक्षा सुनिश्चित नहीं रह गई है।

दिल्ली के बाद नोएडा में भी कोचिंग सेंटर्स में मिली गड़बड़ी, कई सील

नोएडा । दिल्ली में कोचिंग सेंटर में हुए हादसे के बाद अब नोएडा में भी जिला प्रशासन ने एक कमेटी का गठन कर कोचिंग सेंटर्स का निरीक्षण शुरू कर दिया है। इस दौरान कई कोचिंग सेंटर्स में खामियां पाई गई हैं। जिनके अंदर मौजूद उन कमरों को बंद कर दिया गया है, जिनका जबरन पढ़ाई के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। कमेटी में शामिल चीफ फायर ऑफिसर, डीआईओएस, सिटी मजिस्ट्रेट, नोएडा अथॉरिटी के जेई और अधिकारी साथ मिलकर कोचिंग इंस्टीट्यूट की जांच कर रहे हैं। नोएडा में 51 कोचिंग सेंटर्स डीआईओएस ऑफिस में रजिस्टर्ड हैं। इसके अलावा सैकड़ों ऐसे कोचिंग सेंटर्स हैं, जो बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहे हैं और इन्होंने बेसमेंट में क्लासरूम बना रखा है। कुछ कोचिंग सेंटर्स ने पार्किंग की जगह पर ही क्लासरूम बना रखे हैं। ऐसे कोचिंग सेंटर्स की लगातार चेकिंग की जा रही है। जानकारी के मुताबिक गौतमबुद्ध नगर में गठित कमेटी ने अभी तक कई नामी कोचिंग सेंटर्स को नियमों का उल्लंघन करते पाया है। इनमें सेक्टर-62 में फिटजी, आकाश इंस्टीट्यूट नियमों की धज्जियां उड़ाते दिखाई दिए हैं। इनके बेसमेंट को सील किया गया है। साथ ही अनएकेडमी को कमेटी ने शाम तक का वक्त दिया है। इनके पेपर पूरे नहीं थे। साथ ही कैरियर लॉन्चर को भी सील किया जा रहा है।

यूपी सरकार ने बुलडोजर चलाकर गरीबों के घर छीन लिए : रविदास मेहरोत्रा

लखनऊ । यूपी विधानसभा सत्र के दूसरे दिन की कार्यवाही के दौरान सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा ने मकानों को ध्वस्त करने का मुद्दा उठाया। उन्होंने सदन में चर्चा के दौरान कहा, 'लखनऊ के अकबरनगर में गरीबों के मकानों को ध्वस्त कर दिया गया। जबकि उनके पास दस्तावेज हैं। रविदास मेहरोत्रा ने कहा, 'लोकसभा चुनाव के बाद लखनऊ की अकबरनगर बस्ती में मौजूद मकानों पर बुलडोजर चलाकर कार्रवाई की गई। यहां करीब एक हजार से अधिक मकान और करीब 10 से अधिक दुकानों को ध्वस्त कर दिया गया। महिलाएं और बच्चे चीखते चिल्लाते रहे। लेकिन, प्रशासन ने उनकी गुहार को अनदेखा कर यहां कार्रवाई की। इस दौरान मस्जिद-मदरसें और छह प्राचीन मंदिरों पर भी बुलडोजर चलाया गया।÷ उन्होंने योगी सरकार पर हमला बोला। कहा, 'भाजपा सरकार मंदिर के नाम पर वोट मांगती है। लेकिन, उन्होंने अकबरनगर में छह प्राचीन मंदिरों को ध्वस्त करने का काम किया है। सरकार ने पीड़ितों को अकबरनगर से बसंत कुंज कॉलोनी में शिफ्ट कर मकान तो दे दिए। मगर अब उनसे मकान के नाम पर चार लाख रुपए मांगे जा रहे हैं। वहां पीने के पानी, शौचालय और स्कूल की भी व्यवस्था नहीं है। इस सरकार ने अकबरनगर में गरीबों को उजाड़ने का काम किया है। करीब 12 हजार लोग वहां रहते थे। लेकिन, बुलडोजर चलाकर गरीबों के घर छीन लिए गए।

प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालयों में रोग निदान प्रयोगशालाएं खोलने के प्रावधान : पशुपालन मंत्री

जयपुर। पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि प्रथम श्रेणी के पशु चिकित्सालयों में रोग निदान प्रयोगशालाएं खोलने के प्रावधान हैं। विधान सभा क्षेत्र वैर में भुसावर तथा वैर स्थित प्रथम श्रेणी पशु चिकित?सालयों में रोग निदान प्रयोगशालायें पहले से ही संचालित हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि विधानसभा क्षेत्र वैर में आवश्यकता होने पर जांच कर नवीन रोग निदान प्रयोगशाला खोलने पर विचार किया जाएगा। पशुपालन मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्यों द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पशु चिकित्सा अधिकारियों के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा 22 अक्टूबर 2019 को 900 पदों पर नियमित भर्ती के लिए विज्ञप्ति निकाली गई। इसके पश्चात् 2 अगस्त 2020 को लिखित परीक्षा आयोजित की गई। आयोग द्वारा भर्ती परीक्षा का परिणाम 26 नवम्बर 2020 को जारी कर साक्षात्कार की प्रक्रिया भी पूरी की जा चुकी है। परन्तु उच्च न्यायलय में वाद लम्बित होने के कारण परिणाम प्रकाशित नहीं हो सका है। उन्होंने कहा कि परिणाम प्रकाशित होते ही रिक्त पदों पर नियुक्ति की कार्रवाई की जाएगी।

महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में बाढ़ से अब तक चार लोगों की मौत, 500 मकान ढहे

एजेंसी

मुंबई। रायगढ़ जिले में पिछले 15 दिनों से हो रही लगातार मूसलाधार तूफानी बारिश से अब तक चार लोगों की मौत हो चुकी है। लगातार हो रही बारिश से जिले में 500 मकान ढह गए हैं। जिले में लगातार हो रही बारिश से जिले की सावित्री, अंबा, कुंडलिका आदि नदियों में बाढ़ आ जाने से अब तक 3 हजार 389 लोगों को राहत शिविरों में स्थानांतरित करके सरकार की ओर से हर तरह की मदद दी जा रही है। आज जिले में बारिश का जोर कुछ कम हुआ है, इसलिए जिला प्रशासन ने नुकसान का जायजा लेने की शुरुआत की है। रायगढ़ जिले की पेन तहसील में स्थित सपोली गांव में तूफानी बारिश में गिरे पेड़ से दबने से आदिवासी यश नाइक की मौत हो गई है। महाड तहसील में नदी में डूब जाने से नामदेव अंबावले मृत्यु हो गई है। इसी तरह वलन खुर्द में 62 वर्षीय व्यक्ति बालाजी उटेकर की और मनगांव तहसील के टेंपले गांव नसरीन गोडमे की बाढ़ के पानी में डूब जाने से मौत हो गई है। इसी तरह जिले में पोलादपुर, पनवेल, मनगांव, सुधागढ़, महाड, कर्जत और म्हासला तहसील में भैंस, बैल और गाय जैसे 17 जानवरों की मौत हो गई है। जिले में भारी बारिश

से नदियों में आई बाढ़ के कारण ताला, पोलादपुर, महाड, खालापुर, कर्जत, मनगांव और मुरुड तालुका के हजारों नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया गया है। 126 परिवारों के 416 नागरिकों को उनके रिश्तेदारों के पास, 856 परिवारों के 2973 नागरिकों को आश्रय शिविरों में स्थानांतरित कर दिया गया है।

जिला प्रशासन ने 982 परिवारों के कुल 3 हजार 389 नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। जिले की 14 तहसीलों में 11 पक्के मकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। 18 कच्चे घर पूरी तरह से, 326 पक्के घर आंशिक रूप से और 122 कच्चे घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए। कुल 477 घर पूरी तरह या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इसके अलावा 4 झोपड़ियां, 69 गायें, 13 दुकानें भी क्षतिग्रस्त हो गई हैं। महाड में एक व्यायामशाला, एक पुल, पोलादपुर में एक बिजली का खंभा और पेन में एक मैदान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। महाड में स्कूल भवन, श्मशान शेड, खालापुर में स्कूल भवन, पोलादपुर में आंगनबाड़ी की पानी की टंकी, पेण में श्मशान घाट, म्हासला, श्रीवर्धन और ताला में स्कूल भवन क्षतिग्रस्त हो गए हैं। प्रशासन ने जिले में नुकसान का सर्वे शुरू कर दिया है। इसलिए सर्वे पूरा होने के बाद पीड़ितों को मुआवजा मिलेगा।

रेल सेफ्टी को लेकर जो चुनौतियां, उनका समाधान ढूंढना चाहिएः राजीव रंजन

एजेंसी

पटना। जेडीयू प्रवक्ता राजीव रंजन ने रेल हादसों को लेकर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा है कि जिंदगियां अहम हैं और चुनौतियों से पार पाने के लिए समाधान ढूंढना आवश्यक है। उनकी ये प्रतिक्रिया चक्रधरपुर रेल हादसे के बाद आई है।

रेल हादसों के पीछे क्या कारण है और इसे कैसे रोका जा सकता है इस पर जेडीयू के प्रवक्ता राजीव रंजन ने आईएएनएस से बातचीत की। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे अर्थव्यवस्था की लाइफलाइन है। पूरा हिंदुस्तान कहीं न कहीं रेल मार्ग से जुड़ा हुआ है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि यात्रियों की जिंदगी बेहद अहम है और ऐसे में हाल के दुर्घटनाओं से साफ है कि सेफ्टी को लेकर जो चुनौतियां हैं उसका समाधान ढूंढा जाना बेहद आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि वैसे जो

आधुनिकतम तकनीक है, जो इससे जुड़ी हुई टेक्नोलॉजी है उनको लिया जाना बेहद आवश्यक है आज सबसे बड़ी चुनौती सेफ्टी की है। उसका समाधान हम ढूंढेंगे तो निश्चित तौर पर दुर्घटनाओं में कमी आएगी। इसके साथ ही उन्होंने दिल्ली बेसमेंट हादसे पर भी अपनी राय रखी। कहा कि कोचिंग संस्थानों में सख्ती के साथ जो गाइडलाइंस हैं, उनका संचालकों द्वारा पालन किया जाना चाहिए और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि दिशा निर्देशों का पालन किया जाए। अगर किसी कोचिंग संस्थान में नियमों की अवहेलना हो रही है तो सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। वहीं, आरक्षण के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट के द्वारा रोक लगाने पर राजीव रंजन ने कहा कि मुझे लगता है अभी विस्तृत सुनवाई बाकी है। विस्तृत सुनवाई के बाद कई पक्ष सामने आएंगे। उसके बाद कुछ भी प्रतिक्रिया देना उचित होगा।

अब तक अन्न भंडारण को लेकर देश के सभी राज्यों में 72 हजार 222 सरंचना तैयार : केंद्रीय कृषि मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार अन्नदाता किसानों को खेती के साथ कमाई के लिए कुसुम योजना के तहत सोलर पैनल लगाने की छूट देगी। किसान को अपना अन्न सस्ते में न बेचना पड़े, इसके लिए देश के सभी राज्यों में अन्न भंडारण का इंतजाम किया है। मंगलवार को लोकसभा में सांसद पुरुषोत्तम रुपाला के सवालों के जवाब के दौरान कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह जानकारी दी।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि देश का कृषि विकास दर चार प्रतिशत के पास है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में अन्न, फल, और सब्जियों के भंडार भरे हुए हैं। इससे पहले की सरकारों में यह संभव नहीं था। अन्न भंडारण की व्यवस्था नहीं थी। उन्होंने कहा कि अब ऐसा नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व

में एक हजार करोड़ रुपये एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड बनाया गया है, जिसके बाद देश के सभी राज्यों में अन्न भंडारण के लिए 72 हजार 222 सरंचना तैयार किए गए हैं। इस पर 76 हजार तीन सौ पांच करोड़ रुपये खर्च किए गए।

चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री अन्नदाता किसानों को ऊर्जादाता बनाना चाहते हैं। इसके लिए कुसुम योजना लेकर आए हैं। उन्होंने कहा कि किसान कुसुम योजना के तहत खेतों में सौर पैनल लगाकर बिजली का उत्पादन कर सकता है, अपने खेतों की सिंचाई कर सकता है। बची ऊर्जा की बिक्री कर सकता है। उन्होंने कहा कि किसानों को बंजर भूमि पर सोलर पैनल लगाकर बिजली उत्पादन करने की छूट देने की योजना पर भी सरकार विचार कर रही है।

निम्बाहेड़ा में एनडीपीएस न्यायालय खोलने के पूरे प्रयास किये जाएंगे : विधि एवं विधिक कार्य मंत्री

एजेंसी

जयपुर। विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने मंगलवार को विधानसभा में आश्वस्त किया कि निम्बाहेड़ा में संचालित एनडीपीएस कैम्प कोर्ट को नियमित कोर्ट में परिवर्तित करने के पूरे प्रयास किये जाएंगे। उन्होंने कहा कि निम्बाहेड़ा में एनडीपीएस के मुकदमों की अधिक

संख्या को ध्यान में रखते हुए यहां नियमित कोर्ट खोलने की अनुशंसा के लिए उच्च न्यायालय को पत्र लिखा जाएगा।

विधि एवं विधिक कार्य मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्यों द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने जानकारी दी कि उच्च न्यायालय द्वारा 11 फरवरी 2020 को निम्बाहेडा में संचालित कैम्प कोर्ट को नियमित कोर्ट में परिवर्तित करने के लिए राज्य सरकार को पत्र लिखा गया था। उस समय वित्तीय संसाधन उपलब्ध नहीं होने के कारण कोर्ट खोला नहीं जा सका था। उन्होंने बताया कि निम्बाहेड़ा में लम्बे समय से कैम्प कोर्ट संचालित है।इससे पहले विधायक श्रीचन्द कृपलानी के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में विधि एवं विधिक कार्य मंत्री ने कहा कि राजस्थान उच्च न्यायालय से विभिन्न स्थानों पर संचालित 26 कैम्प कोर्टों को नियमित न्यायालय में परिवर्तित करने का प्रस्ताव राज्य सरकार को प्राप्त हुआ था, जिसमें निम्बाहेड़ा में संचालित एन.डी.पी.एस. कोर्ट संख्या-2 के कैम्प कोर्ट को नियमित न्यायालय में परिवर्तित करने का प्रस्ताव भी सम्मिलित था। राजस्थान उच्च न्यायालय के प्रस्तावानुसार प्रकरण वित्तीय संसाधन की उपलब्धता हेतु वित्त विभाग को प्रेषित किया गया किन्तु वित्तीय संसाधन की उपलब्धता नहीं हो सकने के कारण निम्बाहेड़ा में नियमित एन.डी.पी.एस. न्यायालय की स्थापना करना संभव नहीं हो सका है।

दिव्यांग बच्चों को सशक्त बनाने के लिए नई मोबाइल थेरेपी बसें की गई लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली। द हंस फाउंडेशन ने दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के अधीनस्थ राष्ट्रीय बौद्धिक दिव्यांगजन सशक्तीकरण संस्थान (एनआईईपीआईडी) के साथ साझेदारी में मंगलवार को अपनी मोबाइल थेरेपी बसें लॉन्च कीं। इन पांच मोबाइल थेरेपी बसों के माध्यम से नोएडा, गाजियाबाद, कोलकाता, मुंबई में हाशिए पर रह रहे समुदायों के दिव्यांग बच्चों की जरूरतों को पूरा किया जाएगा।

प्रत्येक मोबाइल थेरेपी बस (इससे लगभग 14 हजार दिव्यांग लोगों को आवश्यक सेवाएं प्रदान करने का लक्ष्य है) को पूंजीगत व्यय और बुनियादी ढांचे के लिए 2 करोड़ रुपये के प्रारंभिक व्यय की आवश्यकता होगी। इस कार्यक्रम के तहत थेरेपी बस के रख रखाव, कर्मचारियों और परिचालन क्षमता को सुनिश्चित करने के लिए प्रति वर्ष 1.2 करोड़ रुपये का वार्षिक

परिचालन बजट आवंटित किया जाएगा। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के सचिव राजेश अग्रवाल ने इस पहल की सराहना करते हुए एनआईईपीआईडी और हंस फाउंडेशन की प्रशिक्षित व दक्ष टीम की प्रशंसा की और कहा कि केंद्र सरकार का हमेशा से वंचितों तक पहुंच बनाना मुख्य लक्ष्य रहा है। उन्होंने ग्रामीण और पिछड़े इलाकों में दिव्यांगता की प्रारंभिक पहचान के लिए जोर दिया और इस कार्य के लिए सरकार और प्राइवेट साझेदारी की भी बात कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री दिव्याशा केंद्रों पर दी जाने वाले सहायक उपकरण व अन्य सामग्री आसानी से इन बसों में ले जाई जा सकती हैं। इस क्षेत्र में प्रोफेशनल लोगों की कमियों पर बात करते हुए सचिव अग्रवाल ने एनआईईपीआईडी के छात्रों को गंभीरता के साथ पढ़ने और अच्छे प्रोफेशनल्स बनने के लिए भी प्रोत्साहित किया। साथ ही उन्होंने दिव्यांग बच्चों के माता-पिता एवं सीडब्ल्यूडी के लिए अल्पकालिक पाठ्यक्रमों का प्रस्ताव दिया। उन्होंने दिव्यांगों के साथ-साथ उनके माता-पिता व भाई-बहनों और बच्चों (उम्मीदवारों) के लिए 100 प्रतिशत शुल्क रियायत की भी बात कही।

कार्यक्रम में हंस फाउंडेशन के निदेशक सुदीप सिन्हा और राष्ट्रीय बौद्धिक दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान के निदेशक डॉ. बी.वी. रामकुमार भी उपस्थित रहे।

मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा, राहुल गांधी सामंती सौदागरी के सूरमा हवा-हवाई बातें करते हैं

एजेंसी

नई दिल्ली। बीजेपी के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के संसद में दिए भाषण पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि यह जो सज्जन हैं, अलादीन का चिराग लेकर सपनों के सामंती सौदागरी के सूरमा बनना चाहते हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, राहुल गांधी हवा-हवाई हुड़दंग के जरिए लोगों को बताना चाहते हैं कि हम फटाफट-फटाफट सबकुछ कर देंगे। दशकों तक आपने देश पर राज किया और देश इस बात को भलीभांति जानता है कि आपने क्या कुछ किया? आपके शासनकाल में किस तरह से एक परिवार ने पिंजरे में कैद करके सभी को रखा। किस तरह से आप लोगों ने तमाम जांच एजेंसियों को पिंजरे में कैद करके रखा हुआ था। आपने अपने शासनकाल में तमाम जांच एजेंसियों का इस्तेमाल अपने राजनीतिक फायदे के लिए किया। उन्होंने कहा, कांग्रेस की चतुराई में खुद उनके साथी लंबे समय तक फंसे रहे, लेकिन जब उन्हें इस बात का एहसास हुआ कि वो पिंजरे में फंसे हुए हैं, तब तक काफी देर हो चुकी थी। मैं आखिर में यही कहना चाहूंगा कि ऐसा कोई सगा नहीं, जिसे कांग्रेस ने ठगा नहीं। अब आप अलादीन का चिराग लेकर सबको बता रहे हैं कि हम ये कर देंगे, वो कर देंगे, लेकिन हम सब जानते हैं कि आप लोग कुछ नहीं कर पाएंगे। अभी तक आपने देश का बंटाधार किया। अब आप हमें ज्ञान दे रहे हैं कि देश का कैसे बंटाधार करना है।

छत्रपति शिवाजी महाराज और मराठा साम्राज्य पर चार पुस्तकों का आरएसएस सरकार्यवाह करेंगे विमोचन

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले बुधवार 31 जुलाई को छत्रपति शिवाजी महाराज और मराठा साम्राज्य के विभिन्न पहलुओं पर लिखी गई चार पुस्तकों का एक साथ विमोचन करेंगे। हिंदवी स्वराज स्थापना महोत्सव आयोजन समिति, दिल्ली; श्री शिवाजी रायगड़ स्मारक मंडल, पुणे; एवं श्री भारती प्रकाशन, नागपुर के तत्वावधान में एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित हो रहे इस पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द मुख्य अतिथि तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले मुख्य वक्ता होंगे।

चार पुस्तकें हैं - छत्रपति शिवाजी महाराज (हिंदवी स्वराज : शिवाजी की अखिल भारतीय

संकल्पना, मुगलों से मुकाबला और उनके पतन की कहानी), स्वराज संरक्षण का संघर्ष (भारतवर्ष का पुनर्जागरण एवं सफलता की कहानी), अठारहवीं शताब्दी का हिंदवी साम्राज्य (हिंदवी स्वराज से साम्राज्य : सफलता की कहानी), छत्रपति शिवाजी न होते तो ...उल्लेखनीय है कि 19 फरवरी 1630 को पुणे के शिवनेरी दुर्ग में जन्म लेने वाले शिवाजी महाराज के बालमन को मुगल शासकों द्वारा हिंदू समाज पर किया जा रहा अत्याचार ने आहत किया था। यहीं हिंदवी स्वराज्य अंकुरित हुआ, आगे चलकर वटवृक्ष की तरह फैला। हिंदवी स्वराज्य का आशय था हिन्दुओं का अपना राज। देश में पहली बार जाति, धर्म से अलग मानव सामाजिक अन्याय के खिलाफ एकजुट हुआ था। प्रतिकूल परिस्थिति में भी छत्रपति शिवाजी महाराज ने जिस तरह से अपना लक्ष्य पूरा किया, उससे छत्रपति शिवाजी महाराज के गौरवपूर्ण जीवन से हमें कई बातें सीखने को मिलती हैं। छत्रपति शिवाजी महाराज बुद्धिमान, पराक्रमी, दूरदृष्टा और दार्शनिक राजा थे। अपर्याप्त सैन्य शक्ति, वित्तीय कठिनाइयाँ, अनुभव की कमी, मुगलों की क्रूरता जैसी प्रतिकूल परिस्थिति में भी 17 साल की उम्र में जो तोरणा का किला जीतकर आजादी की नींव रखी हो। उस छत्रपति शिवाजी को देश कैसे भूल सकता है। अपने मन में हिंदवी स्वराज की स्थापना के लिए उन्होंने जो सपने देखें, उन्होंने लोगों के मन में उस स्वप्न को साकार करने की हिम्मत पैदा की थी। अठारहवीं शताब्दी में छत्रपति शाहू महाराज की प्रेरणा एवं नेतृत्व से मराठों ने विशाल साम्राज्य का निर्माण किया। ये पुस्तकें छत्रपति शिवाजी महाराज और मराठा साम्राज्य के ऐसे ही अनेक पहलुओं पर प्रकाश डालती हैं।

योगी सरकार ने पेश किया 12 हजार 209 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने विधानसभा में मंगलवार को 12 हजार 209 करोड़ 93 लाख का अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि अनुपूरक बजट में राजस्व लेखा व्यय चार हजार 227.94 करोड़ और पूंजी लेखा का व्यय 7,981.99 करोड़ रुपये है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित अनुपूरक बजट का आकार इस वर्ष के मूल बजट का 1.66 प्रतिशत है।

अनुपूरक बजट में 7500.81 करोड़ औद्योगिक विकास, 2000 करोड़ ऊर्जा विभाग, एक हजार करोड़ परिवहन विभाग को नई बसें खरीदने के लिए बजट प्रस्तावित किया है। इसके साथ ही नगर विकास विभाग की अमृत योजना की सहायता के लिए 600 करोड़, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के लिए 2.79 करोड़ रुपये खर्च किये जाएंगे। वित्त मंत्री ने कहा कि प्रदेश में युवाओं को राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध

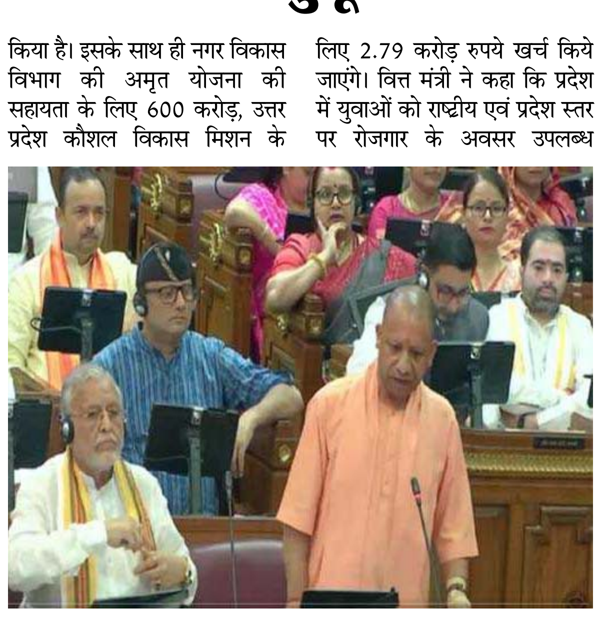

कराने के लिए उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन समिति के गठन एवं योजना के संचालन के लिए 49.80 करोड़, विधानसभा सचिवालय के डाटा सेंटर के नवीनीकरण के लिए 3.25 करोड़, विधानसभा मंडप के डिजिटल कम्युनिकेशन सिस्टम और सहवर्ती उपकरणों के विस्तार के लिए 1.98 करोड़ और विधानसभा लाइब्रेरी परिसर में डिजिटल सीसीटीवी सर्विलांस व कैमरा प्रणाली की स्थापना, उपकरणों के विस्तार के लिए 2.45 करोड़ दिये हैं। वहीं अनुपूरक मांगों में 319.95 करोड़ रुपए नई मांगों और अन्य योजनाओं के लिए हैं।

अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए 200 करोड़, ग्रामीण स्टेडियम एवं ओपन जिम के लिए 100 करोड़, माध्यमिक शिक्षा विभाग के तहत 284 राजकीय इंटर कॉलेजों में लैब की स्थापना के लिए 28.40 करोड़, 1040 राजकीय इंटर कॉलेज में आईसीटी लैब की स्थापना के लिए 66.82 करोड़ की व्यवस्था अनुपूरक बजट में की गयी है। इसके अलावा संस्कृति विभाग की विभिन्न योजनाओं के लिए 74.90 करोड़, अटल आवासीय विद्यालयों की स्थापना के लिए 53.85 करोड़ रुपए दिये हैं। इनमें आवासीय एवं अनावासीय भवनों के अनुरक्षण के

राजस्व मण्डल अध्यक्ष राजेश्वर सिंह सेवानिवृत्त

जयपर। राजस्व मण्डल अध्यक्ष राजेश्वर सिंह भारतीय प्रशासनिक सेवा में 35 वर्षों का सुदीर्घ सेवाकाल पूर्ण कर मंगलवार को सेवानिवृत्त हो गये। उत्तर प्रदेश के चन्दौली जिले में जन्मे राजेश्वर सिंह भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1989 बैच के अधिकारी हैं। उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से एम.ए.(आधुनिक इतिहास) की उपाधि प्राप्त की है। सिंह पूर्व में उपखण्ड अधिकारी माउण्ट आबू, जिला कलक्टर जालोर एवं जयपुर, संभागीय आयुक्त उदयपुर, भरतपुर एवं जयपुर, प्रमुख शासन सचिव लघु उद्योग, पर्यटन, परिवहन, पशुपालन, अतिरिक्त मुख्य सचिव, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग तथा अध्यक्ष, राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम का पदभार सम्भाल चुके हैं। सेवानिवृति के समय श्री सिंह के पास राजस्थान टैक्स बोर्ड एवं राजस्थान गैर कृषि विकास अभिकरण के अध्यक्ष पद का अतिरिक्त कार्यभार भी था।

'जया अमिताभ बच्चन' नाम से नाराज थीं जया, सभापति ने कहा - 'रिकॉर्ड में यही है आपका नाम'

एजेंसी

नई दिल्ली । मशहूर फिल्म स्टार अमिताभ बच्चन की पत्नी व राज्यसभा सांसद जया बच्चन इस बात से नाराज हो गई थीं कि राज्यसभा में उन्हें 'जया अमिताभ बच्चन' के नाम से पुकारा गया। एक दिन बाद मंगलवार को उपराष्ट्रपति व राज्यसभा स्पीकर जगदीप धनखड़ ने स्पष्ट किया कि जया बच्चन का नाम राज्यसभा के रिकॉर्ड में 'जया अमिताभ बच्चन' ही है। ऐसे में उन्हें उसी नाम से पुकारा गया, जो कि उनके निर्वाचन सर्टिफिकेट और राज्यसभा के रिकॉर्ड में दर्ज है।

इससे पहले राज्यसभा में सांसद जया बच्चन उस समय अप्रसन्न दिखाई दी थीं, जब बजट पर चर्चा के लिए राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने उनका पूरा नाम पुकारा था। उपसभापति ने उनके लिए 'जया अमिताभ बच्चन' नाम से संबोधन किया था। इस पर जया का कहना था कि यदि सिर्फ जया बच्चन बोल देते तो वह काफी था। गौरतलब है कि जया बच्चन समाजवादी पार्टी की ओर से राज्यसभा सांसद हैं। जया बच्चन का कहना था कि 'यह जो नया चलन है, उसके अनुसार, महिलाएं अपने पति के नाम से जानी जाएंगी, मानो उनकी अपनी कोई उपलब्धि नहीं है।1 हालांकि, उपसभापति ने उसी समय जया को टोकते हुए कहा था कि आपकी बहुत उपलब्धियां हैं। सभापति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को सदन की कार्यवाही प्रारंभ होने पर जया बच्चन को जवाब दिया। सभापति ने इस नाराजगी को नाजायज ठहराते हुए कहा कि आपका नाम आधिकारिक रिकॉर्ड में 'जया अमिताभ बच्चन' लिखा हुआ है। ऐसे में यही नाम पुकारा गया। हालांकि, जिस दौरान सभापति यह जानकारी दे रहे थे, उस समय जया बच्चन राज्यसभा में नहीं थीं। अपनी बात पूरी करते हुए सभापति ने कहा कि आप सभी जानते हैं कि डिप्टी चेयरमैन हरिवंश जी की पहचान एक बेहद सरल और नियमों का पालन करने वाले व्यक्ति की है।

सांख्य का क्रियात्मक रूप है योग

प्राचीन काल में हमारे ऋषियों ने योग को अनुभव किया और इसके महत्व को पहचाना. इसके बाद उन्होंने समाज के कल्याण के लिए इस पद्धति को विकसित किया. उन्होंने इसे इतने सुंदर और तार्किक ढंग से प्रस्तुत किया कि यह आधुनिक समाज में भी लोकप्रिय है.

भारतीय दर्शन को षड्दर्शन जैसे- मीमांसा, वेदांत, न्याय, वैशेषिक, सांख्य और योग कहे जाते हैं. सांख्य और योग, प्राचीन वैदिक तथा वेदांत फिलॉसफी हैं. इन दोनों दर्शनों ने भूमंडल के सभी विद्वानों को अपने दर्शन से चकित कर दिया है. सांख्य के आचार्य ऋषि कपिल और योग के हिरण्यगर्भ हैं. दोनों दर्शन एक दूसरे के पूरक माने जाते हैं. योग सांख्य का क्रियात्मक रूप है. यह तत्व ज्ञान को स्वयं अनुभव करना सिखा कर मनुष्य को अपने अंतिम लक्ष्य तक पहुंचाता है.

आयुर्वेद का स्तंभ है योग

हिरण्यगर्भ के सूत्रों के आधार पर महर्षि पतंजली ने योग सूत्र का निर्माण किया था. पतंजली मुनि के अनुसार योग से अंत-करण, पद से वाणी और आयुर्वेद से मल को दूर किया जाता है. योग को आयुर्वेद का मूलाधार स्तंभ भी माना जाता है. यह योग प्रक्रिया के आधार पर ही है. प्राचीन काल में ऋषियों ने पहले इससे स्वयं साक्षात्कार किया और इसे अनुभव किया. इसके बाद लोक समाज के लिए इसे ग्राह्य एवं उपयोगी बनाने के लिए क्रमिक अभ्यास की विधियां विकसित की. इसके ज्ञान को उन्होने इस सुंदर और तार्किक तरीके से प्रस्तुत किया कि यह आज वैज्ञानिक युग में भी लोकप्रिय है. विद्वानों ने इसे आधुनिक समाज की आवश्यकताओं एवं जीवनशैली के अनुरूप बनाने का प्रयास किया है, जिससे लोग व्याधि मुक्त, तनाव मुक्त, स्वस्थ, संतुष्ट एवं श्रेष्ठ जीवन व्यतीत कर सकें. योग दर्शन पर भाष्य रची गयी हैं, जिनमें व्यास भाष्य, तत्व बैशारदी, योग वर्तिका, योग सार आदि प्रमुख हैं.

योग की हैं अनेक पद्धतियां - पतंजली मुनी का अष्टांग योग, महर्षि धेरंड द्वारा रचित धेरंड संहिता में सप्तांग योग, गोरखनाथ रचित गोरक्षशतक में षडांग योग की चर्चा है. इसका अर्थ यह है कि समय एवं आवश्यकता के अनुसार लोगों ने योग की कुछ पद्धतियों को प्रचलित किया. परंतु आधुनिक काल में पतंजली का अष्टांग योग ज्यादा लोकप्रिय है. ये यम(आत्मसंयम), नियम (आत्मशोधन के नियमों का पालन), आसन (शारीरिक मुद्रा), प्राणायाम (श्वास-प्रश्वास का नियमन), प्रत्याहार(इंद्रियों को उसके विषय से रोकना), धारणा(चिंतन), ध्यान (तल्लीनता) और समाधि(पूर्ण अंतरतन्मयता) हैं. इस प्रकार योग ऐसी पद्धति है, जिससे व्यक्ति अपने भीतर छिपी शक्तियों को संतुलित रूप से विकसित कर सकता है. यह पूर्ण स्वानुभूति कराने का साधन प्रदान करता है. आत्मा को सर्व व्यापी परमात्मा से जोड़ने के साधन के रूप में परिभाषित किया जा सकता है. इसलिए महर्षि पतंजली को चित्त वृत्तियों का निरोध बताया है.

जीवन ही योग है

सरलतम शब्दों में जीवन ही योग है. हमारे दैनिक कर्म ही योग हैं. योग का लक्ष्य समन्वित व्यक्तित्व का विकास है. यह शारीरिक, मानसिक उत्थान के लिए है. दुखी मानवता के लिए यह मनो दैहिक चिकित्सा पद्धति के रूप में एक वरदान है. सत्य खोजने वालों के लिए ईश्वरानुभूति की सीधी राह है. वस्तुत- योग पूर्णता की योजना है. योग आत्मसाक्षात्कार का एक मार्ग है. योग के कई प्रकार होते हैं, जिनमें - जप योग (अपने मन को एक पवित्र नाम या अक्षर पर केंद्रित कर इसका सतत उच्चरण करना) कर्मयोग (फल की चिंता किये बगैर कार्य करना), ज्ञानयोग (आत्मा और अनात्मा में भेद), भक्तियोग (ईश्वर के प्रति श्रद्धा भाव के साथ समर्पण), राजयोग (अष्टांग योग), स्वर योग या नाद योग(श्वास के द्वारा संयोग) हैं.

वर्तमान में योग को रोग निरोधक, स्वास्थ्य वर्धक और रोग निवारण मूल्यांकन हेतु भारत और विदेशों में इस पर योजनाबद्ध तरीके से अनुसंधान हो रहा है. पिछले वर्ष फ्रांस में सरकार ने यूनिवर्सिटी स्तर तक योग की पढ़ाई को स्वीकृति दे दी है.

भारत में कुछ प्रसिद्ध संस्थान जैसे- शरीर क्रिया विज्ञान व संबंधित विज्ञान रक्षा संस्थान, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान(एम्स), राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य तथा तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निमहांस), विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान, कैवल्य धाम योग संस्थान, बिहार योग विद्यालय, मुंगेर आदि योग के प्रभावों के संबंध में गहन अनुसंधान कर रहे हैं.

हर दिन नहीं कर सकती एक सा व्यायाम

तेलुगू फिल्मों के बाद बॉलीवुड में बर्फी व फटा पोस्टर निकला हीरो से पहचान बनानेवाली इलियाना डिक्रूज आकर्षक फीगर के लिए भी जानी जाती हैं. जिम में वर्कआउट में वह यकीं नहीं रखतीं, बल्कि रोजाना योग के साथ कुछ आम एक्सरसाइज अपनाती हैं. फिटनेस के बारे में बता रही हैं इलियाना.

सबको लगता है कि मैं बहुत दुबली हूं, क्योंकि मैं खाती-पीती नहीं, जबकि सच यह है कि मैं बहुत फूडी हूं. मेरा मेटाबॉलिज्म स्ट्रांग है, इसलिए मेरा वजन नियंत्रित रहता है. बचपन से ही हम भाई-बहन दुबले-पतले रहे हैं, इसलिए कभी वजन को लेकर दिक्कत नहीं हुई. घर के कामों में भी रुचि रखती थी. खास कर जब मेड नहीं आती, तो खुद से फ्लोर साफ करती थी.

समुद्र किनारे जॉगिंग पसंद

जिम में वर्कआउट तो बिलकुल पसंद नहीं. समुद्र किनारे जॉगिंग पसंद है. बॉलकोनी में जंप करना अच्छा लगता है. 2011 में शूटिंग के दौरान घुटने में चोट लगी थी, जिसकी सर्जरी भी करानी पड़ी. इसलिए हफ्ते में तीन किलोमीटर से ज्यादा नहीं दौड़ती. हफ्ते में दो दिन स्वीमिंग-डांसिंग और 100 लैप्स मैनेज करती हूं. ब्रेस्ट, बैक और बटरफ्लाइ स्ट्रोक को अल्टरेट डे पर करती हूं. मेरा जैसा शरीर है, इसमें इंटरवल ट्रेनिंग से फायदा होता है. हर दिन एक-सा वर्कआउट नहीं कर सकती.

मेरी डायट

मुझे केक देख कर तो कंट्रोल नहीं होता. हां, बर्गर और पिज्जा से दूर ही रहती हूं. रसगुल्ला, रसमलाई और डार्क चॉकलेट पसंद है. मेटाबॉलिज्म को को बरकरार रखने के लिए दिन में चार से पांच छोटे-छोटे मील लेती हूं. ब्रेकफास्ट में एक गिलास फ्रूट जूस, दो अंडों का पोच और दो व्हीट ब्रेड कॉफी के साथ लेती हूं. दोपहर एक बजे लंच में 2 चपाती चिकन या फिश के साथ. इसमें वेजीटेबल, खासतौर से दाल और फूलगोभी पसंद है. डिनर में वही खाती हूं, जो लंच में. ब्रेकफास्ट व लंच के बीच नारियल पानी या नींबू पानी पीती हूं. शाम को सिर्फ चाय और नमकीन बिस्किट.

योग मेरे लिए खास

जल्दी सोती हूं और जल्दी उठती हूं. लेट नाइट पार्टी अवॉयड करती हूं. मेरी फिटनेस में योग सबसे खास है. इसकी ट्रेनिंग मैंने भरत ठाकुर से ली है. हर दिन सूर्य नमस्कार के 11 आसन करती हूं. एक्सरसाइज में बदलाव भी करती हूं.

गरमी में पीएं हेल्दी ड्रिंक्स

चिलचिलाती धूप और गरम हवाओं का मौसम आ गया है. इस मौसम में शरीर के तापमान व पाचन क्रिया को ठीक रखने के लिए संतुलित खाद्य एवं पेय पदार्थो का चुनाव बेहद जरूरी है. खास कर पेय पदार्थो के मामले में तो सावधानी बरतना और भी जरूरी है, क्योंकि गरमी से राहत पाने के लिए लोग अक्सर पेय पदार्थो का ही सहारा लेते हैं. गरमी में कुछ पीते रहने से पेट को ठंडक तो मिलती ही है, साथ ही ताजगी भी महसूस होती है. अत- ऐसे ड्रिंक्स

पीएं जिसे पीने से शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिलता रहे और डिहाइड्रेशन से भी बचे रहें. कुछ ड्रिंक्स गले को राहत तो पहुंचाते हैं, लेकिन स्वास्थ्य को नुकसान भी पहुंचाते हैं. जानते हैं कुछ लाभदायक और हानिकारक ड्रिंक्स के बारे में.

ऐसे ड्रिंक्स से करें परहेज

इस मौसम में लोग काबरेनेटेड वाटर का अधिक सेवन करते हैं. लेकिन हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि इससे हमारे शरीर को कोई जरूरी पोषक तत्व नहीं मिलते, बल्कि ये कुछ जरूरी पोषक तत्व जैसे- कैल्शियम इत्यादि को क्षति ही पहुंचाते हैं.

चाय या कॉफी भी सीमित मात्र में लें, क्योंकि ज्यादा चाय-कॉफी से डिहाइड्रेशन होने की आशंका बढ़ जाती है.

ये ड्रिंक्स हैं लाभदायक

कुकुंबर ड्रिंक - 1 खीरा, 3/4 कप लो फैट दही, 4-5 पुदीना पत्ता, थोड़ा धनिया पत्ता, जीरा पाउडर, स्वादानुसार काला नमक और बर्फ मिलाकर इसका जूस बनाएं और पीएं. कैल्शियम, फॉलिक एसिड, विटामिन सी एवं पाचन को राहत पहुंचानेवाले हेल्दी बैक्टीरिया से भरपूर ये ड्रिंक डायबिटीज और हाइपरटेंशन के रोगियों के लिए भी फायदेमंद है.

बेल का शरबत - बेल के गूदे में स्वादानुसार चीनी/नमक नींबू और चाट मसाला मिलाकर इसका जूस बनाकर पीएं. कब्ज एवं गैस के रोगियों के लिए यह ड्रिंक लाभदायक है.

एपल मार्गरीटा - छीले-कटे सेब, नींबू, बर्फ, चीनी और थोड़ा पानी मिला कर इसका जूस बनाएं और इसका सेवन करें. यह ड्रिंक एनिमिया के रोगियों के लिए बहुत ही फायदेमंद है.

अदरक-पुदीना ड्रिंक - 1/4 कप अदरक का रस, 1/2 कप पुदीना पेस्ट, 1/2 कप नींबू का रस, चार चम्मच चीनी, 1 चम्मच जीरा पाउडर, काला नमक और पुदीना स्वादानुसार मिलाकर इसका जूस बनाएं. यह ड्रिंक विटामिन ए, सी और फोलिक एसिड, पोटैशियम, मैग्नीशियम, जिंक इत्यादि से भरपूर है, यह टेस्टी होने के साथ-साथ गरमी में बहुत राहत देती है.

मैंगो शेक- आम और दूध से बना यह ड्रिंक विटामिन ए, पोटैशियम, मैग्नीशियम, कैल्शियम, प्रोटीन, एवं कैलोरी से भरपूर है. कभी-कभी कुछ हलका खाने का मन करे, तो यह ड्रिंक संपूर्ण भोजन का भी कार्य करती है.

स्वस्थ मन से स्वस्थ तन

पुरानी कहावत है कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का निवास होता है, पर यह एक पहलू है. दूसरा पहलू यह है कि स्वस्थ मन से स्वस्थ शरीर का निर्माण संभव है. तन और मन का संबंध पारस्परिक है. दानों की निर्भरता एक -दूसरे से जुड़ी है. अत- स्वास्थ्य एक समग्र तत्व है. इसकी प्राप्ति के लिए हमें समग्रता में सोचना चाहिए.

तन और मन का गहरा संबंध है. एक स्वस्थ तो दूसरा भी स्वस्थ. एक बीमार, तो दूसरा भी बीमार. दोनों की स्वस्थता एक दूसरे पर निर्भर है. स्थानांग सूत्र में यह बात प्रमुखता से कही गई है कि विचारों और भावनाओं से मानव का स्वास्थ्य बहुत अधिक प्रभावित होता है. अच्छे स्वास्थ्य का अर्थ सिर्फ अच्छा भोजन और एक नियमित दिनचर्या अपनाना भर नहीं है. स्वस्थ मनुष्य वह है जो अपनी शुद्ध प्रकृति में स्थिर होता है. यानी स्वस्थ वह है जो शरीर से ही नहीं , विचारों से भी स्वस्थ है. स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का निवास होता है - यह अधूरा सत्य है. इसके साथ यह भी जोड़ जाना चाहिए , स्वस्थ मन से स्वस्थ शरीर का निर्माण होता है. वैसे तो आधुनिक चिकित्सा विज्ञान का अद्भुत विकास हुआ है. उसकी सफलताओं और उपलब्धियों पर सभी दांतों तले अंगुलियां दबाते हैं, पर इसके बावजूद दुनिया में बीमार लोगों की कोई कमी नहीं दिखती. नये से नये रोग भी जन्म लेते दिखाई देते हैं. असल में जब तक मानसिक विचारों और भावनाओं में संतुलन नहीं कायम होता और शांति का वातावरण नहीं बनता, तब तक स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता. सच तो यह है कि रोग से भी अधिक हम रोग की चिंता से रोगी और दुर्बल बनते हैं. इसलिए जरूरी यह है कि जब भी शरीर पर रोग का आक्रमण हो, हमें विचारों के स्वास्थ्य और उनके संतुलन पर विशेष ध्यान देना चाहिए.

चिंता और भय की तरह क्रोध का भावावेश भी स्वास्थ्य का शत्रु है. दो दिन के ज्वर से जितनी शक्ति नष्ट होती है, तीव्र क्रोध के दो क्षण में उतनी शक्ति नष्ट होती है. क्रोध से रक्तचाप की वृद्धि के साथ ह्रदय रोग का खतरा भी होता है. इसी तरह भय और भावना से भी स्वास्थ्य बहुत प्रभावित होता है. उसके प्रभाव से अनेक व्यक्ति पागल और रोगी तक बन जाते हैं. स्वास्थ्य पर विचारों के इतने गहरे प्रभाव को देखते हुए कहा जा सकता है कि स्वस्थ जीवन के लिए इलाज और दवा के साथ-साथ विचारों के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना चाहिए, तभी आप खुद को स्वस्थ रख सकते हैं.

इसे आप एक उदाहरण से समझ सकते हैं. एक बार अमेरिका के कृषि मंत्री एंडरसन को दिल की बीमारी हो गयी. कई दिनों की चिकित्सा के बाद भी उनके स्वास्थ्य में सुधार नहीं हुआ. एक दिन अस्पताल में ही उन्होंने एक पुस्तक पढ़ी जिसमें लिखा था- 'दिल की बीमारी को दिमाग पर हावी नहीं होने देना चाहिए.' यह वाक्य उनके जीवन का मंत्र बन गया. उसी क्षण उन्होंने दिमाग से रोग की चिंता को दूर कर लिया. परिणाम यह निकला कि थोड़े ही समय में वह बिल्कुल स्वस्थ हो गये. मन से अच्छा महसूस करते हुए रोग की चिकित्सा करने के इस उपाय को 'फेथ - हीलिंग' कहते हैं. इस तरह का इलाज आस्था और भावना द्वारा की जानेवाली चिकित्सा का ही रूप है. भौतिक चिकित्सा का उपयोग करते हुए भी हमें आध्यात्मिक चिकित्सा का प्रयोग करना चाहिए. जैन परंपरा में ऐसे अनेक मुनियों के उदाहरण हैं, जिनके आधार पर आस्था और भावना द्वारा चिकित्सा की विधि का और अधिक विकास हो सकता है.

वजन कम करने का बेस्ट ऑप्शन है कार्डियो

फिल्म संघर्ष (1999) में प्रीति जिंटा की बाल भूमिका में पहली बार नजर आयीं आलिया भट्ट 'स्टूडेंट ऑफ द इयर' से युवा दिलों पर छा चुकी हैं. आज उनकी प्यारी मुस्कान और परफेक्ट फिगर की हर तरफ चर्चा है. फिल्मों में आने से पहले आलिया भी सामान्य लड़की की तरह दिखती थीं, लेकिन सिर्फ तीन महीने में 16 किलो वजन कम कर उन्होंने यह लुक हासिल किया है. क्या है इसका राज, बता रही हैं आलिया. मैं पांच साल से सेहत को लेकर ज्यादा फिक्रमंद हुई हूं. इन सालों में महसूस किया है कि अगर आप फिट होते हो तो आप बहुत सकारात्मक महसूस करते हैं. मैं साइज जीरो नहीं बनना चाहती. मेरी बहन पूजा ने भी मुझे सख्त हिदायत दे रखी है कि मैं साइज जीरो के चक्कर में न पड़ूं. हां, आप यकीन नहीं करेंगे कि फिल्मों में आने से पहले मेरा वजन 68 किलो था मगर पहली फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द इयर' में शनाया के रोल के लिए महज तीन महीनों में मैंने 16 किलो वजन कम किये. मैंने महसूस किया कि वजन कम करने में कार्डियो एक्सरसाइज सबसे बेस्ट ऑप्शन है.

वर्कआउट प्लान - मैं सप्ताह में तीन-चार दिन वर्कआउट करती हूं. स्पेशली सुबह एक घंटे कार्डियो करती हूं व शाम में लाइट वेट लिफ्टिंग. शुरुआत ट्रेडमिल से होती है. 10 मिनट वार्मअप के बाद क्रंचेस, बाइस्पे, ट्राइचेस्प, डम्बेल्स वर्कआउट. हर दिन बॉडी के एक हिस्से पर मेहनत करती हूं. वीक में एक दिन ऑफ रखती हूं. योग और डांसिंग भी मेरी फिटनेस का अहम हिस्सा हैं. हर दिन अष्टांग योग भी करती हूं.

मेरी डायट - मैं दिन भर में चार- पांच छोटे-छोटे मील लेती हूं, जो मुझे फिट बनाये रखता है. पानी खूब पीती हूं, जो मुझे दिन भर हाइड्रेटेड रखता है. ऑयली व जंक फूड से दूर ही रहती हूं. सुबह की शुरुआत वेज या फ्रूट जूस से करती हूं. साथ में स्नैक्स, इडली-सांबर. अगर एग सैंडविच या पोहा लेना पड़े तो बिना चीनी के एक कप कॉफी या चाय के साथ लेती हूं. लंच में चिकन ब्रेस्ट, दाल, एक रोटी (बिना बटर), सब्जी और दही. शाम में कुरमुरा या फिर चाय-कॉफी के साथ इडली-सांबर. सोने से दो घंटे पहले डिनर में चिकन या फिश सब्जी के साथ और एक गिलास दूध लेती हूं.

तबीयत बिगाड़ न दे यह मौसम

गरमी का मौसम दस्तक दे चुका है. मौसम का यह बदलाव अपने साथ बुखार, सर्दी-जुकाम जैसी छोटी-छोटी बीमारियां भी ले आया है. अगर चाहते हैं कि आप या परिवार का कोई सदस्य फ्लू की चपेट में न आये, तो जानिए प्रतिष्ठित डॉक्टर से कि कैसे करें बचाव.

बदलते मौसम के कारण विभिन्न बीमारियां लोगों को चपेट में ले रही हैं. रात में ठंड और दिन में गरमी से अक्सर लोग लापरवाही बरतते हैं और कई बीमारियों का शिकार हो जाते हैं. अगर थोड़ी सावधानी और ध्यान रखा जाये तो बीमार पड़ने से बचा जा सकता है. इस मौसम में वायरल, कॉमन कोल्ड, ब्रोंकाइटिस, खांसी, गले व सिर में जकड़न आदि प्रमुख बीमारियां हैं. वहीं डायबिटीज, अस्थमा और हाइ बीपी के मरीजों को इस मौसम में खासी तकलीफों का सामना करना पड़ता है. बदलते मौसम में वायरस हावी रहता है. सुबह में हल्की सर्द हवाएं और दोपहर में गरमी से बुजुर्ग और बच्चे वायरल इंफेक्शन की चपेट में आ जाते हैं. वायरल इंफेक्शन के शुरुआती लक्षण खांसी, जुकाम और हल्का बुखार है जिसे हम 'फ्लू' भी कहते हैं. हैजा भी वायरल इंफेक्शन है. डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, हेपेटाइटिस आदि वायरस से ही फैलता है, जो बदलते मौसम में घातक होता है. इंफेक्शन से जुकाम में नाक बंद रहता है, छींकें भी ज्यादा आती हैं, गला खराब रहता है. बदलते मौसम में छोटे बच्चों में डायरिया का मुख्य कारण भी वायरल इंफेक्शन ही होता है. प्रदूषण के कारण वायल इंफेक्शन अत्याधिक पनपता है. वातावरण में मौजूद वायरस सांस लेने के दौरान शरीर में प्रवेश करते हैं. यह समस्या एसी के साथ अधिक है, क्योंकि वहां ताजी हवा नहीं होती.

लगवाएं एंटी फ्लू टीका - साल में दो बार अपने बच्चों को एंटी फ्लू टीका जरूर लगवाएं. डब्ल्यूएचओ साल में दो बार एंटी फ्लू टीका निकालता है एक सितंबर माह में और दूसरा मार्च माह में, क्योंकि अधिकांश वायरस मौसम बदलने पर ज्यादा अटैक करते हैं. इस लिहाज से ये महीने महत्वपूर्ण हैं. हर 6 माह में बच्चों व बुजुर्गों को यह टीका जरूर लगवाएं.

बुजुर्ग बरतें सावधानियां - अस्थमा, शुगर या हाइबीपी के मरीज अपनी दवाइयों का नियमित सेवन करें, अन्यथा आपकी परेशानी बढ़ सकती है. कोशिश करें कि धूप निकलने पर ही घर से बाहर निकलें. बिस्तर से उठते ही तुरंत खुली हवा में न जाएं. ब्लड थिनर मेडिसिन लेने वाले मरीज इसका नियमित सेवन न करें. बाईपास सर्जरी करा चुके मरीज चिकित्सक की सलाह लेकर दवाइयों का सेवन करें. शराब व धुम्रपान का सेवन न करें क्योंकि इस मौसम में यह अत्याधिक घातक साबित हो सकता है. शुगर मरीज नियमित दवाई लेते रहें व लगातार व्यायाम करें ताकि शुगर कंट्रोल रहे. हार्ट पेशेंट वाले बुजुर्गों को यदि चेस्ट में कोई परेशानी होती है, तो तुरंत चिकित्सक से सलाह लें.

क्या करें जब मौसम बनाये बीमार

मौसम में बदलाव के कारण हमें कई तरह की बीमारियों का सामना करना पड़ता है. यह किन कारणों से होता है?

मौसम में बदलाव के कारण वायरस वातावरण में तेजी से विकसित होते हैं. इस मौसम में होनेवाली सर्दी, खांसी और बुखार इंफ्लुएंजा वायरस के इंफेक्शन की वजह से होते हैं. ह्रदय रोग और फेफड़ों से जुड़े रोगों से पीड़ित लोगों के लिए यह जानलेवा भी साबित होता है.

प्राय: इस मौसम में अचानक कोई ठंडी चीज पी लेने से तबीयत खराब हो जाती है, क्यों?

वातावरण में विभिन्न जीवाणु और विषाणु होते हैं. हमारे शरीर जैसे- गले, मुंह आदि में ये मौजूद होते हैं. सामान्य रूप से ये अक्रिय होते हैं. अचानक कोई ठंडी चीज पीने से, ये जीवाणु सक्रिय हो जाते हैं और तेजी से वृद्धि करने लगते हैं. इनकी संख्या बढ़ने के कारण ही हम बीमार पड़ते हैं.

सामान्य बुखार और वायरल इंफेक्शन में क्या अंतर होता है?

वायरल इंफेक्शन में बुखार, सिर दर्द, नाक से पानी बहना, खांसी, भूख घटना, काम करने की इच्छा न होना आदि लक्षण हैं. बुखार 5 दिन से अधिक रहे, तो यह मलेरिया, मियादी बुखार, कालाजार या डेंगू हो सकता है. टेस्ट करवाएं. मलेरिया के लिए आप्टिमल टेस्ट, मियादी बुखार के लिए विडाल टेस्ट होता है.

इससे बचाव के लिए क्या उपाय अपनाना चाहिए?

हाइ रिस्कवालों को खास कर ह्रदयरोगवाले लोगों को एंटी वायरल वैक्सीन लेना चाहिए. डॉक्टर की सलाह लेना चाहिए.

पेरिस ओलंपिक, पदक तालिका: जापान शीर्ष, चीन दूसरे और भारत 25वें स्थान पर

एजेंसी

पेरिस। आर्टिस्टिक जिमनास्टिक्स में पुरुषों की टीम स्पर्धा में शानदार जीत की बदौलत जापान ने ओलंपिक खेलों में पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। जिमनास्टिक्स में स्वर्ण पदक जीतने की बदौलत जापान के खाते में छह स्वर्ण पदक और कुल 12 पदक हो गए हैं और वह शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है।

प्रतियोगिता के अंत में शीर्ष पर चल रहा ऑस्ट्रेलिया पांचवें स्थान पर खिसक गया, जबकि चीन, दक्षिण कोरिया और मेजबान फ्रांस आगे निकल गए। महिलाओं की 10 एमएम एयर पिस्टल निशानेबाजी में मनु भाकर ने कांस्य पदक जीता, जिसके साथ भारत संयुक्त 25वें स्थान पर है।

पदक तालिका इस प्रकार है-

पदक तालिका शीर्ष-5

देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
जापान	6	2	4	12
चीन	5	3	2	10
दक्षिण कोरिया	5	3	2	09
फ्रांस	4	7	3	14
ऑस्ट्रेलिया	4	3	0	07

भारत 1 कांस्य के साथ 25वें स्थान पर है।

पेरिस ओलंपिक : पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल में चौथे स्थान पर रहे अर्जुन बाबूता

पेरिस। अर्जुन बाबूता पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर पुरुष एयर राइफल स्पर्धा में पोडियम स्थान के बेहद करीब पहुंच गए थे, लेकिन उन्हें चौथे स्थान से संतोष करना पड़ा। बबूता ने अधिकांश समय शीर्ष तीन में जगह बनाने की कोशिश की, लेकिन अंतिम शॉट में 9.5 के स्कोर के कारण वह पीछे रह गए। इससे पहले, 60 शॉट की क्वालीफिकेशन सीरीज में बबूता ने कुल 630.1 अंक हासिल किए और सातवां स्थान हासिल किया। बबूता पेरिस 2024 खेलों में शूटिंग स्पर्धा के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाले तीसरे भारतीय हैं। पहली भारतीय मनु भाकर थीं, जो महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल के फाइनल में पहुंचीं और कांस्य पदक जीता। दूसरी भारतीय रमिता जिंदल थीं, जो महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल फाइनल में सातवें स्थान पर रहीं।

पेरिस ओलंपिक बैडमिंटन: भारतीय महिला युगल जोड़ी पोनप्पा-क्रैस्टो को मिली दूसरी हार

पेरिस। पेरिस ओलंपिक 2024 में महिला युगल बैडमिंटन में भारत की तनिषा क्रैस्टो और अश्विनी पोनप्पा की जोड़ी को सोमवार को जापान की नामी मात्सुयामा और चिहारू शिदा की दुनिया की चौथे नंबर की जोड़ी ने हरा दिया। क्रैस्टो और पोनप्पा को ग्रुप सी के दूसरे एकतरफा मुकाबले में दुनिया की चौथे नंबर की जोड़ी से 11-21, 12-21 से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले, भारतीय जोड़ी को अपने अभियान के पहले मैच में भी हार का सामना करना पड़ा था। वे कोरिया गणराज्य के किम सो यियोंग और कोंग ही योंग के खिलाफ सीधे सेटों में हार गए थे। सो यियोंग-ही योंग ने भारतीय जोड़ी को 21-18, 21-10 से हराया। यह खेल 46 मिनट तक चला। भारतीय राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन और विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेता लक्ष्य सेन शाम 5:30 बजे अपने ग्रुप एल मैच में बेल्जियम के जूलियन कैरागी से भिड़ेंगे। सेन की योग्यता की संभावनाओं को उस समय गंभीर झटका लगा, जब ओलंपिक में बैडमिंटन पुरुष एकल ग्रुप एल मैच में ग्वाटेमाला के केविन कॉर्डन पर उनकी शानदार जीत को 'हटा दिया गया' क्योंकि ग्वाटेमाला के खिलाड़ी ने बाएं कोहनी की चोट के कारण बहु-खेल आयोजन से अपना नाम वापस ले लिया। कॉर्डन ने चल रहे पेरिस ओलंपिक से खुद को वापस ले लिया, जिसके लिए इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी और बेल्जियम के जूलियन कैराग्गी के खिलाफ उनके आगामी ग्रुप एल मैच नहीं खेले जाएंगे।

16 साल की जिया ने रचा इतिहास, इंग्लिश चैनल पार करने वाली दुनिया की सबसे युवा और सबसे तेज पैरा तैराक

नई दिल्ली। 'ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर' से पीड़ित मुंबई की 16 वर्षीय जिया राय इंग्लिश चैनल पार करने वाली दुनिया की सबसे कम उम्र की और सबसे तेज पैरा तैराक बन गई हैं। उन्होंने यह उपलब्धि 28-29 जुलाई को हासिल की। जिया ने 28 से 29 जुलाई के बीच 17 घंटे और 25 मिनट के समय में इंग्लैंड के एबट्स क्लिफ से फ्रांस के प्वाइंट डे ला कोर्टे-ड्यून तक इंग्लिश चैनल को तैरकर पार किया। उन्होंने 34 किलोमीटर की दूरी तय की। वह मुंबई में सेवारत नौसेना के मदन राय की बेटी हैं। पश्चिमी नौसेना कमान (डब्ल्यूएनसी) ने युवा पैरा तैराक को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। पश्चिमी नौसेना कमान ने 'एक्स' पर लिखा, 'डब्ल्यूएनसी के सभी कर्मचारी जिया राय को इंग्लिश चैनल को सफलतापूर्वक अकेले तैरकर पार करने वाली दुनिया की सबसे कम उम्र की।

आर्सेनल ने इतालवी डिफेंडर रिकार्डो कैलाफियोरी के साथ किया करार

एजेंसी

लंदन। प्रीमियर लीग क्लब आर्सेनल ने सीरी ए की टीम बोलोग्ना से इतालवी डिफेंडर रिकार्डो कैलाफियोरी के साथ एक दीर्घकालिक अनुबंध पर करार किया है। क्लब ने उक्त जानकारी दी। रिकार्डो 33 नंबर की शर्ट पहनेंगे। करार के बाद 22 वर्षीय खिलाड़ी ने क्लब के हवाले से कहा, यह आश्चर्यजनक लगता है। यह अब तक कठिन था, लेकिन आखिरकार हम यहाँ हैं और मैं टीम के साथ प्रशिक्षण शुरू करने और प्रशंसकों के लिए खेलने के लिए और इंतजार नहीं कर सकता।

इतालवी खिलाड़ी ने कहा, जब मैं 12 या 13 साल का था, तभी से यह वास्तव में मेरा सपना रहा है, क्योंकि मैं यहाँ लीग का स्तर देख सकता हूँ। यहां दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी खेलते हैं। न केवल मेरे लिए, बल्कि सभी के लिए यहाँ खेलना एक सपना है। आर्सेनल के

मैनेजर मिकेल आर्टेटा ने कहा, रिकार्डो एक बड़ी शख्सियत और चरित्र है, जिसमें विशिष्ट कौशल हैं जो हमें प्रमुख ट्रॉफियों को जीतने के लिए मजबूत बनाएंगे। उन्होंने बोलोग्ना और इटली दोनों के लिए अपने प्रदर्शन के साथ हाल के सीज़न में पहले से ही शानदार विकास दिखाया है, पिछले साल उनकी प्रगति और विकास वास्तव में प्रभावशाली रहा है। मैं रिकार्डो के साथ काम करने, उन्हें टीम में शामिल करने और आने वाले वर्षों में उनका समर्थन करने के लिए उत्सुक हैं।

पेरिस ओलंपिक : नोवाक जोकोविच ने नडाल को हराया

एजेंसी

पेरिस। नोवाक जोकोविच ने यहां पेरिस ओलंपिक के दूसरे दौर में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी राफेल नडाल पर 6-1, 6-4 से जीत हासिल की। यह दोनों महान टेनिस खिलाड़ियों के बीच 60वां और संभवतः आखिरी मुकाबला था।

जोकोविच ने शुरुआती 11 में से 10 गेम जीते, जबकि नडाल अपने उस कुशल और हमेशा जोश से भरे प्रदर्शन के आसपास भी नहीं थे, जिसकी बदौलत उन्होंने रोलांड गैरोस में इसी लाल मिट्टी पर रिकॉर्ड 14 फ्रेंच ओपन ट्रॉफी जीती थीं। 38 वर्षीय नडाल कमजोर दिखे और ऐसा लग रहा था कि वह पिछले दो सीज़न में कई चोटों और हिप सर्जरी के कारण बहुत कम खेलने के बाद अब रिटायरमेंट की ओर बढ़ रहे हैं। फिर अचानक, नडाल ने इस मुकाबले को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए जोरदार प्रयास किया और दूसरे सेट में लगातार चार गेम जीते, जिसमें फोरहैंड विनर भी शामिल

था, जिससे स्कोर 4-4 हो गया। हालांकि इसके बाद जोकोविच ने वापसी की और सेट के साथ मैच भी अपने नाम किया। जोकोविच के पास 24 ग्रैंड स्लैम खिताब हैं, और नडाल के पास 22, जो खेल के सौ साल से ज़्यादा के इतिहास में पुरुषों के दो सबसे ज़्यादा खिताब हैं, दोनों को नंबर 1 रैंक दिया गया है, और पेशेवर युग में पुरुषों की कोई भी जोड़ी एक-दूसरे के साथ इतनी बार नहीं खेली है।

दोनों पुरुष टेनिस के तथाकथित बिग थ्री के दो खिलाड़ी हैं, इस सूची के तीसरे खिलाड़ी रोजर फेडरर हैं, जिन्होंने 20 स्लैम खिताब के साथ संन्यास लिया।

फॉर्मूला वन: कार्लोस सैन्ज़ ने 2025-26 के लिए विलियम्स रेसिंग के साथ किया करार

एजेंसी

पेरिस। फॉर्मूला वन ड्राइवर कार्लोस सैन्ज़ ने 2025 और 2026 सीज़न के लिए विलियम्स रेसिंग के साथ अनुबंध किया है। 29 वर्षीय स्पैनियार्ड फेरारी में अपने अंतिम सीज़न में हैं और वर्तमान में स्न1 ड्राइवर स्टैंडिंग में पांचवें स्थान पर हैं। सैन्ज़ ने एक बयान में कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि मैं 2025 से विलियम्स रेसिंग में शामिल हो जाऊंगा। यह कोई रहस्य नहीं है कि इस साल का ड्राइवर बाजार विभिन्न कारणों से असाधारण रूप से जटिल रहा है और मुझे अपना निर्णय घोषित करने में कुछ समय लगा है। उन्होंने कहा, हालांकि, मुझे पूरा विश्वास है कि विलियम्स मेरे लिए अपनी स्न1 यात्रा जारी रखने के लिए सही जगह है और मुझे ऐसी ऐतिहासिक और सफल टीम में शामिल होने पर बहुत गर्व है, जहां मेरे बचपन के कई नायकों ने अतीत में गाड़ी चलाई और हमारे खेल पर अपनी छाप छोड़ी। विलियम्स को वापस उस जगह पर लाने का अंतिम लक्ष्य, जहां वह है, ग्रिड के सामने, एक चुनौती है जिसे मैं उत्साह और सकारात्मकता के साथ स्वीकार करता हूं। मुझे विश्वास

है कि इस टीम में फिर से इतिहास बनाने के लिए सभी सही तत्व हैं और 1 जनवरी से, मैं टीम के हर एक सदस्य के साथ विलियम्स को आगे बढ़ाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगा।

सैन्ज़ ने मार्च में ऑस्ट्रेलियाई ग्रैंड प्रिक्स में अपने करियर की तीसरी स्न1 जीत हासिल की। उन्होंने इस सीज़न में चार बार तीसरा स्थान भी हासिल किया है, जिसमें सबसे हाल ही में 30 जून को ऑस्ट्रियाई जीपी भी शामिल है।

विलियम्स टीम के प्रमुख जेम्स वोल्स ने कहा, कार्लोस का विलियम्स में शामिल होना दोनों पक्षों की मंशा का एक मजबूत संकेत है। कार्लोस ने बार-बार यह साबित किया है कि वह ग्रिड पर सबसे प्रतिभाशाली ड्राइवरों में से एक है, जिसके पास रेस जीतने का रिकॉर्ड है, और यह इस बात को रेखांकित करता है कि हम किस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। कार्लोस न केवल अनुभव और प्रदर्शन लेकर आए हैं, बल्कि टीम और कार से हर मिलीसेकंड निकालने की तीव्र इच्छा भी रखते हैं; उनका फिट एकदम सही है।

सैन्ज़ ने लोगन सार्जेंट की जगह ली है और वह विलियम्स में एलेक्स एल्बोन के साथ रेस करेंगे। सात बार के स्न1 चैंपियन लुईस हैमिल्टन फेरारी में सैन्ज़ की जगह लेंगे।

लक्ष्य सेन ने जूलियन कैराग्गी को सीधे सेटों में हराया

एजेंसी

पेरिस। भारतीय शटलर लक्ष्य सेन ने चल रहे पेरिस ओलंपिक में ग्रुप एल पुरुष एकल बैडमिंटन मैच में बेल्जियम के जूलियन कैराग्गी को हराया। भारतीय खिलाड़ी ने अपने बेल्जियम के प्रतिद्वंद्वी को सीधे सेटों में 21-19, 21-14 से हराया। यह मैच ला चैपल एरिना में 43 मिनट तक चला।

लक्ष्य ने चार अंकों की कमी को दूर करते हुए पहला गेम जीता और दूसरे गेम में कैराग्गी पर पूरी तरह से नियंत्रण में रहे। बैडमिंटन पुरुष एकल ग्रुप एल मैच में ग्वाटेमाला के केविन कॉर्डन पर लक्ष्य की शानदार जीत को हटा दिया गया था, क्योंकि ग्वाटेमाला के खिलाड़ी ने बाएं कोहनी की चोट के कारण इस बहु-खेल आयोजन से अपना नाम वापस ले लिया। कॉर्डन ने चल रहे पेरिस ओलंपिक से खुद को अलग कर लिया है, जिसके लिए इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी और बेल्जियम के जूलियन कैराग्गी के खिलाफ उनके आगामी ग्रुप एल मैच नहीं खेले जाएंगे। ग्रुप स्टेज प्ले के लिए बीडब्ल्यूएफ जनरल कॉम्पिटिशन रेगुलेशन के अनुसार, लक्ष्य सेन और केविन कॉर्डन के बीच मैच का परिणाम हटा दिया गया। भारतीय शटलर को ग्रुप एल में अपने शेष दो मैचों के परिणामों के आधार पर रैंक किया जाएगा। शनिवार को लक्ष्य ने केविन कॉर्डन को 21-8, 22-20 से हराया। लक्ष्य ने 42 मिनट तक चले मैच में सीधे सेटों में जीत हासिल की। ??

पेरिस ओलंपिक : 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पर निशाना साधेंगे मनु-सरबजोत

एजेंसी

पेरिस। पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत के निशानेबाजी अभियान को एक और सकारात्मक सफलता मिली, जब मनु भाकर और सरबजोत सिंह की जोड़ी 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम क्वालीफिकेशन में तीसरे स्थान पर रही, जिससे कांस्य पदक मैच में उनकी जगह पक्की हो गई। मनु-सरबजोत, जिन्होंने कुल 580-20× अंक प्राप्त करके तीसरा स्थान प्राप्त किया, चौथे स्थान पर रहने वाली दक्षिण कोरिया से भिड़ेंगे, जिसने 579-18× अंक प्राप्त किए। स्वर्ण पदक का मुकाबला तुर्किये (582-18×) और सर्बिया (581-24×) के बीच होगा। रिदम सांगवान और अर्जुन सिंह चीमा 10वें स्थान पर रहे और इसलिए पदक मैच से चूक गए। मिश्रित टीम 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के क्वालीफिकेशन राउंड में,

टीम के प्रत्येक सदस्य को 30 मिनट की अवधि में कुल 30 शॉट लगाने थे। शॉट्स की प्रत्येक श्रृंखला में प्रत्येक खिलाड़ी के 10 शॉट और कुल 20 शॉट होते हैं। शीर्ष चार टीमों को पदक राउंड के लिए क्वालीफाई करने का विशेषाधिकार मिला, जिसमें शीर्ष दो टीमें स्वर्ण के लिए और तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमें कांस्य के लिए भिड़ेंगी।

टी-20 प्रारूप में 2025 के पुरुष एशिया कप की मेजबानी करेगा भारत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत अगले साल टी-20 प्रारूप में पुरुषों के एशिया कप की मेजबानी करेगा, जबकि यह टूर्नामेंट 2027 में बांग्लादेश में 50 ओवर के प्रारूप में खेला जाएगा।

एशियाई क्रिकेट परिषद द्वारा जारी प्रायोजन अधिकार दस्तावेज़ के लिए रुचि की अभिव्यक्ति के लिए आमंत्रण के अनुसार, कुल 13 मैच टूर्नामेंट में होंगे जिसमें छह टीमें - भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफ़गानिस्तान भाग लेंगी और छठी टीम क्वालीफाइंग इवेंट के ज़रिए चुनी जाएगी। हालांकि तारीखों को अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है, लेकिन सूत्रों ने संकेत दिया है कि देश में मानसून का मौसम खत्म होने के बाद सितंबर में इसे

आयोजित किया जा सकता है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) 2023-27 के अनुसार, भारत का अगले साल काफी व्यस्त कार्यक्रम है, क्योंकि जनवरी-फरवरी में इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज होगी, उसके बाद फरवरी-मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी होगी। आईपीएल खत्म होने के बाद, टीम जून से अगस्त तक इंग्लैंड का दौरा करेगी और फिर तीन वनडे और इतने ही टी20 मैच खेलने के लिए बांग्लादेश जाएगी। इसलिए, एशिया कप बांग्लादेश सीरीज के बाद और अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले आयोजित होने की उम्मीद है। हालांकि, बीसीसीआई के सूत्रों ने स्पष्ट किया कि संभावित स्थलों के बारे में अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। जबकि 2026 में कोई पुरुष एशियाई टूर्नामेंट नहीं होगा, उस साल महिला एशिया कप टी20 प्रारूप में खेला जाएगा, उसके बाद पुरुषों का अंडर-19 और इमर्जिंग टीम एशिया कप टूर्नामेंट होगा। पिछले साल, एशिया कप हाइब्रिड मॉडल में खेला गया था, जिसमें पाकिस्तान ने अपने घरेलू मैदान पर कुछ मैचों की मेजबानी की थी, जबकि भारत ने अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले थे। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में फाइनल में श्रीलंका को 10 विकेट से हराकर खिताब जीता था।

एसए-20 : प्रिटोरिया कैपिटल्स के मुख्य कोच नियुक्त हुए जोनाथन ट्रॉट

एजेंसी

नई दिल्ली। जोनाथन ट्रॉट को आगामी एसए-20 सीज़न के लिए प्रिटोरिया कैपिटल्स का नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है, जो ग्राहम फोर्ड की जगह लेंगे, जिन्होंने पिछले महीने यह पद खाली कर दिया था।

वर्तमान में, ट्रॉट अफ़गानिस्तान की राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच हैं, यह पद उन्होंने 2022 से संभाला है। जनवरी में नवीनीकृत उनका अनुबंध 2024 के अंत तक चलने वाला है। हालांकि, यह अनिश्चित है कि 43 वर्षीय खिलाड़ी उस अवधि के बाद भी इस पद पर बने रहेंगे या नहीं। एसए20 लीग जनवरी 2025 में होगी, जो उनके वर्तमान अंतरराष्ट्रीय कर्तव्यों से टकराव नहीं करती है। इसके बावजूद, इस बात की कोई पुष्टि नहीं हुई है कि ट्रॉट अफ़गानिस्तान के साथ अपना अनुबंध बढ़ाएंगे या नहीं, जो दिसंबर में समाप्त होने वाला है।

ईएसपीएनक्रिकइन्फो के अनुसार,रिकी पोंटिंग के साथ अलग होने के बाद कैपिटल्स में महत्वपूर्ण बदलाव हो रहे हैं, जिससे दिल्ली फ्रैंचाइज़ के साथ उनका सात साल का कार्यकाल समाप्त हो गया है। ग्राहम फोर्ड को रिलीज़ करने का प्रिटोरिया का फ़ैसला एक चुनौतीपूर्ण दूसरे सीज़न के बाद आया

जिसमें उन्होंने केवल तीन जीत हासिल की और पाँचवें स्थान पर रहे। यह 2023 में उनके डेब्यू सीज़न से बिल्कुल अलग था, जहाँ वे तालिका में शीर्ष पर थे और उपविजेता रहे।

जोनाथन ट्रॉट ने अफ़गानिस्तान के मुख्य कोच के रूप में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है, जिससे वैश्विक टूर्नामेंटों में टीम के प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। छोटे प्रारूपों में अपनी प्रतिभा के बावजूद, ट्रॉट के कार्यकाल से पहले अफ़गानिस्तान ने आईसीसी टूर्नामेंट में केवल एक ही मैच जीता था। पिछले नौ महीनों में, उन्होंने 2023 वनडे और 2024 टी20आई विश्व कप के दौरान ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, श्रीलंका, न्यूज़ीलैंड और बांग्लादेश जैसी प्रमुख टीमों को हराकर सेमीफाइनल तक का सफर तय किया, जहां उन्हें दक्षिण अफ्रीका से हार का सामना करना पड़ा।

ट्रॉट को इंग्लैंड के सीमित ओवरों के मुख्य कोच पद के लिए भी माना जा रहा है, हालांकि उन्हें बाहरी दावेदार के रूप में देखा जा रहा है। वर्तमान मुख्य कोच मैथ्यू मॉट के भविष्य पर जल्द ही निर्णय होने की उम्मीद है। इंग्लैंड के लिए 127 कैप अर्जित करने वाले ट्रॉट ने पहले अंडर-19 और लायंस टीमों को कोचिंग दी है और वर्तमान में पुरुषों की हंड्रेड में ट्रेंट रॉकेट्स के सहायक कोच के रूप में काम कर रहे हैं।

पेरिस ओलंपिक: मनिका बत्रा ने राउंड ऑफ 32 में फ्रांस की पृथिका पावड़े को हराया

एजेंसी

पेरिस। भारतीय पैडलर मनिका बत्रा ने सोमवार रात पेरिस ओलंपिक के टेबल टेनिस महिला एकल के राउंड ऑफ 32 मैच में फ्रांस की पृथिका पावड़े को शिकस्त दी। टेबल टेनिस महिला एकल राउंड ऑफ 32 मैच में मनिका बत्रा ने अपनी फ्रांसीसी प्रतिद्वंद्वी को 4-0 (11-9, 11-6, 11-9, 11-7) से हराया।

बत्रा ने दो अंकों से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए पहला गेम 11-9 से जीता। भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे गेम को पांच अंकों के आरामदायक अंतर से जीता। हालांकि पावड़े ने तीसरे गेम में प्रतिरोध करने की कोशिश की, लेकिन बत्रा ने गेम 11-9 से अपने नाम कर लिया। इससे पहले राउंड ऑफ 64 मैच में मनिका बत्रा ने ग्रेट ब्रिटेन की अन्ना हर्सी को हराया था। 29 वर्षीय बत्रा ने दमदार प्रदर्शन करते हुए 11-8, 12-10, 11-9, 9-11, 11-5 के स्कोर के साथ मैच जीतकर राउंड ऑफ 32 में अपनी जगह पक्की की

थी। बत्रा ने पूरे मैच में दबाव में उल्लेखनीय संयम दिखाया। तीसरा गेम खास तौर पर रोमांचक रहा, जिसमें किशोरी एना हर्सी ने एक समय 8-7 की बढ़त ले ली थी। हालांकि, बत्रा ने संयम बनाए रखा और दूसरा गेम प्वाइंट हासिल कर गेम 11-9 से अपने नाम कर लिया। चौथे गेम में, बत्रा ने जोरदार शुरुआत की और जल्दी ही 5-1 की बढ़त बना ली। फिर भी, हर्सी ने वापसी की और अंततः 6-5 से आगे निकल गई। गेम में लगातार बढ़त के आदान-प्रदान के साथ खेल जारी रहा और हर्सी ने गेम को 11-9 से जीतने का तरीका ढूंढ़ निकाला, जिससे मैच में महत्वपूर्ण वापसी हुई। इस झटके के बावजूद, बत्रा ने चौथा गेम हारने की निराशा को भुलाकर पांचवें गेम में दृढ़ निश्चय के साथ वापसी की। उन्होंने 11-5 की जीत के साथ गेम को शानदार तरीके से समाप्त किया, जिससे मैच में उनकी जीत पक्की हो गई।

उत्तर प्रदेश बास्केटबॉल लीग का आगाज, छह टीमों के बीच खेला जा रहा यह दिलचस्प टूर्नामेंट

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश बास्केटबॉल एसोशिएशन के द्वारा 27 जुलाई से तीन अगस्त तक उत्तर प्रदेश बास्केटबॉल लीग का आयोजन किया जा रहा है। जिसकी मेजबानी नेहरु वर्ल्ड स्कूल गाजियाबाद द्वारा की जा रही है। इस लीग के लिए खिलाड़ियों की चयन प्रकिया 19 जुलाई से 21 जुलाई तक नेहरु वर्ल्ड स्कूल गाजियाबाद में की गई, जिसमें उत्तर प्रदेश के 400 खिलाड़ियों ने भाग लिया। 72 खिलाड़ियों का चयन किया गया, जिन्हें छह टीमों में विभाजित किया गया। प्रशिक्षकों के चयन की प्रकिया में कुल 47 प्रशिक्षकों के आवेदन थे। कुल छह टीमों के लिए छह प्रशिक्षकों को चुना गया।

पेरिस 2024: हरमनप्रीत के आखिरी क्षणों में किए गए गोल की बदौलत भारत ने अर्जेंटीना को 1-1 से ड्रॉ पर रोका

एजेंसी

पेरिस। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह के 59वें मिनट में किये गए गोल की बदौलत भारत ने सोमवार को यहां यवेस-डू-मानोइर स्टेडियम में पूल बी के मैच में अर्जेंटीना को 1-1 से बराबरी पर रोक दिया। लुकास मार्टिनेज (22फीसदी) ने शुरुआत में ही अर्जेंटीना को बढ़त दिला दी थी न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला मैच 3-2 से जीतने के आत्मविश्वास के साथ मैच में उतरते हुए भारत ने पहले क्वार्टर में दबदबा बनाया, जिसमें युवा भारतीय फॉरवर्ड ने जोरदार हमला किया, लेकिन अर्जेंटीना की गतिरोध को तोड़ना एक संघर्ष था। इस बीच, अर्जेंटीना, जिसने अपना पिछला मैच ऑस्ट्रेलिया से 0-1 से गंवाया था, शुरुआती हूटर से ही भारत को दबाव में रखने के लिए अधिक दृढ़ संकल्पित दिख रहा था। पहला क्वार्टर गोल रहित रहने के बाद, भारत ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत 19वें मिनट में लगातार

पेनल्टी कॉर्नर (पीसी) हासिल कर की, लेकिन अर्जेंटीना के गोलकीपर सैंटियागो ने भारत के कप्तान को गोल करने से रोके रखा। मैच के 22वें मिनट में लुकास मार्टिनेज ने डिफेंडर हरमनप्रीत को चकमा देते हुए सर्कल में जगह बनाते हुए गोलकीपर श्रीजेश को छकाकर बेहतरीन गोल किया और अपनी टीम को 1-0 से आगे कर दिया। हालांकि भारत ने इस क्वार्टर में बराबरी करने के लिए कुछ संभावित प्रयास किए, लेकिन अर्जेंटीना की बैकलाइन पूरे समय दृढ़ रही। पहले हॉफ की समाप्ति पर अर्जेंटीना की टीम 1-0 से आगे रही। हॉफ टाइम के बाद भी भारत का संघर्ष जारी रहा, लेकिन टीम को सफलता नहीं मिली। अंतिम क्वार्टर पूरी तरह से नाटकीय था, फिर भी भारत के लिए तनावपूर्ण था क्योंकि भारतीय टीम अभी भी बराबरी करने की कोशिश में थी, लेकिन अर्जेंटीना के डिफेंस को वे भेद नहीं पा रहे थे। अंतिम कुछ क्षण काफी रोमांचक रहे क्योंकि भारत ने पीसी की झड़ी लगा दी और आखिरकार आखिरी समय में बढ़त बनाने में सफल रहा। हरमनप्रीत ने शानदार प्रदर्शन किया और शक्तिशाली ड्रैग के साथ गोलकीपर सैंटियागो को छकाते हुए शानदार गोल कर भारत को 1-1 से बराबरी दिला दी। आखिरी में किए गए इस गोल ने स्टैंड में मौजूद भारतीय प्रशंसकों के बीच जश्न का माहौल बना दिया। भारतीय टीम अपने अगले मैच में मंगलवार, 30 जुलाई को आयरलैंड से भिड़ेगी।

शिवांगी जोशी

थीं ओरिजिनल आलमजेब? 'हीरामंडी' से ऑफर हुआ था भंसाली की भांजी वाला कैरेक्टर

शिवांगी जोशी ने स्टार प्लस के मशहूर सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में हिना खान को रिप्लेस किया था. ये सीरियल उनके करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ. हालांकि 'ये रिश्ता' के बाद शिवांगी टीवी की दुनिया में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई. हाल ही में एक मीडिया पोर्टल को दिए इंटरव्यू में उन्होंने अपने स्ट्रगल के बारे में खुलकर बात की. इस इंटरव्यू ने शिवांगी ने बताया कि कैसे उन्होंने एक मशहूर वेब सीरीज के लिए कई ऑडिशन दिए थे और इस सीरीज के लिए उन्हें फाइनलाइज भी किया गया था. लेकिन फिर उन्हें इस प्रोजेक्ट से रिप्लेस कर दिया गया.शिवांगी ने बताया, टीवी के बाद मुझे ओटीटी के कई ऑफर आ रहे थे. मैंने एक बड़े प्रोजेक्ट के लिए ऑडिशन भी दिया था और मेकर्स को मेरा ऑडिशन पसंद भी आ गया था. कई ऑडिशन देने के बाद जब सब कुछ तय हो गया तब मुझे यकीन हो गया कि मैं वो प्रोजेक्ट करने वाली हूं. लेकिन फिर मुझे पता चला कि वो प्रोजेक्ट मैं नहीं कर रही हूं और मेरी जगह किसी और को कास्ट किया गया है. जब मैंने इसके पीछे की वजह पूछी तब मुझे बताया गया कि मुझे जिसने रिप्लेस किया है वो एक स्टार किड है और अगर मैं चाहूं तो इस सीरीज में उस स्टार किड की दोस्त का किरदार कर सकती हूं. लेकिन मैंने फिर वो प्रोजेक्ट करने के लिए ना कह दी.

शिवांगी को ऑफर हुई थी हीरामंडी ?

भले ही इस इंटरव्यू में शिवांगी की तरफ से कहीं पर भी ये नहीं कहा गया है कि वो कौन से प्रोजेक्ट की बात कर रही हैं. लेकिन उनके फैन्स का मानना है कि शिवांगी 'हीरामंडी' की बात कर रही हैं और उन्होंने आलमजेब के किरदार के लिए ही ऑडिशन दिया था. नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही वेब सीरीज हीरामंडी में संजय लीला भंसाली की भांजी शर्मिन सहगल ने प्रमुख भूमिका निभाई थीं और टीवी एक्ट्रेस श्रुति सिन्हा उनकी सहेली बनी थीं. भंसाली प्रोडक्शन की तरफ से इस सीरीज के सीजन 2 की घोषणा भी कर दी गई है.

जानें क्या है फैन्स का रिएक्शन

शिवांगी के इस इंटरव्यू के बाद एक फैन ने फिल्म इंडस्ट्री में चल रहे नेपोटिज्म पर निशाना साधते हुए लिखा कि अब तो ये स्पष्ट हो गया कि शिवांगी को हीरामंडी सीरीज की आलमजेब का किरदार ऑफर हुआ था. इस सीरीज के लिए उनके दिए हुए ऑडिशन की तस्वीरें भी हमने देख ली थीं. अगर ये किरदार उन्हें मिलता तो वो उनके करियर के लिए गेम चेंजर बन जाता. शिवांगी अगर आलमजेब का किरदार निभातीं तो ये सीरीज और ज्यादा हिट होती, लेकिन यहां तो सब जगह नेपोटिज्म चल रहा है.

निक्की तंबोली

से लेकर अभिजीत सावंत तक रितेश देशमुख के शो में नजर आएंगे ये मशहूर चेहरे

रितेश देशमुख बिग बॉस मराठी का 5वां सीजन होस्ट कर रहे हैं. उन्होंने इस शो के 4 सफल सीजन होस्ट करने वाले मशहूर फिल्म निर्देशक और एक्टर महेश मांजरेकर को रिप्लेस किया है. 28 जुलाई 2024 से ऑन एयर हुए बिग बॉस मराठी के सीजन 5 में मराठी कलाकारों के साथ कई ऐसे सितारे शामिल हुए हैं, जो हिंदी इंडस्ट्री में भी काफी मशहूर हैं. तो आइए एक नजर डालते हैं हिंदी इंडस्ट्री के उन मशहूर सितारों पर जो रितेश देशमुख के बिग बॉस में बतौर कंटेस्टेंट शामिल हुए हैं.बिग बॉस 14 की फाइनलिस्ट निक्की तंबोली ने रितेश देशमुख के बिग बॉस मराठी में एंट्री की है. निक्की ने रितेश से कहा कि इस शो में वो तभी एंट्री करेंगी जब उन्हें ये यकीन दिलाया जाएगा कि बिग बॉस के इस सीजन में हैंडसम लड़के भी बतौर कंटेस्टेंट शामिल हुए हैं. निक्की का सपना है कि वो इस बार बिग बॉस की ट्रॉफी जीतें.

बिग बॉस 14 के बाद निक्की ने कुछ म्यूजिक वीडियो में काम किया था. तिहाड़ जेल में महाठग सुकेश चंद्रशेखर से दो बार मिलने की वजह से निक्की तंबोली का नाम चर्चा में आया था. मीडिया रिपोर्ट्स में लिखा गया था कि सुरेश ने निक्की को गुच्ची की महंगी बैग और 3 लाख रुपये बतौर गिफ्ट दिए थे. हालांकि निक्की ने इन बातों से साफ इनकार कर दिया था.

अभिजीत सावंत की एंट्री

इंडियन आइडल 1 के विनर और सिंगर अभिजीत सावंत ने भी बिग बॉस मराठी में एंट्री की है. रितेश से बात करते हुए अभिजीत बोले कि वो इस शो के लिए बहुत एक्साइटेड हैं. आमतौर पर जिस तरह से हिंदी बिग बॉस में एक फॉरेन सेलिब्रिटी को बतौर कंटेस्टेंट शामिल किया जाता है, ठीक उस तरह से मराठी बिग बॉस में भी एक विदेशी चेहरे की एंट्री हो चुकी है. छोटी सरदारनी फेम इरिना रूडाकोवा रितेश देशमुख के शो में नजर आने वाली हैं.

डायन भी 7 घर छोड़कर वार करती है?जब कृतिका-अरमान मलिक से पूछे गए तीखे सवाल

'बिग बॉस ओटीटी 3' के घर में जबरदस्त हंगामा देखने को मिल रहा है. हर रोज घर में नए-नए लड़ाई झगड़े होते हैं. अब शो अपने फाइनल की ओर है. शो में अरमान मलिक अपनी दोनों पत्नियों के साथ पहुंचे थे. उनकी पहली पत्नी पायल शो से बहुत पहले ही बाहर हो गई थीं और कृतिका ने अभी तक अपनी जगह बनाई हुई है. अब शो में अभी तक टिकने वाले कंटेस्टेंट को प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया के सवालों का जवाब देना होगा. हाल ही में जारी किए गए प्रोमो में कृतिका और अरमान से उनकी शादी को लेकर सवाल किए जा रहे हैं, दोनों अपने आप को काफी डिफेंड करने की कोशिश कर रहे हैं.प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक जर्नलिस्ट कृतिका मलिक से पायल के पति से प्यार करने और अपनी बेस्ट फ्रेंड को धोखा देने के बारे में सवाल करती हैं. कृतिका अपना बचाव करते हुए कहती हैं, मैं मानती हूं मुझे प्यार हुआ, हर किसी को प्यार होता है. इस पर जर्नलिस्ट कहती हैं, कृतिका डायन भी 7 घर छोड़ कर वार करती है. इसके साथ ही एक जर्नलिस्ट ने अरमान से पूछा कि क्या धोखा देना उनकी चॉइस है? तो अरमान ने जवाब दिया कि अगर ये उनकी चॉइस होती, तो वो पायल और कृतिका में से किसी एक को छोड़ देते. जब उनसे पूछा गया कि उनकी पत्नियों के साथ उनके रिश्ते को क्या कहा जाता है, तो उन्होंने कहा कि कुछ रिश्तों का कोई नाम नहीं होता.

पायल ने किया था खुलासा

अरमान मलिक की दूसरी शादी को लेकर बिग बॉस के सेट पर उनकी पहली पत्नी पायल मलिक ने बात करते हुए कहा था कि कृतिका उनकी बेस्ट फ्रेंड थीं और उन्होंने कृतिका को अपने बेटे चीकू की बर्थडे पार्टी में इनवाइट किया था. पार्टी में फोटोज क्लिक की गईं, जब कृतिका ने पायल से फोटोज के बारे में पूछा, तो पायल ने कृतिका को अरमान का नंबर दिया और अपने 'जीजू' से फोटोज लेने के लिए कहा. इसके कुछ दिनों बाद किसी वजह से कृतिका को पायल के घर पर रहना पड़ा, वो छह दिन तक पायल के घर पर रुकी और अरमान से प्यार करने लगी और दोनों ने शादी कर ली.

टूट गई थीं पायल मलिक

पायल ने ये भी बताया था कि वो अरमान और कृतिका के धोखे से टूट गई थीं और एक साल से ज्यादा समय तक उनके रिश्ते के खिलाफ रही थीं. हालांकि, जब पायल को एहसास हुआ कि उनके पास जाने के लिए कोई और जगह नहीं है तो उन्होंने अरमान और कृतिका की शादी को एक्सेप्ट करने का फैसला कर लिया.

मेरी बात सुन ले वरना उठाकर यहीं पटक दूंगा...आसिम रियाज पर क्यों भड़के रोहित शेट्टी?

पिछले 10 सालों से रोहित शेट्टी 'खतरों के खिलाड़ी' होस्ट कर रहे हैं. कलर्स टीवी के इस एडवेंचर रियलिटी शो में टीवी और फिल्म इंडस्ट्री के कई मशहूर सेलिब्रिटी बतौर कंटेस्टेंट शामिल हुए हैं. इन सेलिब्रिटीज के साथ स्टंट परफॉर्म करते समय शो के होस्ट रोहित शेट्टी ने उन्हें कई बार डांट लगाई है. लेकिन इस शो के इतिहास में कभी ये नहीं हुआ कि रोहित किसी कंटेस्टेंट पर इस तरह से भड़के कि उन्होंने सीधे उस कंटेस्टेंट को धमकी दे डाली. लेकिन 'खतरों के खिलाड़ी' के सीजन 14 में कुछ ऐसा हुआ कि रोहित शेट्टी ने कंटेस्टेंट आसिम रियाज को धमकी दे डाली कि वो उन्हें उठाकर पटक देंगे.दरअसल 'खतरों के खिलाड़ी 14' के पहले दिन से ही आसिम रियाज अपने साथी कंटेस्टेंट को नीचा दिखाते हुए नजर आ रहे हैं. कभी उन्हें झुंड में आने वाले लोगों का टैग देना, कभी उनकी औकात के ऊपर सवाल उठाना, तो कभी उन्हें अपने पैसों का घमंड दिखाना, उनकी इन हरकतों से शो में शामिल हुए कंटेस्टेंट के साथ-साथ रोहित शेट्टी भी तंग आ गए थे. हद तो तब हुई जब एक स्टंट अबोर्ट करने के बाद आसिम ये दावा करने लगे कि वो स्टंट कोई कर ही नहीं सकता. उन्हें चुप करने के लिए जब रोहित शेट्टी ने उन्हें स्टंट परफॉर्म करने वाले स्टाफ की क्लिप दिखाई, तब भी आसिम अपनी ही बातों पर अड़े रहे.

आसिम पर भड़क गए रोहित शेट्टी

अपने साथी कंटेस्टेंट अभिषेक कुमार, शालीन भनोट के साथ लड़ाई करने में आसिम इतने खो गए थे कि उन्होंने उन्हें समझाने की कोशिश करने वाले शो के होस्ट रोहित शेट्टी को भी नजरअंदाज कर दिया. उन्होंने रोहित शेट्टी के सामने ये तक बोल दिया कि उनकी वजह से ये शो चल रहा है, वो साल में चार गाड़ियां बदलते हैं. आज उनका नाम जुड़ने की वजह से लोग इस शो को देखना चाहते हैं और वो पैसों के लिए नहीं बल्कि अपने फैन्स के लिए ये शो कर रहे हैं. आसिम की ये बातें इतनी बढ़ गई कि आखिरकार रोहित शेट्टी को भी कहना पड़ा कि ये क्या चल रहा है तुम्हारा, मेरी बात सुन ले वरना उठाकर यहीं पटक दूंगा. हालांकि आसिम फिर भी अभिषेक कुमार से बहस करते रहे और इस वजह से उन्हें शो से बाहर जाना पड़ा.

रोहित शेट्टी का बड़ा फैसला

इस पूरे मामले पर बात करते हुए रोहित शेट्टी ने कहा, 卐10 साल हो गए मुझे इस शो को करते हुए. ये एक हिट शो है. करीबन 150 से 200 खिलाड़ी इसमें अब तक शामिल हो चुके हैं. कई बार मैंने उन्हें डांटा भी है, कई बार उनका अपना पॉइंट ऑफ व्यू रखा है.